

BHASKARACHARYA COLLEGE OF APPLIED SCIENCES

(University of Delhi)

Accredited "A" Grade by NAAC | 'Star College Status' by DBT

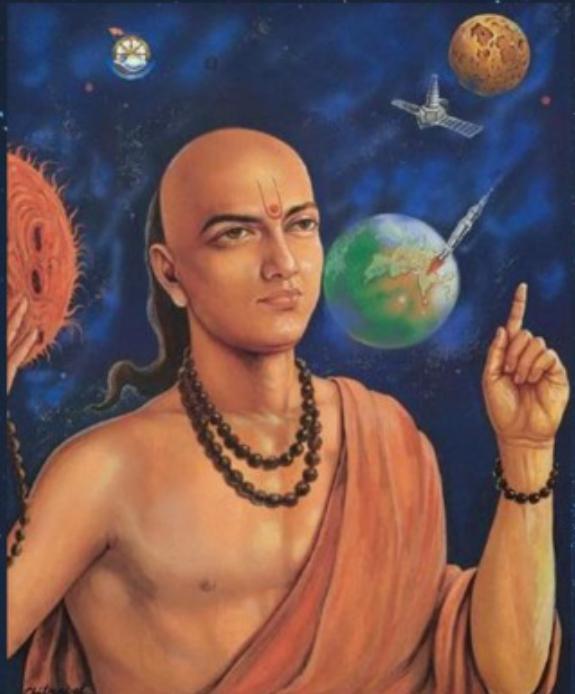


R
E
S
O
N
A
Z
E



THE ANNUAL MAGAZINE

2021



BHASKARACHARYA

The college is named after Bhaskaracharya, a 12th century mathematician and cosmologist born in the village of Vijjadit (Jalgaon) in Maharashtra. His work in Algebra, Arithmetic and geometry made him well known throughout the science community, especially for his renowned work on Algebra called 'Leelaavatee Beeja Ganita'. In one of his famous treatise, 'Siddhanta Shiromani', he explained the positions of planets, eclipses, cosmography, mathematical techniques and astronomical equipment. He was the first person to discover the law of gravitation, contrary to the commonly known Sir Isaac Newton.

Triumphant is the illustrious Bhaskaracharya whose feats are revered by both the wise and the learned. A poet endowed with fame and religious merit, he is like the crest on a peacock.

Index

<i>Principal's Message</i>	1
<i>Editorial</i>	2
<i>Hindi Khand</i>	4
<i>Regional Section</i>	12
<i>English Section</i>	20
<i>2020 in Retrospect</i>	38
<i>Artist's Corner</i>	44
<i>Delightful Memories</i>	56
<i>The Departments</i>	70
<i>Star College Scheme</i>	83
<i>Cells, Committees & Clubs</i>	87

The cover page art work was contributed by Mr. Sameer Yadav of B.Sc. (Hons.) Computer Science II year.

Principal's Message

Prof. Balaram Pani
Principal, BCAS



“The struggle you're in today is developing the strength you need for tomorrow. Don't give up”

“Robert Tew”

Warm Greetings to all!

I am glad to inform you that Bhaskaracharya College of Applied Sciences has successfully completed 25 years of an amazing journey in the field of education and knowledge enhancement and shall continuously strive to deliver its best in the times to come.

Being affected by COVID-19 pandemic, the education sector has actively explored alternative methods for content delivery and student evaluation. Our college, too, has successfully adopted Microsoft Teams for online teaching and learning. It has proven to be a wonderful means of uninterrupted learning for students, college meetings and online events. We, at Bhaskaracharya, are self-reliant in several technological domains such as automated attendance modules, internal assessment compilation etc.

Our institution aims to produce ideal citizens who understand their responsibilities to execute their duties with dedication. The college provides various platforms to conduct an array of activities designed for the all-round personality development of students. I appreciate the active and enthusiastic participation of faculty members and students in various co- and extra-curricular activities as well as research.

I congratulate the members of magazine committee and editorial board for their indefatigable efforts in bringing out this publication of the annual college magazine “Resonance”. It was rather a challenging task to bring together the final version of the magazine owing to the unprecedented times being faced by all.

I request all of you to diligently follow the safety guidelines issued by the government from time to time and stay united in their endeavours to tide over the COVID-19 pandemic impact. On behalf of college, I assure maximum support and assistance to you and your family at times of any need. Good luck to all.

Happy reading!!!

With best wishes.

Editorial

Dr. Neeru Sharma
Convener, Magazine Committee



“Tough times never last but tough people do.”

“Dr. Robert Schuller”

Warm Greetings to all!

Resonance is the annual college magazine of Bhaskaracharya College of Applied Sciences, University of Delhi. It is dedicated to preserving, promoting and presenting the creative work of students and staff of the college. Over the years, the magazine has given a podium to upcoming talents to showcase their literary talent and express their thoughts, feelings and insights about their perspective towards the world around them.

The editorial board has tried to present to you the best talent that college has to offer in diverse creative forms. For the very first time, a regional section is introduced in our college magazine to encourage poetry and writings in regional languages as well as regional art forms which depict our kaleidoscopic and rich cultural heritage. The multi-lingual nature of the magazine is a testament to the diversity of students and staff of our college.

In these unprecedented times of Covid pandemic, publishing this issue would not have been possible without the efforts of students and colleagues who have contributed to different stages of putting this magazine together. My special thanks to all members of Magazine Committee and Student Editorial Board who enthusiastically and harmoniously worked on this magazine. I also thank Photography club and Fine Arts club for their contribution to this magazine.

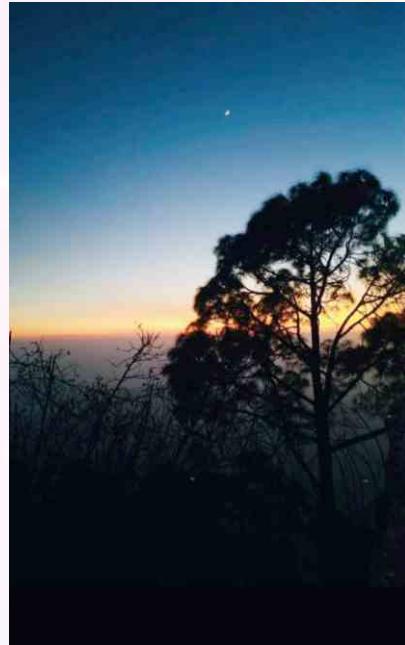
I express my deepest gratitude to Principal Prof. Balaram Pani, for acting as our supporting pillar throughout the process. Carrying forward our annual tradition, Resonance-2021 is being presented in a new look and form for your happy reading.

Stay healthy, stay safe.

REALMS OF NATURE



Aeshna Kaul
B. Sc. (Hons.) Microbiology
I Year



Aeshna Kaul
B. Sc. (Hons.) Microbiology
I Year



Prachi Punia
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science
I Year



Prachi Punia
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science
I Year



Prachi Punia
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science
I Year

हिंदी खण्ड



काव्या सार्थी
बी. एस. सी. (ऑनसे) जीव विज्ञानं
पूर्व छात्रा

प्रकृति

मेघा जोशी

बी. एस. सी. (ऑनर्स) जीव विज्ञान (द्वितीय वर्ष)

अनेक जिसके रूप हैं
कभी बारिश है तो कभी धूप है
मन मेरा खो चला है कहीं
ना जाने क्या मौसम के उसूल हैं।
मन करता है, कि ठहर जाऊँ
उस वसंत में खिलते फूलों में
खुशबू जिनकी अनंत है।
मन करता है, कि लहराया करूँ
जैसे हो “दिल” की लताएं !
सागर में ऐसे खेलूँ
जैसे हो गंगा सूस।
कभी मैं कोयल बनना चाहूँ
तो कभी गिलहरी।
क्या करूँ,
विचित्र ही है यह प्रकृति मेरी।
मन करता है, कि असाड़ में
लगते पौधे को बस नीहारती रहूँ
चलती पुरवाई संग मैं भी
गाती –लहराती रहूँ।
शेर सा साहस हो
लोमड़ी सी चतुराई
बगुले सा ध्यान हो
स्वान सी हो निद्रा।
मन करता है, कि हवा में उड़ूँ
उड़ती रहूँ उस चिड़िया की तरह, खुले जिसके पंख है अभी।
कभी पहाड़ पर बैठूँ
और उगते हुए सूरज को देखूँ
तो कभी झुंड से हटकर
कुछ नया कर जाऊँ।
मन करता है कि
सागर सा उफान ढहा कर
साँप जैसा विष ना बहा कर
गिरगिट सा रंग ना बदल कर
एक सच्चा इंसान बन जाऊँ।

कवि की कल्पना

अमन यादव

बी. एस. सी. (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी (द्वितीय वर्ष)

कोरे कागज और कलम के बीच परस्पर प्यार है—
कवि की कल्पना,
कवि की कल्पना का क्या कहना!
अनन्त गगन में परिदों की उन्मुक्त उड़ान है—
कवि की कल्पना,
अनगिनत विचारों, भावनाओं और कृतियों की खान है—
कवि की कल्पना,
निष्ठान कविताओं को भी जीवित कर दे वो वरदान है —
कवि की कल्पना,
नीरस और निष्ठुर मनोदशा को भी ऊर्जावान कर दे
वो शक्ति—बाण है —कवि की कल्पना,
काव्य जगत और साहित्य—प्रेमियों को सहज दान है —
कवि की कल्पना,
पाठक, लेखक और श्रोता के बीच की पहचान है —
कवि की कल्पना,
साधक और साधना के मध्य सहज ध्यान है —
कवि की कल्पना,
वीर—वीरांगनाओं के पराक्रम एवं बलिदान का परम गान है —
कवि की कल्पना,
सामाजिक कुरीतियों से जूझती,
परन्तु सामाजिक विकास का उत्थान है —
कवि की कल्पना।

जिंदगी

मनीष राणा

बी. एस. सी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स (प्रथम वर्ष)

जिंदगी कभी हँसाती है, तो कभी रुलाती है।
कभी सब कुछ दे देती है, कभी कुछ बाकी नहीं छोड़ती।
कभी इतना खुश कर देगी कि सब भूल जाते हैं,
कभी कुछ ऐसा कर देती है कि कुछ याद करने
लायक नहीं छोड़ती।
कभी किसी ऐसे से मिलाती है कि जिंदगी बदल देती है,
और कभी किसी ऐसे को छीन लेती है कि जीने का
तरीका बदल देती है।

कभी इतना सिखाती है कि जीना आ जाता है,
और कभी नींद में आंसू आ जाए इतना कुछ दिखाती है।
जिन्दगी कभी हंसाती है,
तो कभी रुलाती है।

जीवन के सफर

अभिनीत रमन

बी. एस. सी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस (प्रथम वर्ष)

जीवन के सफर में सब छूट गया है,
मानो सब कुछ जैसे टूट गया है।
फिर एक नया सवेरा आएगा,
मुझे मेरा कर्म बतलाएगा

जितना किया है परिश्रम मैंने,
उतना ही फल अब लौट आएगा।
जिसे जरूरत नहीं उसे छोड़ जाऊँगा,
मदद और दुआ तो होगी, पर मैं न आऊँगा।
बदल जाएगा चरित्र मेरा,
पीछे रह जाएगा वह सवेरा।
जब एक था मेरा चेहरा।
बदल जाएगा मन मेरा,
ना होगा किसी का पहरा।
जुड़ने वाले छूट जाएंगे।
अपने मेरे रुठ जाएंगे।
उस अंधेरी रात के बाद नया युग आएगा।
पवित्रता का नया पुनर्जन्म हो जायेगा।।

कारवाँ

सलेहा प्रवीण

बी. एस. सी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान (प्रथम वर्ष)

ये कारवाँ गुजर जाएगा
एक नया मोड़ किर आएगा।
काँटों से भरे इस सफर में
खुद को तू अकेला ही पाएगा।
हताश ना हो, तेरे आँसू तुझे ही पोंछने हैं
ना जाने, कितने ही विनाश अभी और होने हैं।
आत्मबल की ओढ़नी को माथे पर तू बांध ले
मंजिल तो तू तलाशेगा ये बात भी ठान ले।
सफर बहुत लंबा है तेरे पाँव जरूर काँपेंगे
तेरे शत्रु, तेरी यात्रा को दिशाहीन बनाएंगे।
हार मान कर बैठ जाऊँ ये कभी ना तू सोचना
अपनी बेड़ियों को तोड़, कदम बढ़ाए जा
किसी भी परिस्थिति में ना तू इनको रोकना।

अधूरा सफर

मयंक

बी. एस. सी. (ऑनर्स) पॉलीमर विज्ञान (द्वितीय वर्ष)

शब से हो गई सुबह, कशमकश न हुई खत्म,
है मुझको जरा सी शिकायत, क्यों चारों ओर अहम।
न फिक्र किसी की किसी को क्या हुआ है गम
किस कद्र हुई है इंसानियत बेर्इमान, हैरान हुए हैं हम।।
यूँ चल रहा हूँ ज्यों पत्थर कोशिश कर रहा हो तैरने की,
और डूब ही जाऊँगा गर कोशिश की ठहरने की।
मुश्किल नहीं, बहुत ही मुश्किल है इस तरह रुक –
रुक कर चलना,
लेकिन नामुकिन नहीं गर इरादे हो मजबूत, संभलना।।
जमाने के इस रंग – बिरंगे और हसमुख संसार में,
कोई वफा नहीं, लेकिन नफा जरूर है प्यार के व्यापार में।
काँपते हाथों से कश्ती को आगे बढ़ाने की कर रहा कोशिश,
पहुँच जाऊँ किसी तरह मंजिल तक अब तो यही है
सबसे बड़ी ख़वाहिश।
लगता है डर जो ना पहुँचा वक्त पर,
रह जाऊँगा शायद एक मजाक बनकर।।
आगाज और अंजाम दोनों पूरक होते हैं एक दूसरे के,
क्योंकि खत्म होने पर ही फिर से शुरू होते एक दूसरे के।
एक सड़क अगर हो जाती खत्म, तो वहीं से हो
जाती दूसरी शुरू,
पर कितने अरमान है इस दिल के, चलते –
चलते कैसे मुकम्मल उन्हें करूँ।।
अब फिर सुबह से शाम हो चली, हौसला टूट कर रहा बिखर,
जल्दी से पहुँच जाने को परिदौं, दे दो उधार अपने पर।
नहीं समझ पा रहा कैसे गया ये वक्त मेरे
रु-ब-रु होकर गुजर,
अब ना जाने, कैसे पूरा होगा मेरा ये “अधूरा सफर”??

पर

गौरव कुमार

बी. एस. सी. (ऑनर्स) बायोमेडिकल साइंस (प्रथम वर्ष)

जैसे ही दोराहा आती है,
मैं उसी राह को ना जाने क्यों चुनता हूँ।
जिसका अंजाम है बर्बादी,
यह ना जाने कैसी परिस्थिति है,
जहां मैं सब कुछ जानते हुए भी
अंजाना सा बन जाता हूँ
और उसी ओर बढ़ता चला जाता हूँ।
जब तक मैं इस बेहोशी से बाहर आता हूँ
तब तक बहुत दूर निकल जाता हूँ

पछताता हूँ

क्योंकि ना वो दोराहा नजर आती है

और ना ही उत्तम जीवन की राह।

मन उदास हो जाता है, और दिल बेचौन

वापस जाना नामुम्किन के समान दिखाई पड़ता है।

असलियत में यहीं वो जीवन बिंदु होता है।

जहाँ निर्णय लेना कठिन होता है,

मन में एक उदासी सी होती है

पर निराशा नहीं।

क्योंकि मैं सफलता और श्रेष्ठता के उत्तम जीवन से दूर हूँ।
पर,

अभी बुराई और नीचता के इस रास्ते की

इस मंजिल पर भी नहीं पहुँचा हूँ

जो है 'बर्बादी' ।

मेरी खामोशियाँ

सलेहा प्रवीण

बी. एस. सी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान (प्रथम वर्ष)

कुछ तो था मेरी खामोशियों में
क्या सन्नाटा था वो या शोर

गहरी चाँदनी रात या सुनहरी भोर

बरखा की तरह बरसती भी थी

प्यासे की तरह तरसती भी थी

कुछ कहना चाहती थी सबसे

पर अनसुना होने से डरती भी थी

सहमी हुई सी कभी मेरे मन में भटकती

तो कभी कानों में चीख कर रो पड़ती

कुछ तो था मेरी खामोशियों में बिखरा ।

जिन्दगी तू गुलजार है

राधव कुमार

बी. एस. सी. (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी (द्वितीय वर्ष)

जुल्म—ए—सितम तो बहुत किए तूने ऐसे जिन्दगी

पर कोई शिकायत नहीं है मुझे तुमसे,

तेरा हर एक सितम तह—ए—दिल से कुबूल है

तुझे ऐसे ही पसंद है तो

तू ऐसे ही लिखती जा मेरी किस्मत

मैं किर भी कहूँगा की ऐसे

‘जिन्दगी तू गुलजार है’

मेरा परिचय

अविनाश शर्मा

बी. एस. सी. (ऑनर्स) जीव विज्ञान (प्रथम वर्ष)

जितना जान पाया हूँ खुद को,

आप सब को उतना बताता हूँ ।

आइये अपना परिचय, मैं

आप सब से करवा करवाता हूँ।

हाँ, राजस्थान का लड़का हूँ मैं,

पर औरों से थोड़ा अलग हूँ मैं,

ज्यादा बात करता नहीं किसी से,

पर जिससे करता, उसे हृदय में बसा लेता हूँ।

सादगी में रहना पसंद है मुझे,

हाँ, राजस्थान का लड़का हूँ मैं,

पर औरों से थोड़ा अलग हूँ मैं,

पता क्या बताऊँ अपना, गुमनाम हूँ मैं,

किया ही क्या है जिंदगी में,

जो अपने बारें में बताऊँ मैं।

अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है ॥

पहचान मिले या ना मिले जिंदगी में,

आप जैसे दोस्तों का साथ मिल जाएँ,

बस यही मेरा परिचय है।

‘राजस्थान’ का लड़का हूँ मैं।

बस यही मेरा परिचय है।

कड़वे सच

तन्मय आनंद

बी. एस. सी. (ऑनर्स) जीव विज्ञान (प्रथम वर्ष)

इस जिंदगी की भागदौड़ में

हम खुद को ही भूल बैठे हैं

दुनिया में अपनी पहचान बनाते बनाते

खुद का वजूद ही भूल बैठे हैं

खुद को क्या

उस खुदा को ही भूल बैठे हैं

शौहरत कमाते कमाते

इंसानियत ही भूल बैठे है

जनाब!... यहाँ तो हर शख्स ने पता नहीं कितने मुखौटे पहने हैं।

सच क्या — झूठ क्या

यहाँ तो सब खुद को ही भगवान समझ कर बैठे हैं

आ पड़ा है जब संकट इस दुनिया पर
अब सबको वो खुदा याद आ रहा है
मृत्यु के निकट है जो
उन्हें जीवन जीने का ख्याल आ रहा है
अभी भी समय है ओ बन्दे!
सम्मल जा
जिस धरती पर हक जमाए बैठा है ना
वहाँ तू तो बस कुछ दिनों का मेहमान है
तेरा नहीं, उस खुदा का तुझ पर बहुत एहसान है।

हिन्दी— भारत की शान

अभिनीत रमन

बी. एस. सी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस (प्रथम वर्ष)

एक कविता हिन्दी पर,
जो भारत की शान है,
भाषा ही दिलाती जग में
एक अलग पहचान है।

सब रंगों को अपनाती हिन्दी,
एक डोर में बांधे रखती,
उच्च वर्ग को प्यारी अंग्रेजी,
हिन्दी जन जन की भाषा है,
भारत की पहचान है,
हिन्दी भाषा महान है

तत्सम —तदभव, देसी— विदेशी ,
सबको समाए रखती हिन्दी,
'अ' अनपढ़ से शुरू करो,
'ज्ञ' ज्ञानी बनाए हिन्दी,
भारत की पहचान है,
हिन्दी भाषा महान है ।

बहुत प्रिय हमको है लगती,
एक शब्द के अर्थ अनेक,
सबको सजाए हिन्दी रखती,
प्रत्येक मात्रा की अपनी पहचान,
हिन्दी भाषा सबसे महान ॥

आजादी ?

मेघा जोशी

बी. एस. सी. (ऑनर्स) जीव विज्ञान (द्वितीय वर्ष)

जीत का जश्न
जिसे पकड़े, दौड़कर मना सकूँ।
ओढ़ लूँ फक्र से
आँच कभी ना आने दूँ।
शान से लहराता रहे वो हमेशा की तरह
मैं तिरंगा हर वक्त ऐसे ही फहरा सकूँ।

आजादी अभी उन "चार" लोगों
से मिली नहीं
अंग्रेजों की बोई विष की फसल अभी तक
कटी नहीं।
न जाने कब तक बाप— बेटे का ये बैर खत्म होगा
देश उग्रवादियों से कैसे मुक्त होगा!

मैं स्वतंत्र हूँ क्या ऐसा मैं खुलकर कह सकूँ?

आजादी तो अभी सिर्फ अंग्रेजों से मिली है
क्या किसी दिन मैं उस आजादी को
खुलकर जी सकूँ?
बाहर बिना डरे निकल सकूँ?
बिना झिझक कर बे बाक बोल सकूँ?
बराबर का हक माँग सकूँ?

हिम्मत कम नहीं मुझ में
हिम्मत, कम नहीं मुझ में
बस तुम्हारे एक साथ की भूख है।

देश के लिए तो जान भी दे दूँ! मैं
लिपट जाऊँ माटी से।
बस "एक जुट" देश की ही तो जरूरत है।
जहाँ, राष्ट्र गान में खड़े होने पे तकलीफ ना हो
जो देश हित में सोचे उसे कट्टर कहने पे जोर न हो
जहाँ, धर्मनिरपेक्षता कहने वाले उदार
किसी की धारणाओं का मजाक न उड़ाया करें।
जहाँ लोग अपने देश की सांस्कृतिक विविधता को स्वीकारें
ना कि पश्चिमी संस्कृति को लाने का प्रयास करें।

कहने को तो अभी बहुत कुछ बचा है
पर आँखें खुलने में बहुत देर है।

कर खुद से मोहोब्बत इतनी

विशाला (पूर्व छात्रा)

बी. एस. सी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजीवविज्ञान (२०१५-१८)

कर खुद से मोहोब्बत इतनी
कि मिसाल बन जाए
देखकर लोग तुझको
बेहिसाब कमाल बन जाए ।
तेरे लबों पर हँसी हो
और उनके लबों पर ये सवाल बन जाए ।
हजरत – ए – रहबर (शिक्षक / मित्र) के जैसे
तू उनके जीवन का आधार बन जाए ।
तेरी दास्तां जीवन की
उनका उद्धार कर जाए ।
तू भीड़ में भी अकेला
लाखों के दिलों पर वार कर जाए ।
तेरी आँखों की चमक
उनके लिए रोशनी का काम कर जाए ।
तेरी इबारतों (रचनाध लिखाई) को वो
गीता कुरान समझ जाए ।
कर कर्म कुछ ऐसा कि
लोगों के घर में वो शाद(खुशी) भर जाए ।
रंजिश (दुःख) भी तेरी
तेरे कदम में नतमस्तक हो जाए ।
तेरी शिद्दतें
तुझमें और निखार ले आए ।
देखकर लोग तुझको
हैरान रह जाए, हैरान रह जाए ।

मसान

कुमार आशीष

बी. एस. सी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान (द्वितीय वर्ष)

अंत है मसान, राख की दुनिया ये मसान
सोना है मुख में, उसका क्या मोल समझे ये मसान
चला जा जलता बहता, कइयों की राख में मिले
तुम्हारी राख को कैसे पहचाने ये मसान
खुद को महान समझे, कौन महान क्या महान
आखिरी यात्रा पर, हर महान का इंतजार करता ये मसान
उसी घाट पर रोते बिलखते हर रोज कई
कोई नहीं जानता, कितने आँसू रोज बहाता ये मसान
दिन में धधकता, हर रात सोता है वो मसान
जो जागता हर रात, देखा है मैंने वो मसान

हर निर्भया की कहानी

ज्योति अवस्थी

बी. एस. सी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान (तृतीय वर्ष)

हर निर्भया की कहानी
अरे! वो देख माल आ रहा है, आजा चल छेड़ते हैं
शुरू नहीं ये बात यहाँ से, सोच ये बहुत पुरानी हैं...
आज हर घर हर गली जाकर, सबको ये बात सुनानी है
जो हमेशा गलती लड़की की बताते,
उनके कानों तक ये बात पहुँचानी है...
छोटी-सी मासूम-सी है, पर सपने उसके बड़े हैं
नहीं बर्दाशत ये बात, इसलिए दरिदे पीछे पड़े हैं...
हो सके अपने पैरों पर खड़ी, क्या इतनी सी उसकी गलती है
जो हर गली, हर नुककड़ पर, अपनी इज्जत बचाए खड़ी है...
खुली हवा में साँस लेना, उसका दूभर हुआ है
घर में कैद बैठी है, कोई न पूछे उसे क्या हुआ है...
ये दुनिया कितनी अजीब है, यहाँ दरिदे खुले आम घूमते हैं...
अरे कोई पूछे उस बिटिया से, उसे घाव कहाँ तक झकझोरते हैं...
नहीं चाहिए ये ऊँची इमारतें, अरे नहीं चाहिए आपकी लंबी सड़कें
खुली हवा में घूम सकूँ, बस ऐसा माहौल दिला देना...
जितना आप अपनी बेटी को सिखाते,
बस उतना सा अपने बेटे को पढ़ा देना
अगली बार जब बहन पर चिल्लाये, दो थप्पड़ लगा देना!!

मैं तुम्हारा हो गया

आशुतोष राज

बी. एस. सी. (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी (द्वितीय वर्ष)

बहुत तुमसे आस मुझको
हो रहा आभास मुझको,
फिर मिलन की प्यास मुझको,
चुभ रहा इतिहास मुझको,
जिंदगी में मिला तुमसे,
इक नया उल्लास मुझको ।
तुम गई तो यूँ हुआ,
मैं बेसहारा हो गया,
तुम तो मेरी हो ना पाई
मैं तुम्हारा हो गया ।

मैं यहीं हूँ कि तुम यहीं हो
मैं वहीं हूँ कि तुम वहीं हो,
दिल अलग है इसलिए बस,
मैं कहीं हूँ कि तुम कहीं हो,
जिंदगी है जाल मेरा

नहीं पूछो हाल मेरा,
मान लो कि मैं,
अमावस का सितारा हो गया
तुम तो मेरी हो ना पाई
मैं तुम्हारा हो गया ।

सप्ताह में इतवार हो तुम,
रूप का आधार हो तुम,
जिंदगी का सार हो तुम,
शांत बहती ज्वार हो तुम।
प्यार से मैं अजनबी हूँ
प्रेम का इजहार हो तुम,
इक तुम्हारा प्यार ही,
मेरा सहारा हो गया
तुम तो मेरी हो ना पाई
मैं तुम्हारा हो गया ।

कभी जीता कि कभी हारा,
तुम इशारा कि तुम सहारा
जिंदगी है भंवर मेरा,
तुम प्रलय कि तुम ही किनारा।
बाग की सुंदर कुसुम हो,
जहाँ देखँ सिर्फ तुम हो
बस गई हो तुम नजर में,
क्या नजारा हो गया ।

तुम तो मेरी हो ना पाई
मैं तुम्हारा हो गया ।

कहीं गुम हो गया

रिशु तिवारी

बी एस सी (ऑनसे) इलेक्ट्रॉनिक्स (प्रथम वर्ष)

एक परिंदा जो नील गगन में
उड़ते-उड़ते कहीं गुम हो गया है
कोई ढूँढो उसे।
जो अपने माँ-बाप की आँखों का तारा था,
उनका सहारा था,
वो उड़ते उड़ते कहीं गुम हो गया है,
कोई ढूँढो उसे।
खबर न थी उसके माँ-बाप को,
क्या चल रहा था उसके मन में।
मुस्कराहट जिसके चेहरे का नूर थी,
अब वही मुस्कराहट उसके चेहरे की शिकन बन गई।

वो कहीं गुम हो गया है
कोई ढूँढो उसे।
जिसे माँ बाप ने हमेशा अपने आप से आगे रखा
वो इस तरह बेबुनियाद वजह से हवा हो गया है
कोई ढूँढो उसे।
आँख के आँसू नहीं थमते उन बूढ़ी आँखों से
उनका लाल हवा हो गया है।
कुछ आधी-अधूरी खबर आई
उसके हवा होने की वजह सामने जब सबके आई।
पता न था किसी को
जख्म उसके कितने गहरे थे
बाहरी जख्म तो थे ही उस पंछी के
दिल के जख्म भी नासूर बन चुके थे
इक बार भी जिक्र न किया उसने अपने माँ-बाप से
शायद उसने भी उनको आगे रखा अपने आप से।
पर किसी को चैन न मिला आखिर में
माँ-बाप को भी शिकवा रहा बची हुई जिन्दगी भर
कि उसने हमें इस लायक न समझा
कि हम उसे समझ पाएंगे।
ऐसे में हम खुद को कैसे माफ कर पाएंगे।

समाज में सामाजिक समानता के लिए संगठन

चंद्र प्रकाश

बी. एस. सी. (ऑनरी) बायोमेडिकल साइंस (प्रथम वर्ष)

मौलिक रूप में भारतीय समाज की वर्ण व्यवस्था व्यवसाय आधारित समाज का वर्गीकरण था । व्यक्ति किसी भी परिवार में जन्म लें, परन्तु समाज में उसकी पहचान उसके कार्य पर आधारित थी । एक व्यापारी का बेटा यदि सैनिक बनता था, तो बाप वैश्य का बेटा क्षत्रिय वर्ग में आता था । वर्ण व्यवस्था में विकृतिया हुई और जन्म आधारित जाति बनी । वैश्य का बेटा यदि सैनिक बनता है तो भी उसकी पहचान वैश्य की ही होगी । जन्म के परिवार पर आधारित जाति व्यवस्था अव्यवहारिक तो है ही परन्तु इसके कारण से समाज में विभाजन की स्थिति पैदा हुई । जातियों का विभाजन ऊँची एवं नीची जातियों में भी हो गया और आपसी वैमन्स्य बढ़ते गए एवं स्वतंत्रता के पश्चात् इस विघटन को समाप्ति के पथ पर चलना था परन्तु जनसँख्या के आधार पर लोकतंत्र में जाति व्यवस्था को और अधिक मजबूत कर दिया गया । राजनीति के खिलाड़ियों ने सत्ता और प्रभाव के लोभ में जाती व्यवस्था को न केवल सुदृढ़ किया परन्तु विभिन्न जातियों के बीच अलगाव व शुत्रुता की स्थिति भी पैदा की । आधुनिक भारतीय समाज की यह विकृति है, और पूरा समाज इसका जिम्मेदार है । मैं, आप, हम सब इस विकृति के कारण है, क्योंकि हमने समाज को समरस करने में अपना योगदान नहीं दिया है । अनेक रथानों पर लोगों ने आपसी मतभेद त्यागे, बुद्धि एवं विवेक का प्रयोग करते हुए समरसता का भाव पैदा किया और सभी वर्ग एकजुट होकर विकास की ओर उन्मुख हुए । इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए हम लोगों को एक ऐसा संगठन बनाना चहिये जिसका मूल कार्य समाज के विभिन्न वर्गों में संवाद स्थापित करना हो । समाज में संवादहीनता होने पर दिलों में दरार पड़ती है । हमें प्रत्येक वर्ग के विवेकशील एवं बुद्धिमान लोगों को इस संगठन में जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए । मेरी आप सब प्रतिष्ठित लोगों एवं विधार्थियों से यही अपेक्षा है कि हम सब संगठित होकर इस तरह की समस्याओं का निदान कर सकें ।

REGIONAL SECTION



Bidisha Halder
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science
II Year

..Mother's Heart.. (Telugu Poem)

Dr. Vijaya Kumar Nalla

Department of Microbiology

మాతు ప్రూదయం

మాతు ప్రూదయం...ఒక మహోదయం

మాతు పెదన అంత తన బిద్ద కోసమే

ఆ తల్లి ప్రతి ప్రూదయ స్వందనా బిద్ద సంకేమమే

అనును మరి

మాతుమూర్తికి తన బిద్దే బంగారం

ఆ బిద్ద కోసమై నవమాసాలు నిందు కూర్లి అపుతుంది

ఆ బిద్ద కోసమై తాను ఆపై పాలిస్తుంది

అవేను

మాతు ప్రూదయం బిద్ద కోసమై ఎల్ల వేలలా తుల్లతుంది..

బిద్ద లాలనకోసమై తాను వేనువ్యి జోల పాదతుంది

బిద్ద భీతిలీత మాతు ప్రూదయం సీ రామ రక్తై కాపదుతుంది

అనును

అమ్మ తనువు పుదిగినా ఆ బిద్ద కోసమే ఆ తల్లి ప్రూదయవేదన

మాతు ప్రూదయం కోరెను ఎప్పుడు బిద్ద క్షేమమెయ్

అలాంతి నిస్వర్పమైన అద్యుతమైన మాతు ప్రూదయనికి

ఇదే నా పాదభి వందనం

-విజయ ఖూమార్ ఇల్ల

Sacred heart of mother....one marvel

Mothers heart, ponders always for her child

All her heart's noise is for her child's happiness

The mothers' every heart beat is for her child's cheerfulness

Yes, yes...

Mothers golden treasure is her child

For her child..

Mother embodies as a laborer for nine months to carry her child,

Mother incarnates as a cow to give milk for her child,

Mother manifests as a flute to sing lullaby for her child,

Mother's heart beeps each time for her child, Mother's heart trembles when her child terrifies,

Mother's heart turns as Rama's Arrow to save her child from evils

Still more..

Even she ages and fades, her heart continues to beat for her child,

Mother's sacred heart is always for the well being of her child...

To such sacred heart of mother

I submit my hearty salutations...

I am a traveler (Telugu Poem)

Dr. Vijaya Kumar Nalla

Department of Microbiology

నేనేక బాటసారి...!

మనందరిలో నేనే బాటసారి...!

అవును....అందరిలా నేనూ ఒక బాటసారి....!!

మరి..

నాకు కావలి సరైన దారి....!

అది కావాలి నా జీవిత రహాదారి....!!

నాకు తెలుసు అందరూ అంటారు నోరీ....!

అందుకే నాకు కావలి ఒక సహాచారి....!!

ఎందుకంటే

అడుగుగునా నాకు గోచరిస్తుంది ఎడారి....!

ముందుగులో సహరి...!!

వెనుకడుగులో కలహారి...!!

దయచేసి నాకు చూపండి సరైన దారి....!

ఎందుకంటే నేనేక బాటసారి...!!

ప్రార్థనలు చెయటం నాకు పరిపాటి....!

అందుకేనేము, మోసలోతుంటాను మునాపాటి....!!

భుతుకు బాటలో ఎప్పుడూ చెప్పాను సారి...!!

ఎందుకంటే..నేనేక బాటసారి...!!

I am a traveler..!

As one among us..!

Like each one among us..!!

Why because..,

I want guidance for right way ..!

That should be the road of my life..!!

I know everyone will say...Sorry..!

Thus I need a guide..!!

Why because..,

A desert is visible to me in every step of the way..!

The lead is the Sahara..!

The back is the Kalahara..!

Hence I beg you to show me the right way..!!

Because I am a traveler..!!

Why because..,

For me, praying everyone is a routine..!

So, getting cheated is my routine..!!

Whatever it is..

Riding life on my own-is my routine..!

Why because..,

I am a traveler..!!

The puzzle of right and wrong (Telugu Poem)

Dr. Vijaya Kumar Nalla

Department of Microbiology

తొప్పల తడిలై

లోకులు, జాము దేసిన తప్పను ఇలా తప్పగా వేపుకుంటారు.
ఎలా అంటే..
జాము దేసిన తప్పను తప్పని వేపుకోలేక..
తమ తప్పను తప్పడు దారి పట్టిస్తూ
ఎప్పుడే ఒక సారి,
తప్పొప్పుల తడిదే లో
తమ ఎదే ఒక ఒప్పను, తప్పగా, తప్పడుగా ఒప్పుకోని,
అసలు తప్పేదే, ఒప్పేదే..ఒప్పుడు పడక,
చిపరికి..
తమ తప్ప తప్పని ఒప్పుకోని..
లోకం చేత, తప్పడు వారిగా ఒప్పొంప పడతారు!!

Peopleaccept their wrong doing, wrongly...

Like this:

people don't agree upon their wrong doing
as wrong,

fails, convincing that what wrong was not at
all a wrong,

Also telling that no wrong is really wrong,
Trying to take the wrong to the wrong direction..
After some time,

Puzzled over what is right or wrong..

Wrongly accepts some of their right as wrong...
-And-

Gets puzzled about what is truly right and
truly wrong,

And finally..Accepts their wrong as wrong,
and be labeled as wrong by right people.

तनै म्हारा गाम दिखा दयूं (हरियाणवी कविता)

सुनीता बी. एस. सी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान (द्वितीय वर्ष)

बहोत खाई गैस की रोटी चूल्हे आली का स्वाद चखादयूं
बाजरा की रोटी अर बथवा का रैता खवा दयूं
एक बार तू आ तो तनै म्हारा गाम दिखा दयूं

के काडैगा शावर मै, टयूब्ल नीचौ नहवा दयूं
थारा पोडर आला दूध तै बडिया, तनै लहासी व्यादयूं
भूलज्यागा ।ह नै फराटा लाकै चुबारे मै तेरी खाट बिछादयूं

तू एक बार आ तो तनै म्हारा गाम दिखा दयूं

ताजा दूध का काढकै तनै खोवा खवादयूं
गाम मै ठाडी तनै ताऊ की हवा दिखादयूं
तबियत ठीक ना हो देसी तनै दवाई दवादयूं
कोए मोटी बिमारी हो बता एक झाडे मैं जड़ तै इलाज
करवादयूं

आरे आ तो तनै म्हारा गाम दिखा दयूं

भूलके सारे गम मोज तै तनै रहणा सिखादयूं
छोड बास्केट बॉल आ तनै डंडा बिती खिलादयूं
फूकदे के फूकदे उवउवे आ तनै गुड के चावल खवादयूं
के करैगा पार्क मै तनै खेतो मै हंडादयूं

रै तू आ तो तनै म्हारा गाम दिखा दयूं

गैस की रोटी खा ली बहुत, अब चुल्हे वाली का स्वाद चखा दूँ
बाजरे की रोटी और बथवे का रायता खिला दूँ
एक बार आओ तो, तुम्हे मेरा गाँव दिखा दूँ

क्या निकालोगे शावर में, टयूब्ल नीचे नहला दूँ
तुम्हारे पाउडर वाले दूध से अच्छा लस्सी पिला दूँ
भूल जाओगे ।ह को, फराटा (पंखा) लगाकर चौबारे मैं तुम्हारी
खाट लगा दूँ

तुम एक बार आओ तो, तुम्हे मेरा गाँव दिखा दूँ

ताजा दूध का निकालकर, तुम्हे खोया खिला दूँ
गाँव मैं ताऊ की अच्छी हवा दिखा दूँ
अगर तबियत ठीक ना हो तो देसी दवाई दिला दूँ
कोई बड़ी बिमारी है तो बताओ, एक झाडे मै जड़ से ठीक करवा
दूँ

आओ तो, तुम्हे मेरा गाँव दिखा दूँ

भूलकर सारे दुख, तुम्हे खुशी से रहना सिखा दूँ,
छोडी बास्केट बॉल को, आओ तुम्हे बिती डडा खिला दूँ,
छोड दो, छोड दो ये उवउवे, चलो तुम्हे गुड के चावल खिला दूँ,
क्या करोगे पार्क मैं, आओ तुम्हे खेत मे घुमा दूँ,

अरे तुम आओ तो, तुम्हे मेरा गाँव दिखा दूँ

MADHUBANI PAINTINGS



Shambhavi Geeta
B. Sc. (Hons.) Food Technology
I Year

Ashima Jha
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science
II Year



MANDALA ARTS

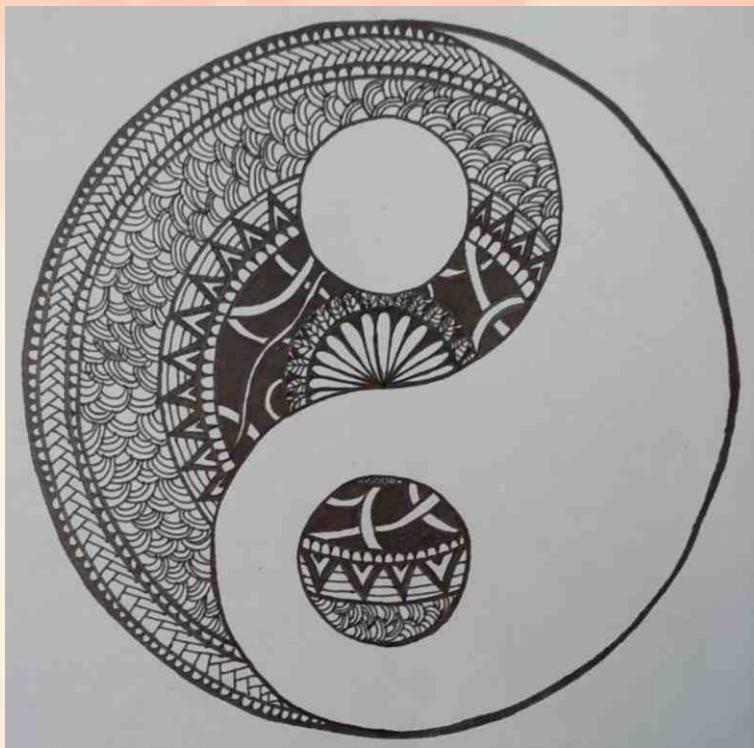


Nishtha Kataria
B. Sc. (Hons.) Zoology
III Year

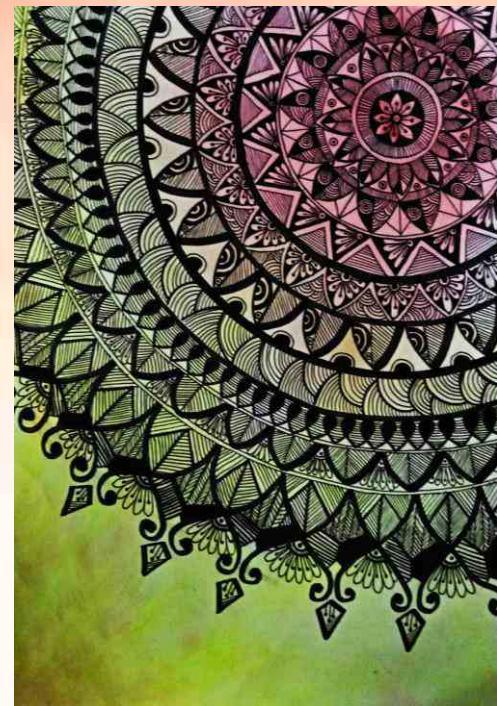
Bhumika Sati
B. Sc. (Hons.) Food Technology
I Year



Palak Divya Garg
B. Sc. (Hons.) Chemistry
III Year



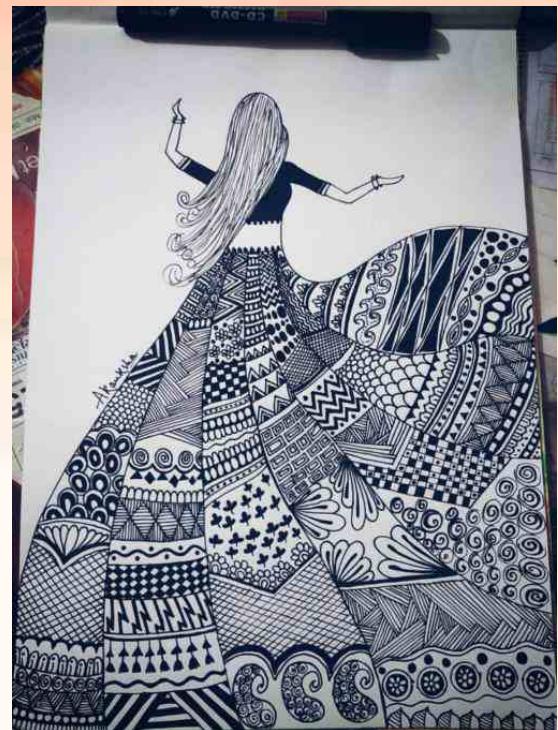
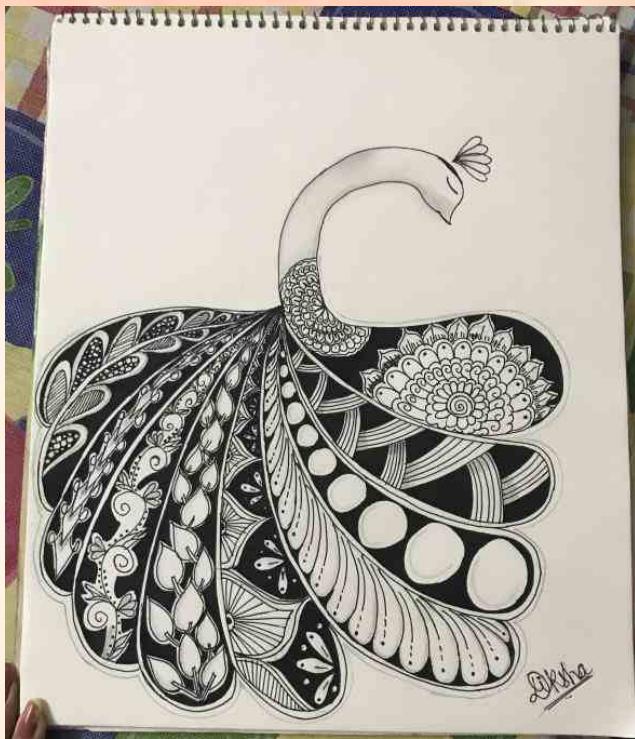
Sristi Kumari
B. Sc. (Hons.) Microbiology
I Year



Haripriya
B. Sc. (Hons.) Zoology
I Year



Anjali
B. Sc. (Hons.) Food Technology
I Year



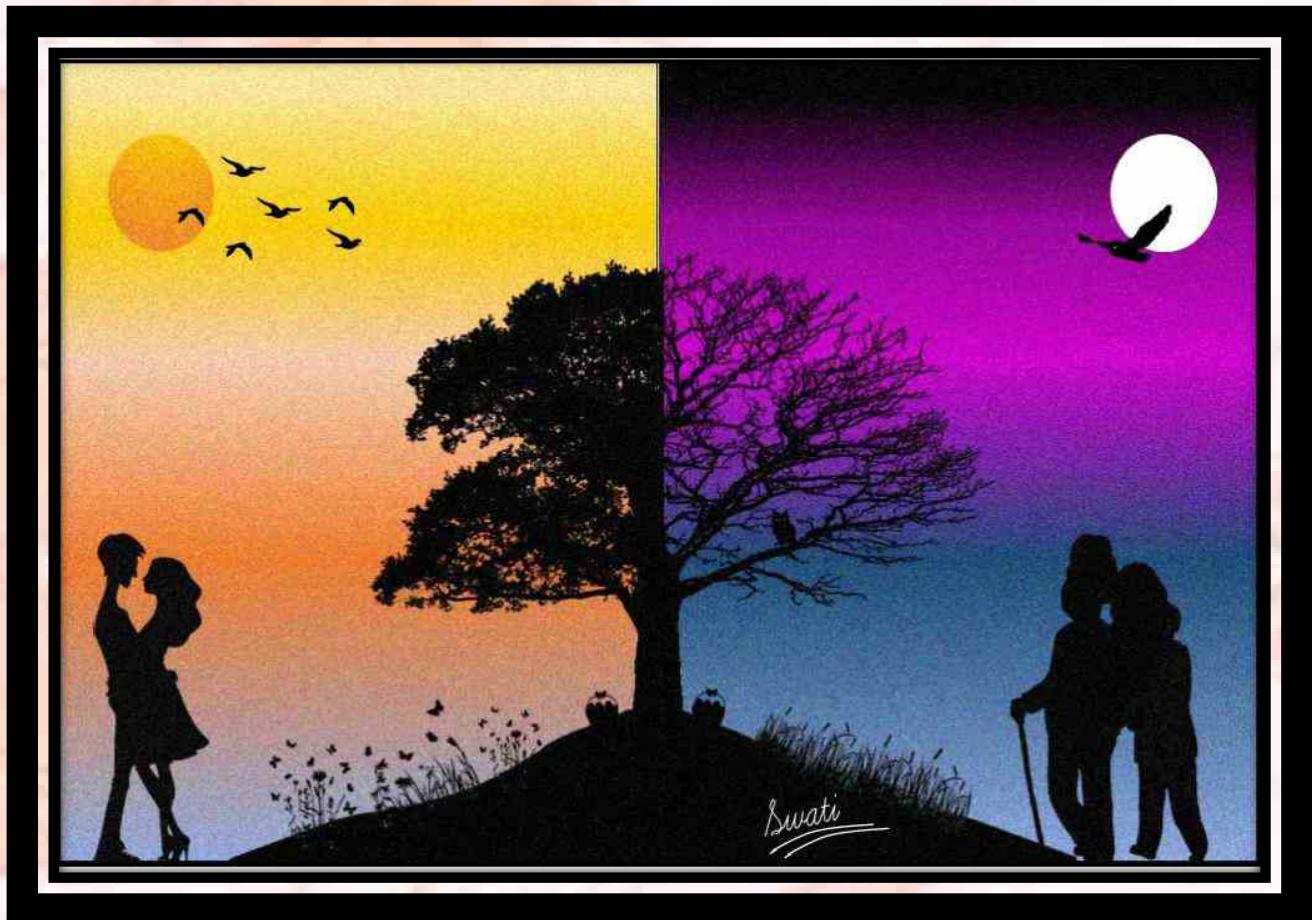
Diksha Bansal
B. Sc. (Hons.) Food Technology
II Year

Akanksha
B. Sc. (Hons.) Food Technology
I Year



Diksha Bansal
B. Sc. (Hons.) Food Technology
II Year

ENGLISH SECTION



The best thing in life is to hold onto each other despite adversity

Dr. Swati Gupta
Department of Chemistry

Women Empowerment

Pratibha

B. Sc. (Hons.) Food Technology I year

From working in homes to reaching the heights,
We know that they have faced dark nights;
For making food that we chewed,
Now they won't tolerate, if someone's rude.
They're pilots and doctors and thunderstorms,
Who once were confined to their homes.
There was a time, they were afraid,
And now is the time, they have history made.
There are some places, where they are
still prejudiced,
Killed before birth, honestly, we need Christ.
They too have feelings, but they have zero right,
Not in the constitutions, but by God abide.
Now they have wings, remember this thing,

Perfectly Flawless

Saleha Parvin

B. Sc. (Hons.) Botany I year

She is flawless,
Even though she is bleeding.
Her wings are shattered,
But she got ambitions to fly.
Dark clouds couldn't obscure
The blaze she got in her eyes.
She had melted immense bergs
With the fire igniting her soul.
And you think you can
Restrain her with chains.
You can cage her in solitude,
And there she will create
Her own kingdom.
The day is not so far

When she will mend an
Aesthetic crown with pieces of
Your pathetic broken heart.

Now they won't be the ones who used to cling
If there were no women, here will be no men either,
No happiness and success neither!!!!

She was a beautiful soul

Gautam Gupta

B. Sc. (Hons.) Food Technology I Year

She was a beautiful soul,
With some dreams and her goals.
Unaware of the cruel world,
She got trapped somewhere alone.
Her age, no one knows.
Maybe she was going to be a mommy,
Or she was going to school,
Maybe she was someone's granny
Or she just started to drool.
Her life changed in an instant,
Where those perverts lost their control,
Came into her life with a sick role,
Left a deep scar to her,
And snatched away her soul.

Durga

Sudiksha Gupta

B. Sc. (Hons.) Biomedical Science II year

In this world of hate and torture,
I bring peace, I bring laughter
In this world of injustice and crime,
I care for all in these arms of mine
In this world of pain, betrayal and lies,
I guide you to truth and open your eyes

Yet, I am wronged, I am punished
 I am suppressed, not allowed to flourish
 I am presumed to be helpless and weak
 I am tortured, hurt and left alone to weep
 I am misunderstood, I am ignored
 I am taken for granted by my beloved
 I let this all go, I bind families together

I ensure that nobody is left alone to suffer
 I am a woman, an incarnation of Durga
 I am the creator, the preserver and the destroyer

Durga rises when I am repressed, when you cross all bounds
 She emerges from within; she fights for me and hunts you down
 She destroys all guilty, her wrath doesn't spare
 Durga's justice is fair and square

She's fierce, she's courageous, and she's loving, always beside me
 She resides in me, guides me,
 I am her and she is me.

Nocturnal Pearl

Abhimann Thakran
B. Sc. (Hons.) Microbiology I Year

The celestial harbinger of light
 Amidst the darkness of despair,
 The symbol of aspirations we revere
 The pride of the night, Aiding dreams in flight.
 Gleaming glow of dazzling white!

The shimmering pearl of earth's
 nocturnal diadem

The luminous kingpin escorted by legions of gems.
 The unparalleled jewel shining high on the noctem throne.
 Playing its own childish play.
 Melodious merry singers' songs
 Joyful poet's worldly slay

The pride of the night,
 The step of mind to reach new heights,
 Gleaming glow of dazzling white!

The noctis pearl, the heavenly messenger.
 Into the noctem, the glittering avenger.
 The gateway of man's imagination,
 The metaphor of earth's recitation.
 The symbol of aspirations with reverence high.

The souvenir from the enigmatic wonders beyond the sky.
 The nocturnal pearl seen once a moon.
 Once in thirty suns, appears the boon.
 The boon of mortal beings to be immortal,
 Opening the doors of mind and soul's portal.

Gigantic Wave

Nisha Mahato
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science I Year

I surfed on the hills of barren land,
 with the hope that keeps me still upheld,
 buried myself tackling gigantic waves
 without seeing the pebble that still craves.

They paved my way like an unbound star,
 tickling my laughter for another round of war.

My soul revives the phoenix inside
and yet the gigantic waves grin up for
another ride.

Those hollow desires never seemed to
unleash the pain
of blizzardous sea flowing inside my vein

Gigantic waves are the misery around,
filled with “false lies” inside the crowd

The myriad of thinking fleshes,
venturing the dark abyss just for trash.
Seeking the truth which doesn't exist,
punching them down to the filthy mist
Wondering how helpless we are ,sinking down
by gigantic waves
which arose from us.

The mystery of gigantic waves is never
unresolved.
Self is the crude that powers it
and Us is the wand which shatters it.
Glory and sorrow are events destined,
breaching a path for a miraculous journey in life.

Wild flower

Saleha Parvin
B. Sc. (Hons.) Botany I year

Oh, you little strange wild flower,
why your head is hidden,
behind an obscure corner of bushes?
Are you afraid of falling in autumn
or do you regret blooming?
Is it a curse by the wasp that
shriveled your pathetic petals-

Or is it because your siblings
abandoned you?
Let a part of you get tripped deep;
inside the land of despondence to
emerge out as a fearless fighter.
Either count on your lifespan,
or work valiantly on your life's plan.
What do you choose, wildflower?

Musings of An Orphan

Pradumn
B. Sc. (Hons.) Zoology I Year

Sitting in a corner of the unknown
world that surround,
finding someone to trust among the
strange faces around.
Someone who belongs to me, someone
I belong to,
Someone who'll care for me, someone
I can relate to.
Why was this done to me? Why was
I the chosen one?
Did I do something wrong that makes me
the forbidden one?
A mother's love and affection is something
I am devoid of.
I miss that special warmth in her lullaby,
sweet and soft.
I am also denied a father's protection and care,
Why is it only me, to have this treatment unfair?
A family with a helping hand to provide me a
perfect stand,
Is something I can only dream of because
all around there
Are streams of loneliness and tears, of

just me and my fears.

I miss a shoulder to cry on, a person to rely on.
A companion for all my life, in every struggle
and every strife.

Someone who lights up my path in this fearful
world so dark,

Something that I always pray, is that just once
comes the day,

The day the world is friendly and known.

The day I'll have My family of my own,
The day that gives me a chance to have my
own dive,
into the taste of life.

When instead of living, I'll be alive.

Wishes

Mansi Rauthan

B. Sc. (Hons.) Computer Science III year

Don't let your wishes die, They make hope
Make you alive, Make you active
Stick to them...

Don't let your wishes die, They are your
strength
Are your ability, Are your courage
Stick to them....

Don't let your wishes die, They give you
support
Give you ambition, Give you your life
Stick to them....

Don't let your wishes die, They help you cope
Help you live, Help you prosper
Stick to them...

Don't let your wishes die, They break your
obstacles
Break the burden, Break your hurdles
Stick to them...

Don't let your wishes die, They always
encourage you

Always excite you, Always make you happy
Stick to them...

Don't let your wishes die, They are your life
They help you survive, They make you
succeed

Don't try to suppress them,
Stick to them.

Unfinished Youth

Anglina

B. Sc. (Hons.) Biomedical Science I year

Power to recreate the society,
Power to resurge gain of positivity notoriety.
Power to be like thunderstorm,
Power has to be worn.

That's how today's youth sums up with unity,
Not just sanguinity but also vanity.
Everyone should bear the crown of brave,
Don't let dominators let you enslave.

In the crowd you have to be an overt,
Try to implore yourself towards an extrovert.
Make your voice that rocks the cradle,
Turn on your impossible to possible.

Be inspirational to several groupies,
Highlight the evolution like roadies.
Turn on your intellectual thinking,
Until your last breath, just keep endearing.

Be like diamonds that shine bright,
Illuminate the life of others, so the world
can see your light.
Exploring yourself as much the leeway you got,
Shape the world by opening all the knots.

Selfish Right

Zamin Ahammed

B. Sc. (Hons.) Biomedical Science I Year

My truths and lies,
Spent by your side,
The way they screamed
"I am making you mine."
The silent nights,
Divided time,
The way they screamed
"I am tired of this fight."
Can't see apart from all the
creeks and the steep cliffs.
Can't feel apart from all the
tremors and the sweet chills.
Did we just push it way too
soon to the deep end?
Was it always meant to go hard
down a dead end?

Our wicked minds,
Half written lines,
The way they screamed "You were
meant to be mine."
Our hollow smiles,
Separating miles,
The way they screamed "You were
meant to be vile."
Feet on the ledge even before the
ride was in sight.
They screamed "Get back!", but I could swear
I saw a green light.
Why did we ever lie to our own damn minds?
Couldn't see that even a knife can shine.

And I can still see the confetti on the ground,
Even while burning, we left glitters all around,
And down to bones we both knew they would
never stop shining in the crowds.

You were my muse and now you haunt me
like a wight,
I cut the cords because I was drained by all
the fights,
And down to bones we both knew what
I did was a selfish right.
Yet we can't leave it behind.
There's a fracture in our mind,
Making it selfish, right?

A blazing fire,
Midsummer shower,
The way it screamed, "Nothing lasts
forever, love."
And we still wonder where we would be now,
If it wasn't for my own selfish right.

After Death

Kavya Sarthi

B. Sc. (Hons.) Zoology (Alumnus)

Bifurcated by the sword
Met my lord
The divinity then told
My life's another fold
Having dual choice by my deity
I was having ambiguity!

Heaven was to have a new life
But at the cost of another's demise
Hell was to be in affliction
As I had done much humiliation

Neither I wanted to suffer
Nor wanted to begin a new life
I ought to choose none
But had to pick one

Again, asked by the lord
Which one can you afford?
I asked him to change the heaven
As course of action were uneven
I muttered under my breath
He uttered grin like a Cheshire cat
Still aiming the same
Won't change the game
The beads of your deeds
Initial basic, indigent needs
Later soared to be Greeds

Plight or Right...?

Adil Amraz Shah
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science I Year

I flow so slow as low below,
Swift with turns and on tilted sterns,
Sent to nurture nature and mixtures-
Adding all textures to a life of blisters.

“Oh! Clear silver streams” -
Then cried the poet's pens.
Look at me now; aren't I still a beauty?

Darkened by sludge- a tarred filthy amber.
Debased your rituals;
Greed, lust and of course you must-
Build your fortress, fortune and heist -
Wrecking your mother's breasts and veins.

Hey kiddo! Hold on a second,
Yeah it's your rule and long may you reign.
But if I'm drained or left as a drain;
How may you live?- Got nil to dine...

Butterfly

Alik Mondal
B. Sc. (Hons.) Physics I year

Flapping my little wings, the sensation which
was once, one in a million,
Has now strained my body beyond its limit.
I could feel my isolation within myself,
Urging to break free from the cage of
liabilities and expectations.

Walls stronger than my will and dark enough
to covert my own shadow;
Curtailed by a colorless veil of despondence,
separating me from my life.
Nothing to be seen except the unseen and
nothing to be heard except the silence of
my presence.

Then came a soothing whisper of hope to
save me from the inevitable-
“I am descendent of the white lady, from the
dale of liberators”

My burdened wings felt an ease,
She enlightened me with her mystic breeze.
“We are balanced by the holy branch of faith”
said she.
“My glass ball of confidence”
is what you earn,
Which you must bear till demise”
But 'the ball' was too much to endure, my
fragile intellect begging for its
supercilious justification.

I wanted freedom from this white cage of futile peace.

I dropped the unknown 'le boule' and it shattered in uncountable ways.

I broke free from the white cage and turned black.

I could feel my aura and lust reverberating through my shallow trench of enduring glory, my eyes obscured.

I opened my eyes in the horror of excitement, only to see the lady in white fall into oblivion. Flapping of my little wings had now honored my body beyond the untold, In the cage of betrayal and dishonor.

The world is like a jungle

Gautam Gupta

B. Sc. (Hons.) Food Technology I year

The world is like a jungle,
And people are like snakes.
Calm and silent they look,
But they are toxic and fake.
When things seem to be right,
They come out and bite.
Don't fear them,
They will thrive.
Become a charmer,
If you wish to survive.

Silenced Nights

Sleha Parvin

B. Sc. (Hons.) Botany I Year

And once again
the silenced night arrives,
carrying unheard noises.
The distant moon seems

closer to my heart, than the ones who just pretend
Broken window is a shoulder for me- to lean on and I am wrapped in the arms of a warm breeze. The nocturnal narrates never ending stories to me, and later listens to mine. It feels home, a real one.
But now darkness searches for a little light to feel, unaware of the fear of losing its existence.
Everything fades away like it's the metaphor of my life.
And once again I mumble
"Couldn't you stay a little longer?"

An evening

Nandini

B. Sc. (Hons.) Zoology III year

As I sat in the corner of a room
Welcoming the footfalls of dusk, noticing
blooms
Without any door and windows alike
Only curtains curtailing the wind and sunlight
Observing Greenfields expanding to eternity
Blue skies and birds chirruping in unison,
a melody

I sighed as the phone was put down
We have become a mere clown
As the peacock hurriedly finishes eating
the wheat
It's bright plumage shining like a
crimson - golden sheet

I silently stood up, without making a fuss
Gratefully, humbling in front of nature's canvas

A pigeon flutters in observing me like a monk
A farmer driving tractor thwarting it
with a honk

Lost in my own thoughts, I watch it flying
How ironic, we search peace by crying
Faraway tree clenches its roots

Meanwhile, we destroy everything being brute
How serene and calm it would be without us
Delusion and illusion driving us like a cuss
A sparrow sits on the perch
As if it's a Godsend bearing a torch

Delusion and illusion driving us like a cuss
A sparrow sits on the perch
As if it's a Godsend bearing a torch
Sweetly, it snaps me out my chain of thoughts
There is still hope, for good works
Charge up, be ready, strive towards what
you can do
It will only count when your actions speaks
your words to be true...

The man knows all my mysteries

Bolu Pavithra
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science I Year

The moon knows all my stories
All my thank you and all my sorry
How badly this girl wanted you
Knowing that she wasn't better for you
How I wished to know you more
Spend time with you on the sea shore
How my heart skips a beat
Whenever your name I repeat

How you made me feel like home
Whenever I felt alone
How I craved for you
Even without having a clue
How I fell for your smile
Just by seeing you for a while
How I wanted to be kissed
When you were the one I missed.

A night hanged, among the stars

Alik Mondal
B. Sc. (Hons.) Physics I Year

Holding onto something unseen and unheard,
a pale veil turning the words scripted on
undying shrines of gold colorless, obliterating
the holy fingers.
The fatigued clasp of the under aged warriors
is now loosening its hold on the lame sparkle,
hanging from the futile night sky, once weaved
by the over aged beholders' glare.
The expecters' stare, renowned, but still untold.
The reluctant sparkle which was once, in the
doomed night sky
reverberating its distinction

Has now turned into an oblivious cry for
clemency, never to be granted.
The twinkle, which will eventually radiate
all the untapped truth, bounded forever.
Into the thirsty night.
Falling from itself, to achieve the vain.
All its wishes are now a hollow echo of its
lost exuberance.
“A sky where I am allowed to illuminate
on my own, and not just be a mere
reflector of my expector's flare.
Till my demise. “

But it failed everyone.
Lost its grip from reality to transcend
into weaved claws of the night.
Unknown of its potential.
Unknown of its desires.
Unknown of its real worth, its real self.
Unknown, that he was the only spark
enlightening the numb existence of the
stitched night, still dark.
Unknown that without its presence there
is no night to behold.
Everybody I know seems unknown.
You're my only hope and all I expect is you,
I'll break into pieces, if you will leave me too

Wired thoughts

Nandini
B. Sc. (Hons.) Zoology III Year

Hey! Don't be sad
Don't be mad
Why are you angry?
Because people do not agree!
Then why do you expect anything
It's simply a nonsense thing!
You have to learn your own ways out
You must absolve the self doubt!
Don't ruin your present
Let the road be pleasant
You are hammering yourself
This is bullshit dear self
Just release every thought out
let your mind scream and shout!
Learn to say no to self sacrifice
Learn to do a fight
Against the odds
Against the blobs

You have every right to live
Give only if you can easily give
You can be wrong
But be strong
Commit mistakes
Take the takes
This is my life
You have no right!!

Cicatrix of Warmth

Haripriya
B. Sc. (Hons.) Zoology I Year

Let my silence speak for them,
sorrow that seeps through my burning mesh.
The words I couldn't sow when I was alive,
I will plant them as I silently die.
The worth of my words was never known,
But I surged through the paths and
happiness far flown.
The silence of mine will heal these scars,
In the world of hatred the world of hell harps.
I shall keep my lips attached,
And shall not become a prey the moment I hatch.
The voice of mine that was once asleep sound ,
Will now rumble like thousand thunder clouds.
The respect I sacrificed for the broken,
who forgot me like a far end of an ocean
Now my silence would soothe their minds,
as I won't be there but I would be kind.
Still in the silence I will sooth,
Every emotion they share with this brook.
In this world where friends are foes,
Just because of the words and emotions I show.
I will call out strength of mine,

which will scream in darkness and call out for light,
Will be whisper in ears of hopeless mind,
will be melody in ridges of broken hearts.
Tactic in mind of defeated barbs, Replace with “bards”

paths to the one who got defeated in this world of blinds.

My voice will encourage love to grow,
in every barren field where seeds of love were far sown.

On the ground where relations are bulls and love the seed to be sown.

In the world of thousand faded stars,
Where night brings out forgotten scars
All misery in the past afar
comes as trickles of beautiful scars.

A broken heart aimed at broken parts on flame,
I stop them from holding the chain of my life flame.

Rusted chain once shiny anew
is now broken strand by strand and the length is a few.

The leftover chain creeps in dark,
Holding tears for the one fallen apart.
Though with year the chain renews,
The left degrades and relations anew.

But scoundrel greedy are memories of this lar,
which feeds on his grief and despair so far.

I aim at harvesting the farm of cicatrix,
And fill this world with alluring lars.
I shall die in my grave in dark,
but underneath the soil of alluring barks.

Let ash of my dark soul will water enthusiasm,
replace “by nourish”

Let it ripe in this world of pessimism.
Where endearment is just a word,
and acrimony just a chasm.



ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Mansi Rauthan

● B.Sc.(Hons.)-Computer Science, III Year

When we talk about AI, we all think that it is a technical term and it has nothing to do with our day to day life, but it has a very big impact on what we do daily. Okay, let's take an example of the first thing we do in the morning- checking our mobiles. When we unlock it we use a face ID or fingerprint. AI helps us in using biometrics. Either Android or iOS both use facial expression captures and it uses machine language to check whether the face is correct or not. When we refresh feeds on social media we see "people you may know" or any friend suggestion. AI is the one behind this too. It tells us what type of posts we like by judging our previous history. Even when we type messages, we get grammatical errors and spelling checks, or when we check our emails some are directly sent to spam folders and some in the draft, and not only this, the Anti-virus software also uses machine learning to protect our email accounts.

Search engines like Google scan what we search and return what we want to see. Even those annoying ads we see are all done by AI. It captures our needs by following us on social media or by following us on social media or search engines and then shows us the items that we value. This can be a part of marketing but it is all controlled by AI. "OK GOOGLE", is the most common line. But how Google gets what we want and how it reflects back everything to us correctly? Actually, they process our language and convert it into instructions and then the instructions are executed. Smart refrigerators, smart T.V., automatic lights, and much more all work with the help of AI. If we want to reach somewhere even if we don't know or haven't heard about that place, we still reach safely. Yes, AI controls all the navigations; it shows us the way and even the traffic in that place so we don't get lost in any gridlock. AI is also enabled in our banks. All the transactions are monitored by AI. All the messages we get when we log on to our account on mobile, all the low balance alerts, all transactions' messages that we get are all with the help of AI.

At the end of the day, when we get some time to relax, now AI might not be used but you are wrong. Many of us turn to stream services such as Netflix. The company's recommendation engine is powered by artificial intelligence and uses your past viewing history to deliver suggestions for what you might want to watch including genres, actors, time periods, and more. Its tool gets as specific as what time of day we were watching and what we traditionally like during that time frame. In fact, 80% of what we're watching is driven by Netflix's recommendations.

So till now we already knew how artificial intelligence controls our life. But let's know what it actually is and how it works. The term "artificial intelligence" is often used to describe machines that mimic functions that humans associate with the human mind, such as "learning" and "problem-solving". As machines become increasingly capable, tasks considered to require "intelligence" are often removed from the definition of AI, a phenomenon known as the AI effect. The goal of artificial intelligence is to create technology that allows computers and machines to function in an intelligent manner. AI is heavily used in robotics. A modern mobile robot, when given a small, static, and visible environment, can easily determine its location and map its environment. And robotics is generally the only place some people think that AI is used but as mentioned above AI is a very vast scenario.

ME AND MY COLLEGE

—“College changes a student, in a way nothing else in this Universe can.”

Shubham Ghoshal

B.Sc.(Hons.)-Physics, I Year

For a 19 year old boy who just completed his schooling from Tinsukia, Assam in an off the beaten track part of India, unaware of almost anything other than few chapters taught in school and the obliging life lessons from parents. Getting into college is not only a remarkable aspect of his life but also the most important one. I knew from the very first day of my college that, considering the magnitude of knowledge I had till 19th July 2019 (the orientation day), I shall leave the college after 3 years not only with utmost understanding of my discipline, but also to change myself as a person. My college did help me in that transformation.

College is not just any establishment with gardens and offices; it is made and integrated out of the students that pass the college gate every morning seeing the bright faces of our gatekeepers, it is made out of the mentors and teachers who shape us, it is made out of the P.G. one is going to sleep in, hundreds of kilometers away from the home he used to live in. The college becomes the home for that naïve boy with nothing but zeal to do anything worthy.

Bhaskaracharya College of Applied Sciences is almost a minute away from my P.G. It's less than the distance I need to cover to reach my department once I enter the college. While that 2 minute walk past the new coffee café and then the lecture halls a thousand of thoughts fly by until your best pal waves hand from the first floor. From then, till the end of the day in college, our voyage of little family passes through lectures of our beloved teachers; the lifeline of the college- the canteen; the wormhole of college where time behaves in the most uncanny way- the library and when the body feels the need to rush home and take a nap (in case of no society meetings), the need to spend that last hour with the little family, sitting in the elephant park or disrespecting the presence of the open gym just by sitting on them makes sense until the gatekeeper we saw this morning gives us the reminder that we have a home too where we sleep. (You kind of forget it for some time.)

The global pandemic did hit human beings hard in various ways, the feeling of not seeing college and the little family we left behind for almost a year, might seem to be a very pity affair to many, but to be honest, it hurts the boy who learned and still learning the most out of his life starting from the subjects he wanted to master in and the personality he aspired for and what not. My college, which I mentioned ain't only the building but the teachers and friends too, will be the only reason for the best changes in me I see today. It will have the most royal place in my memory till the end of the time.

Temporal Non-Locality

Ram Vikas

B.Sc.(Hons.)-Physics, II Year

The topic seems too Sci-Fi to you but it attracted your attention, so you decided to read it anyway. But what if I tell you that it was destined to be so and you were never free to do it otherwise. So with this I, R.V. Mishra welcomes you to a special and fascinating journey of time.

History has witnessed the changes in our understanding of time and this was done by none other than our favourite hero of all time, Einstein. He challenged that there's no universal clock that ticks the same for the entire universe. He established the relativity of time and taught us the lesson that each person (reference frame) has his own clock that can tick at a different rate than of others.

Now, I, continuing this legacy of change, ask you to think of two distinct points in time. Say Morning of 26 January 2010, there you saw a strange man who is staring at you and looks identical to you but is aged double as you are. 10 years later, you got some magical powers to travel back in time, and on 26 January 2020, you decide to visit 10 years younger you.

Does that remind you of Harry Potter?

But as a student of Physics, I want to show you the scientific side of it. First of all, let me explain the term locality. In Physics, the principle of locality states that an object is directly influenced only by its immediate surroundings. A theory that includes the principle of locality is said to be a "local theory". On the contrary, Non-Locality refers to a phenomenon where an event in some point of space can influence the other very far off point in the space. This principle is no more science fiction. It has been tested hundreds and thousands of times over the last few decades. A very commonly known phenomenon of non-locality is Quantum Entanglement (Einstein referred to it as "Spooky action at distance"). In this, we entangle two quantum particles, what that means is that these two particles have become a single system now and their properties are dependent on each other. Few examples of such properties are Magnetic angular momentum (Spin) and polarization.

So, if our entanglement anti-correlated the particles then the measurement of one's property would always yield the opposite result for the other. What is non-local in it is that once we entangled two particles and separate those by any distance, say millions or billions of kilometers. We decide to measure their spins which can yield any Up or Down, one of these two randomly (Randomness was established after the Bells paper of 1964). But once we measure and get a certain output (say Up) for one, it immediately fixes the opposite output (Down in this case) for the other at distances of millions and billions of kilometers. These two particles were connected at two physically separated points of space but still was a single system interacting with each other.

By now, you understand Non-locality as the phenomenon of interaction between two points of space that are not physically connected. I extend this phenomenon of space into time as well. Einstein believed that SPACETIME is just a 4-dimensional single entity. So, if space is non-local and therefore should time be. Temporal in the title means anything related to time. It's an adjective used to relate something to time. Now, you are in a position of understanding the concept of Temporal Non-Locality. It is the phenomenon of interaction between two points of time that are not physically connected. Like a Local theory of time, would mean that our actions can be affected by the immediate past and future.

The second law of thermodynamics and the arrow of time flow eliminate the possibility of the future affecting our present actions. However, the quantum realm is pretty much shielded from our reality and strange things occur in that realm. We cannot directly see them as it would destroy the shield and mix their realm to ours (aka Collapse of the Wave function as per Copenhagen interpretation of Quantum Mechanics). But until and unless they are not disturbed we can see the future and past both affecting the present and not only in a local way but several experiments suggest that there exists a temporal non-locality in Quantum Realm. So, here I propose that the "Cause and effect" is a macroscopic phenomenon of our reality that originates out of random decisions of Quantum Particles but there exists no causality or order of events (no direction for the arrow of time) in Quantum Realm.

Although the general consensus is for no retrocausality and this is not yet the accepted physics but there have been clear indications that directly suggests that a photon of an entangled pair of photons should behave in a certain way (in the present) if its entangled partner will end up in doing thing "A" (in the future) and in another way if its entangled partner will end up doing "B". One such experiment is the "Delayed Choice Quantum Eraser".

Book Review of Rachael Carson's: Silent Spring

Angela Parvez, Anglina, Bhavya, Dipti Rawat, Nisha Mahato, Tenzin Paldon
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science I Year
Guided by: Dr. Franky Varah
Department of Environmental Sciences

The book "Silent Spring" by Rachel Carson (Houghton Mifflin) which was published in 1962 mainly deals with topics such as pesticides, ecology and environmental protection. It is considered the cornerstone of modern environmental protection. This is a popular scientific work that opposes the uncritical use of pesticides, especially DDT, to combat pathogens and agricultural pests that destroy nature and humans. The book has sold more than 6 million copies in the United States and has been translated into more than 30 languages. This book has won eight awards and has had a huge impact on readers' thinking.

In her book, Carson very briefly explains the scenario- "land with no life." She gave an example of a beautiful town in the United States with beautiful vegetation, numerous animals and rivers, now poisoned by white powder, and explained how people become evil spirits, pouring evil magic into nature, turning into barren land. The protagonist in the story is the people living in harmony, and the antagonists in the story are users of poisonous chemicals, insecticides. She demonstrates how the introduction of a poisonous chemical substance disrupted the delicate balance of nature. She used two examples to describe human short-sighted behavior. The first example is the replacement of sagebrush with grasslands by chemicals that affect the animal life dependent on sagebrush. The second was the indiscriminate use of pesticides by post-war agricultural advances in the United States that started with crop protection but led to wildlife degradation, one example being the death of salmon in the Rio Mariachi from pesticide spraying kills salmon, rather than killing budworm, it also contaminates farms and agricultural products that eventually get accumulated in our body. The author also discusses cancers related to man-made carcinogens, such as skin cancer, which is widespread in workers exposed to arsenic fumes and which has caused the death of American children due to the malignant growth of cancer. To her, water is the most precious resource and that it is not possible to add pesticides anywhere without spoiling water quality everywhere. She proved it by providing evidence of the presence of DDT in fish and birds that was not even present in nearby areas. Carson added that if we poison the soil, we are poisoning life as continued use of pesticides would be dangerous to the residents of the soil.

The author's writing style is self-explanatory and relatively easy to understand. Her in-depth knowledge of scientific concepts is very attractive to readers. The author used many scientific references and experimental results to prove her point right. The author goes out of her way to convey the basics of all the facts and figures. Each issue raised was described with an example that makes it more interesting. The cases in her book centre mostly on the United States and few around the United Kingdom, since they were the scientific advances of that era which holds for the present time as well. She raised such questions that deeply engage the reader with the problems and hazards associated with

using pesticides and inform us of the human actions and choices that have put all of us at risk. As a feminist model, the author remained bold and questioned some of the most dangerous problems that emerged during this period. Her expertise as a scientist and her writing abilities enabled her to write a book that made the long-term effects of pesticides understandable to non-biologists. Although it is a scientific book, it is very easy to read and has a literary touch which makes it accessible not only to scientists but also to the general public.

It urges readers to explore alternatives to current practices that become dangerous to the environment as the use of toxic chemicals such as pesticides, herbicides, etc., removes natural checks and balances and exposes all plants, animals, and humans to carcinogens and other toxins. She considers education as an important aspect of this approach. In the end, she suggests two options to subdue nature: the first is the indiscriminate use of chemical substances that lead to disaster; the other option is to research alternatives to chemicals. She wants readers to understand "assert our right to know." One of the alternatives she suggests is male insect control sterilization. In closing, Carson states, "The control of nature is a phrase conceived in arrogance when it was supposed that nature exists for the convenience of man," she said that humanity use of weapons against insects has turned into a war against earth.

Although the book is very illuminating on the most important issues of the time, it has received a lot of criticism and most of the arguments in the book are from a single perspective and deliberately avoid counterparts. The statistics used in the book are out of context and not reliable. In addition, there is no strong scientific support for cancer related to DDT. To overcome such disadvantages, we believe that all points of view and perspectives must be taken into account. There is also a need to improve the reliability and statistical context of the book. Although this book stood against harmful chemicals, it failed to effectively and sustainably solve these problems. Therefore, the given alternative suggestion should be equally feasible for everyone and effective in the long term.

The title "Silent Spring" is brave, shaping the image of spring and showing that there are no more songbirds in the United States. The most important achievement of this book is the ban on the use of DDT 10 years after the book was published. Half a century has passed since this publication, but unfortunately, the damage caused by these chemicals continues to this day. We encourage people interested in environmental protection, conservatism, and the persistence of our breathing nature to read this book because it motivates us to find effective solutions to the problems we face as a result of our actions. Only when we take these issues seriously and accept our mistakes, we can save nature and mankind from extinction.

CHAPATI MOVEMENT



Srividya Rajagopal

B.Sc.(Hons.)-Food Technology, I Year

There are strange events in history, which leave everyone perplexed till posterity. No one can perhaps comprehend the true meaning of that event, why it was done, what one can only do is give speculations. One such event in Indian History is the chapati movement of 1857, where the humble chapati was being speedily distributed, household to household in the Indian subcontinent.

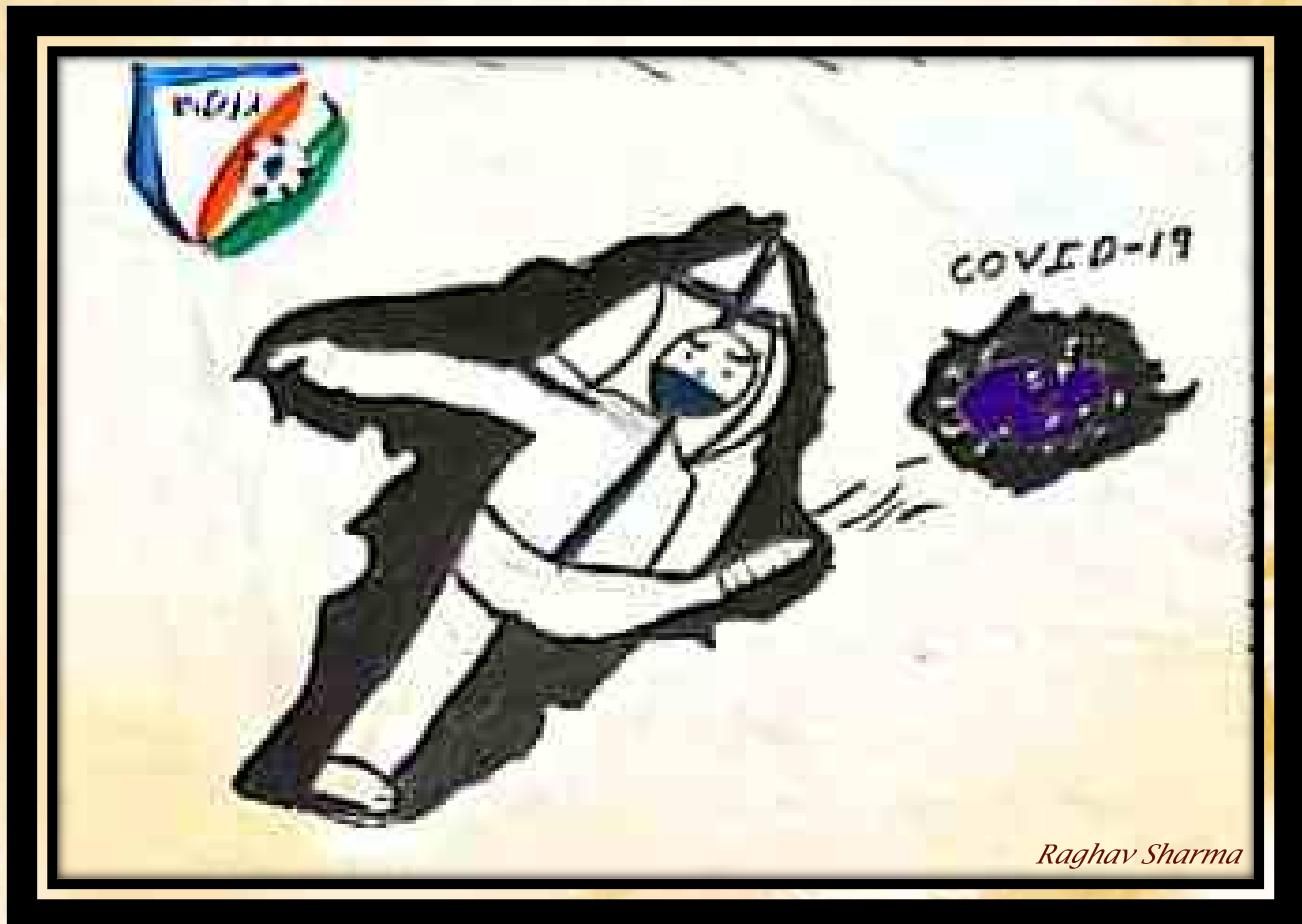
In Dr. Hadow's letter to his sister (who was in Britain at that time), he wrote that there was a very mysterious affair going on throughout India which no one seemed to know the meaning of. Everyone was puzzled as to whether it was a secret society or a religious ceremony and the daily newspapers were flooded with reports of that event.

Thousands of unmarked chapattis were distributed to homes and police posts at night and people who got the chapattis would make more batches and pass them on to the runners. According to Mark Thornhill's investigations, the chapattis were travelling at the speed of 300 km every night, right from near Narmada valley to Peshawar in the north. Since there were no markings, the British could not arrest the runners on suspicious grounds, who sometimes were the police chowkidars. Strangely, the runners themselves were clueless as to what was the purpose of the frenzy distribution.

The fact that over 90,000 policemen participated in this event and visually every police station had a bunch of chapattis being made, and that the speed was faster than the swiftest British mail, sent the British in distress and panic. Since British rulers had a small number of men ruling the country of over a million people, any incomprehensible event communication was regarded as suspicious by the British. Shortly after the movement in that year, the revolt of 1857 broke out with the first rebellion at Meerut, which was said to be the first major uprising in India.

Perhaps this was psychological warfare used by Indians who grew sick of the atrocities committed by the English East India Company, and struck a chord of panic or was a call for revolution, we may never know. However, the power of unity, the power of resistance, and the power of the humble chapati were demonstrated in this movement. No one, not even the British could have ever anticipated that a 2mm in diameter circle of flour would have left them shaken to their core and given them sleepless nights. Thus, the saying of Unity is Strength especially in times of distress, holds very true.

2020 IN RETROSPECT



*No matter how much falls on us, we keep plowing ahead,
That's the only way to keep the road clear.*

२०२० न भुलाया जायेगा

अभिनीत रमन

बी. एस. सी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस (प्रथम वर्ष)

धरती डोले, भूकंप के झटके मिले हजार।
घर से निकले या नहीं,
लोगों को यह दुविधा अपार।
बिजली गिरी, बनाया इतिहास है।
मृतकों के घर जले, टूट गए सपने,
हुआ सबको आभास है।
बीत गए हैं कितने ही महीने,
छूट गए हैं लोगों के पसीने।
इतिहास के पन्नों में उकेरा जाएगा,
२०२० का यह साल न भुलाया जा पायेगा।

शिक्षक द रियल कोरोनावरियर

सामिर अखतर

बी. एस. सी. (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी (द्वितीय वर्ष)

शिक्षक हाँ शिक्षक ही तो है
जो खड़ा है हर पल लेकर
अपने कंधों पर बोझ
देश के कर्णधारों का।

कोरोना के इस काल में भी
शिक्षा की अलख जगाने को
हर परिस्थिति में बच्चों को पढ़ाने को
शिक्षक हाँ शिक्षक ही तो है
जो खड़ा है हर पल।
मरीजों की सेवा डॉक्टर करते
ध्यान गरीबों का नेता रखते
घर में कैद छात्रों का भविष्य
बनाने को तत्पर है जो
शिक्षक हाँ शिक्षक ही तो है
जो खड़ा है हर पल।

काम सारे रुक जाएं चाहे
क्रम शिक्षा का टूटे ना कभी
डिजिटल दुनिया को सहारा बना
जो बांट रहा शिक्षा के मोती
शिक्षक हाँ शिक्षक ही तो है
जो खड़ा है हर पल।
कोरोना हारे ना हारे पर
शिक्षक कभी ना हारेगा

जीवन अपना लगा दांव पर
छात्रों का जो भविष्य संवारे
शिक्षक हाँ शिक्षक ही तो है
जो खड़ा है हर पल।

Mystic realities of life

Bhumika Sati

B. Sc. (Hons.) Food Technology I Year

The world is a mystery
Everybody has a history
Last year may have gone bad
but you believed
everything leads to a good end
We lost beautiful souls
Filling us with sorrow
Optimistic minds gave a message
live life to the fullest
Everything has its limits
our mother earth
Lost her lively spirit
Man was filled with nothing but guilt
Animals living in the zoo
We all loved the view
But when it happened to us
We all felt unjust
Learning how to manage
We took it as a challenge
Working on our wreckage
We picked our own baggage
Our body left in solitude
trying to overcome every wound
We proved this evil wrong
as we kept ourselves strong
Life is short but wise
Make it worth your time
Be humane to all the beings
until this worldly life cease.

The Year 2020

Anglina

B. Sc. (Hons.) Biomedical Science I Year

2020 taught a lesson,
High aspect with High Respect.
Taken lives, betrayed person,
families separated
Hopes that built were shed.

Positive, positive, positive,
By hearing thought turns negative.
Nowhere just isolated myself,
No one to whom I took help.

Such a tragic fate I faced,
Not engraved but yeah it's too hate.
Half its good half its terrified,
Nobody but I didn't myself to hide.

Struggles those terrified Pandemic,
That time was horrific.
“No you can't be like this, you are a
Queen that build,
Empire with Consistent Hard work.”

My mother uttered hold,
Voice that moulded me to be bold.
Shed all women anxieties,
Stronger day by day mentally,
Strengthen myself physically,
Prepared emotionally,
Bolstered myself socially.

Me as a Queen never cry,
Hope for the best always try.
Combating the pain,
Fired up myself to power gain.

Castle all over to explore,
Not end anymore.
To be confident bold and independent,
Decide to help people facing as I faced,
Corona made myself under four corners,
But not my dreams to explore.
Things that I desire to,
Will Resurge again New.

When I Became Most Special to me

Isha Parashar

B. Sc. (Hons.) Computer Science I Year

Evidenced a new incarnation in the mirror
Incarnation was absolutely mine
Still having that wheatish tone and messy hair
But just glowing with a different shine
Never noticed my smile such kind and pretty
Those were the days when I observed something special in me

Without having any stress of studies
The boards were already over
I wasn't having any time table and
Those depressing tests which used to hover
Slept whenever felt dizzy and had the meals when hungry
Those days told me I'm really special to me
Also noticed people regretting working from homes
The only thing I longed to explain if they understood
You have work, you have a home what about those
Who are still living happily without livelihood
Live the present with ecstasy, the life tomorrow isn't a guarantee
Those days taught me I'm the most special to me

Online games, those late night chit-chats, board games with family
Were another level satisfaction
Can't even forget those homemade delicacies and also
The struggle to give them an eye catching caption
We'll be confusing the next generation by saying
We socialised without socialising actually
What all those days have gifted were the inevitable memories with the closed ones
But the closest one is me

I've realised my worth, all thanks to the previous year
Which gave us a chance to express humbleness to each other
Facing my problems, conquering all fears, sharing the thoughts is all what time preached me
That was the time and those were the days when I became most special to me

Lockdown Gave me a Positive Perspective to view Life

By-Ashima Jha

B. Sc. (Hons.) Biomedical Science II Year

We are inborn to indulge in a little nostalgia as we remember the past and, the completion of a revolution around the sun for the year 2020 reflects on the highs and the lows of the recent past, the mixed emotions and extensive challenges.

Looking back to the morning of 8th March, 2020, all the students and staff were awaiting the mid-semester break which was going to commence the next day. With syllabus completion, exam preparation to the upcoming Holi festival, everyone was planning for these breaks. Some students were seeing these breaks as a privilege to meet their family, while some had plans to complete assignments. In such a scenario of excitement and energy, came the news of COVID 19 outbreak in India. First, the mid-semester break got extended. and then the Prime Minister Narendra Modi announced a nation-wide lockdown from March 20 which kept on increasing. Everything came to a halt. From a scenario of extensive preparations, the situation transformed to haphazardness and uncertainty. No one was clear about taking up classes or executing lectures and upcoming exams. Some people got stuck in their hometowns with no way to return and access their study materials and some faced internet issues to connect to the emerging online system.

Even after uncountable challenges, tensions and uncertainty, the concern was to keep the education going. Slowly restrictions got relaxed, and everybody began to adapt to the new normal. From online classes to E resources, everything was tackled gradually with relaxations.

COVID 19 indeed had a serious impact on our lives. But even after so many negativities and adversity, we cannot ignore the other aspect of this lockdown, which not only empowered us to stay connected, but also taught us to carry out learning even in extreme circumstances. Initially, all of us faced issues, but now at this point in time, not only we enhanced our computer skills, but also improved upon our hidden talents. This lockdown gave us the time to stop and introspect ourselves and to empower our skills through E platforms.

Sometimes we get so busy in fulfilling our dreams and aspirations that we end up losing ourselves under workload. In order to strive for better, we even exhaust those few hours that our family needed. So, in this time of challenges, we were actually blessed to spend time with our families. By giving our quality time to our loved ones, we not only learnt lessons from their experiences but also explored the world of culinary and home management, from cleaning to enhancing interiors and showcasing our talents on social platforms and developed constructive opinions. Of course, issues of accessibility of resources came with a financial jolt, but this lockdown taught us to stay together and appreciate everyone's presence.

This lockdown was a period of mixed experiences for me, where I was quarantined away from Delhi, I was facing issues to access my study materials. However, I utilized this period in multifaceted areas of

my interests. From researching, sketching, cooking, dancing to speaking up in online Model United Nations Platforms, this scenario gave me a lot of time to channelize my inner potential and polish my skills. I received numerous awards both at national and international levels in online MUN conferences. In such cases, I missed meeting people in conference rooms, shaking hands with them and sharing cultural differences. But the advantage of the online platform was that I could hear from a lot of distinguished intellectuals through online workshops. Meeting them and knowing about their areas of work became much easier. The best part of this lockdown was that I got more time to spend with my father, who being in the Indian Air Force, always stayed away due to postings. Therefore, instead of cribbing or blaming, I would rather say that this was the most learning and exploring phase of my life.

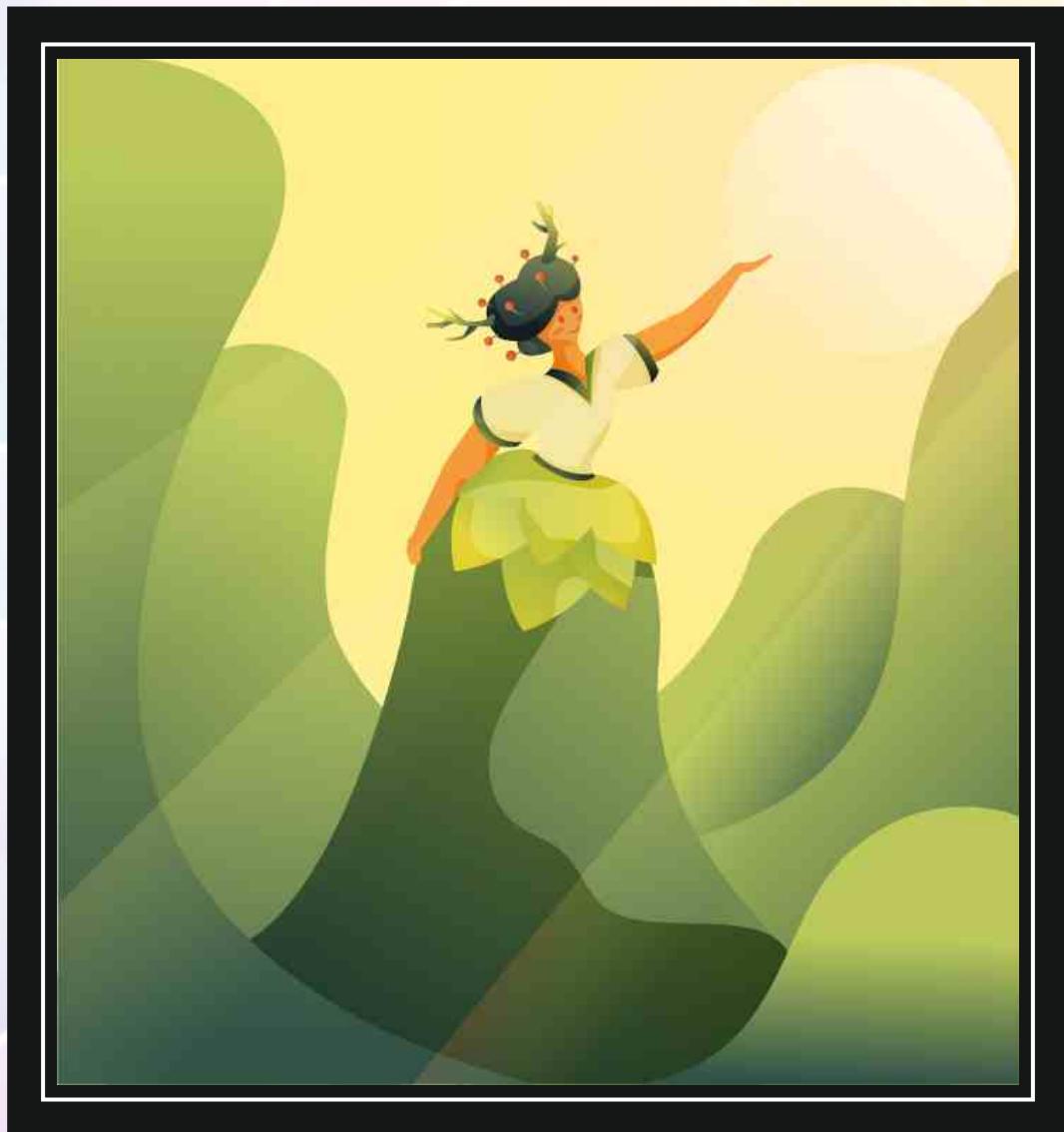
After all, it is well said by Buddha that “Let us rise up and be thankful, for if we didn't learn a lot today, at least we learned a little, and if we didn't learn a little, at least we didn't get sick, and if we got sick, at least we didn't die; so, let us all be thankful.”

Class Of 2020: An Experimental Batch

Nisha Mahoto, B. Sc. (Hons.) Biomedical Science I Year

SARS (Severe Acute Respiratory Syndrome) a deadly virus that originated in China long back in the year 2002-03. This event had no significance to me because it was the time when I was born, so I can barely remember anything. But this virus didn't like me ignoring it, so it came again after 17 years to take revenge in a mutated form. But it wasn't the only bad thing that happened to me and my batch. The students of my batch who studied in CBSE affiliated schools can understand me better. In our 6th grade, we were introduced to the German language as an option to Sanskrit which we happily studied it till mid of the 8th grade until the decision was made to make Sanskrit mandatory and stop teaching the German language. Though every Indian was proud of this decision, no one understood the efforts we made to pass the Sanskrit test. This did not stop here. Luckily, we were the first batch who was reintroduced with boards in 10th. Well, we handled it very effectively, until the news broke that maths board paper of 10th class was leaked. They didn't take the retest but still, that news was heart-breaking. And yes, in 11th, CBSE added some of our physics syllabi from 12th and we did give a test including that syllabus, and CBSE later realised it was a mistake so they again added the syllabus in 12th, double revision for us. We were CBSE's favourite batch because they welcomed us with a new pattern of question paper for our 12th board exams. Someone has to be the first so why not our batch? We cannot ignore this COVID-19 outbreak, which made us miss a few board exams and also postponed our under-graduate entrance exams several times. And then, we appeared for our entrance exams when the peak was highest. The weirdest thing was that we attended the first days of our college without even visiting it. And the new strains of the virus are making our days harder. But this is just the beginning, more challenges to come, after all, we are the experimental batch of 2020.

ARTIST'S CORNER



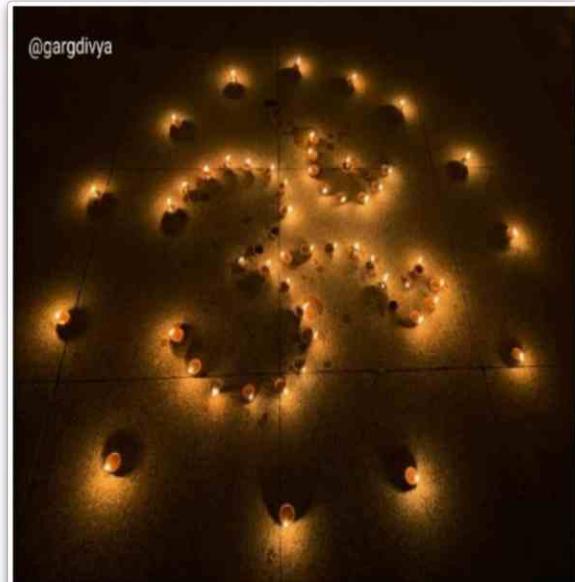
Samay Pingolia
B. Sc. (Hons.) Computer Science I Year



Ram Vikas
B. Sc. (Hons.) Physics
II Year



Shrishti Kumari
B. Sc. (Hons.) Microbiology
1 Year



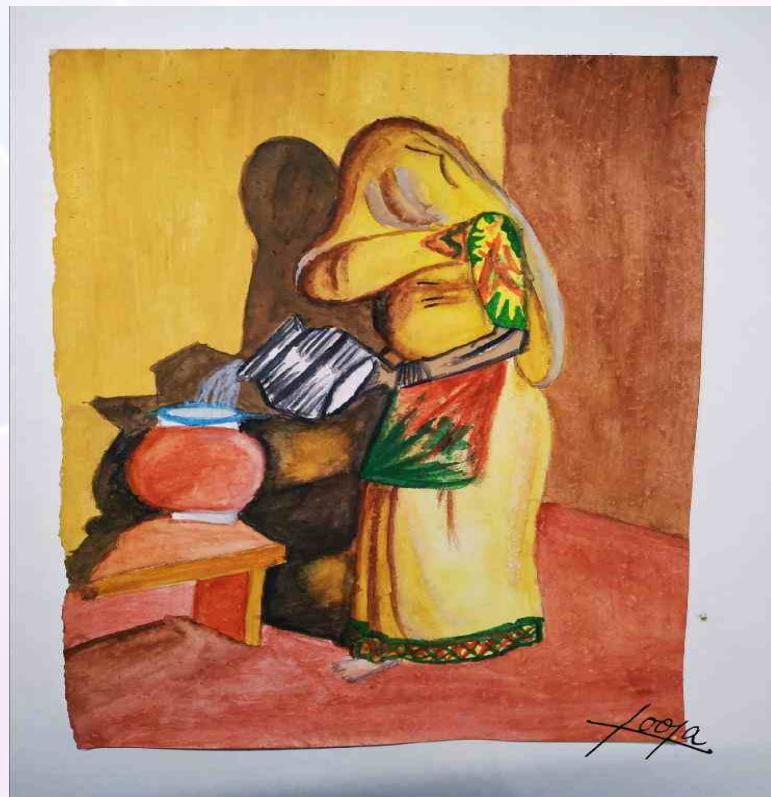
Palak Divya Garg
B. Sc. (Hons.) Chemistry
III Year



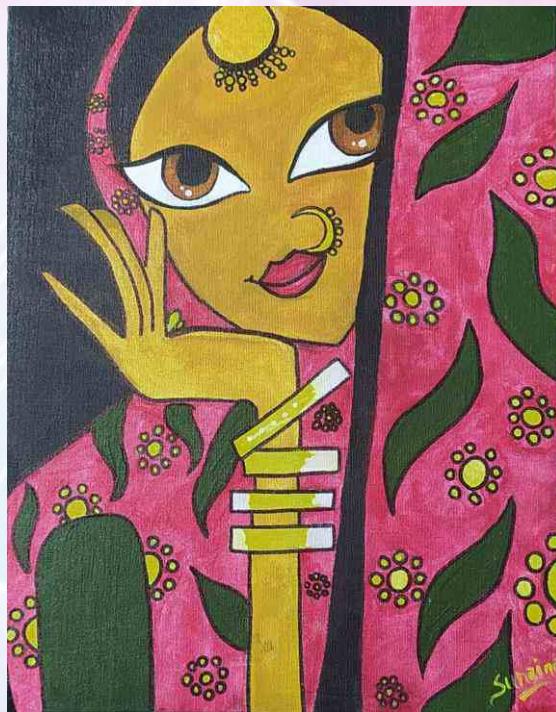
Anmol Arora
B. Sc. (Hons.) Zoology
III Year



Priyanshu Miglani
B. Sc. (Hons.) Computer Science
II Year



Pooja Bhardwaj
B. Sc. (Hons.) Zoology
II Year



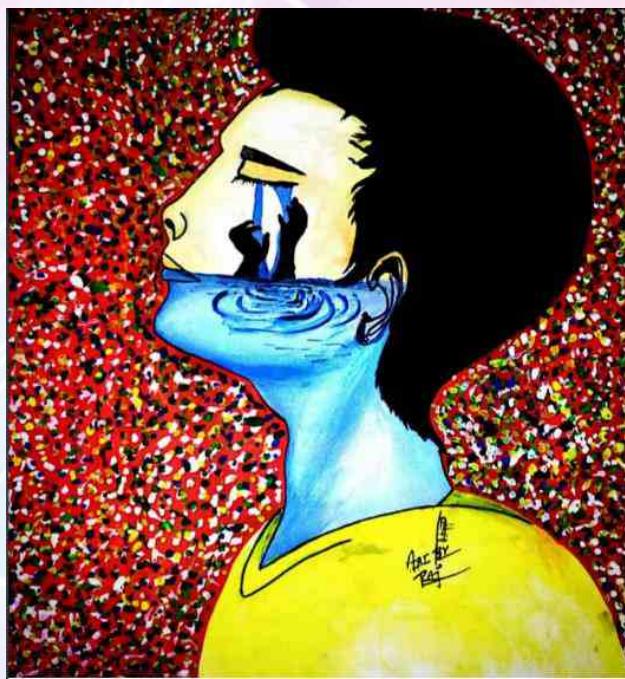
Sunaina Kumar
B.Sc. (Hons.) Biomedical Science
I Year



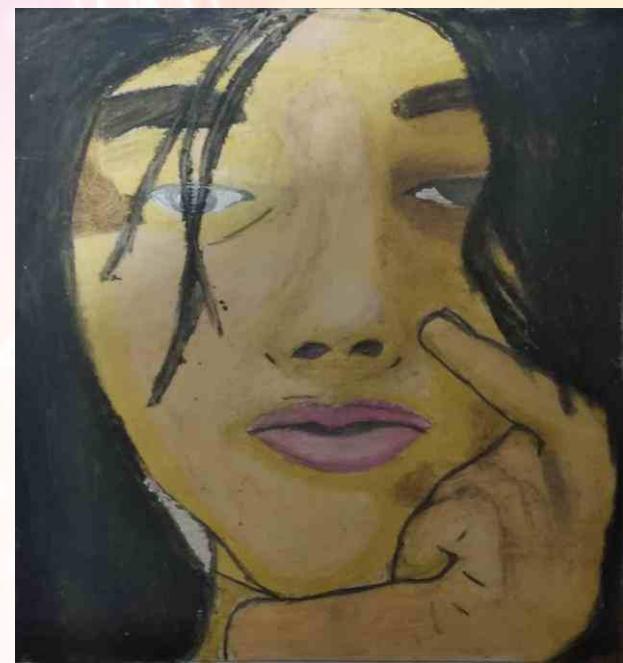
Kavya Sarthi
B. Sc. (Hons.) Zoology
Alumnus



Rinky yadav
B. Sc. (Hons.) Botany
I Year



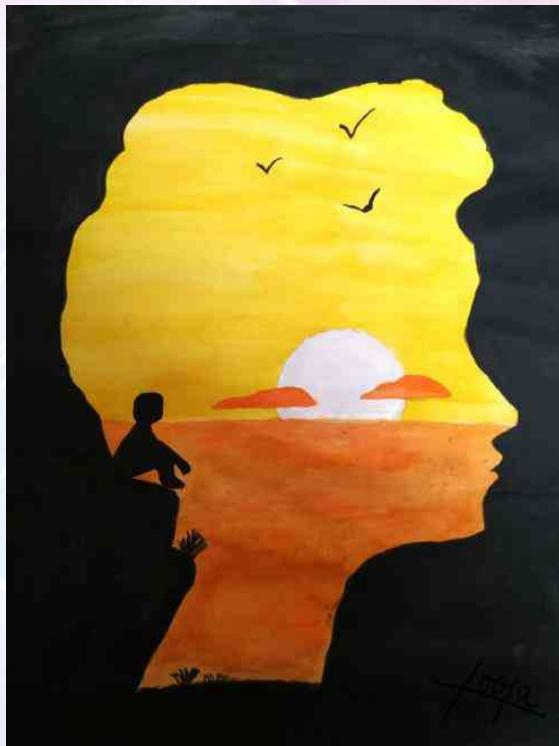
Rajmohit
B. Sc. (Hons.) Botany
II Year



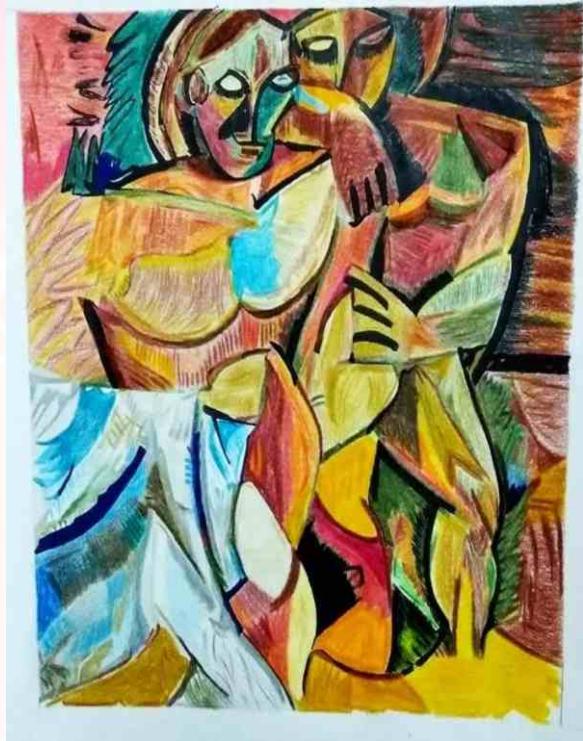
Kumari Kritika
B. Sc. (Hons.) Zoology
II Year



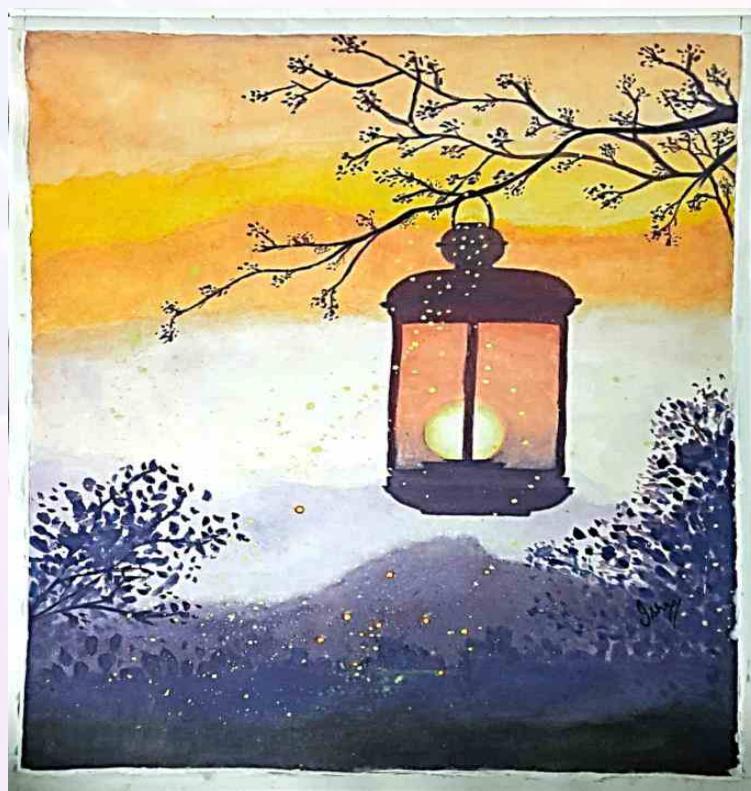
Pooja Bhardwaj
B. Sc. (Hons.) Zoology
II Year



Pooja Bhardwaj
B. Sc. (Hons.) Zoology
II Year



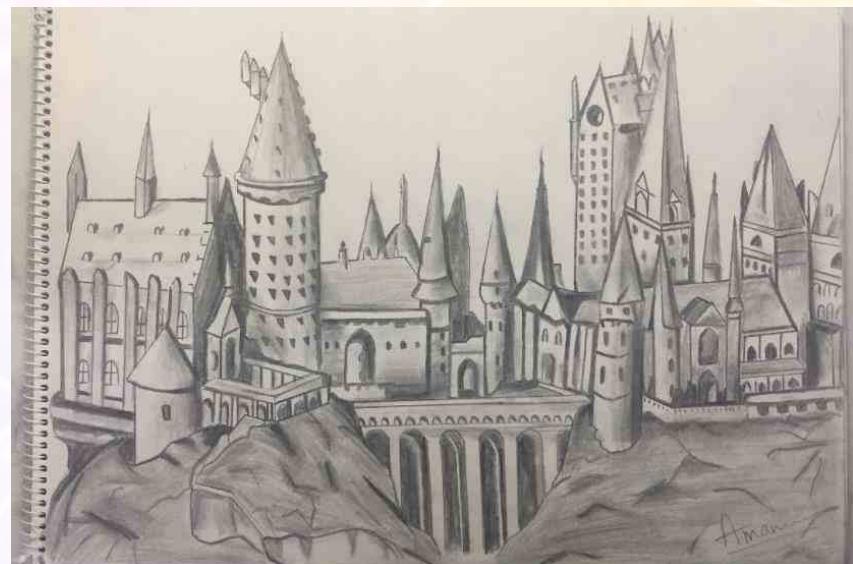
Himanshu Duggal
B. Sc. (Hons.) Instrumentation
II Year



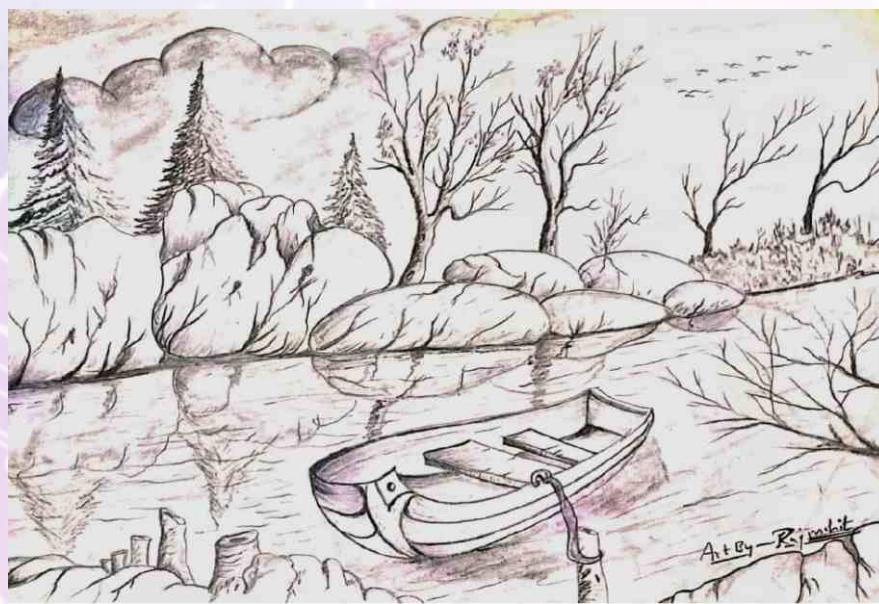
Isha Saha
B. Sc. (Hons.) Microbiology
I Year



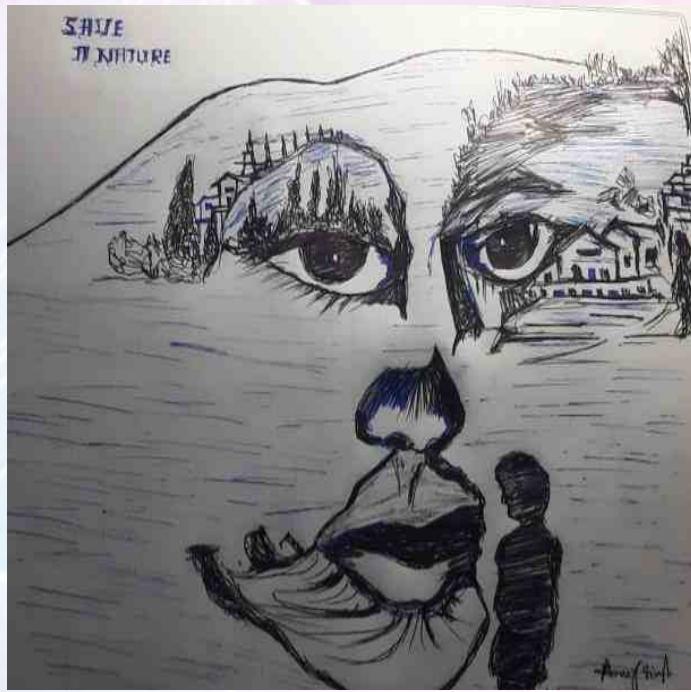
Alik Mondal
B. Sc. (Hons.) Physics
I Year



Aman Jain
B. Sc. (Hons.) Computer
Science
I Year



Rajmohit
B. Sc. (Hons.) Botany
II Year



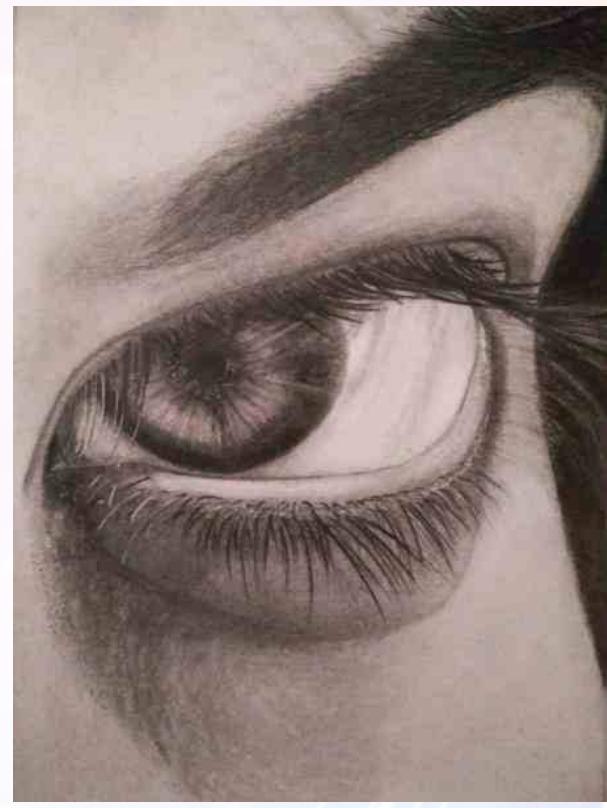
Anuj Singh
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science
I Year



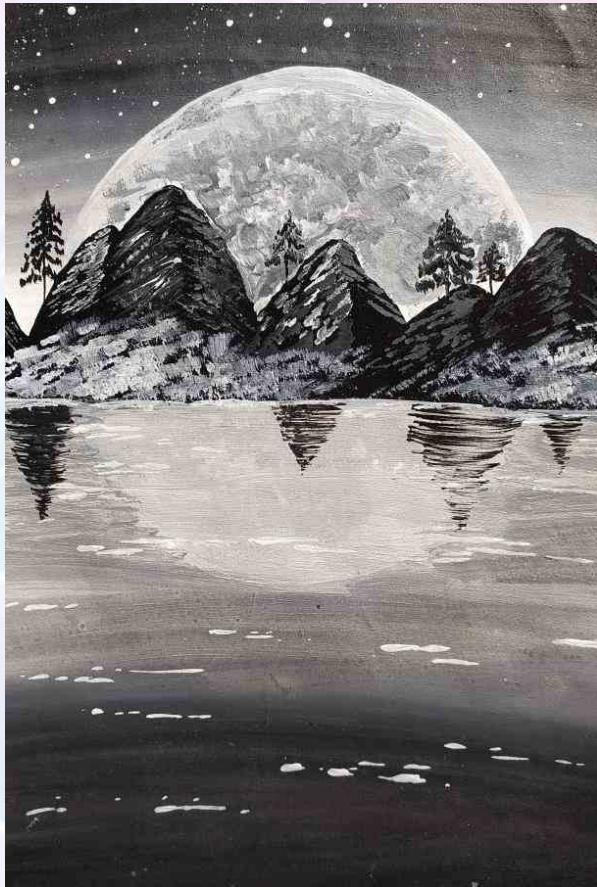
Samay Pingolia
B. Sc. (Hons.) Computer Science
I Year



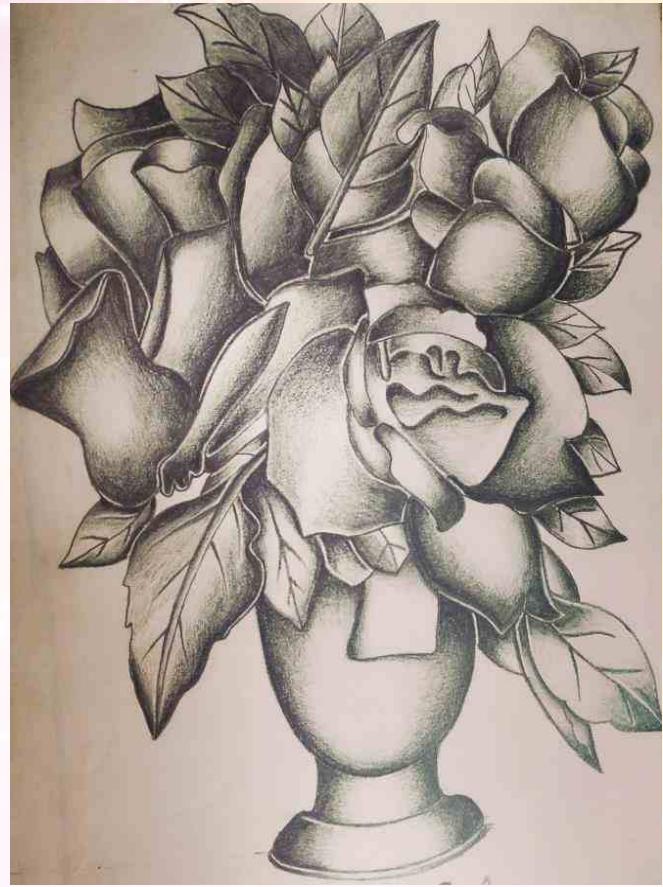
Archana Kumari Jaiswal
B. Sc. (Hons.) Microbiology
I Year



Vishal Mehra
B. Sc. (Hons.) Instrumentation
I Year



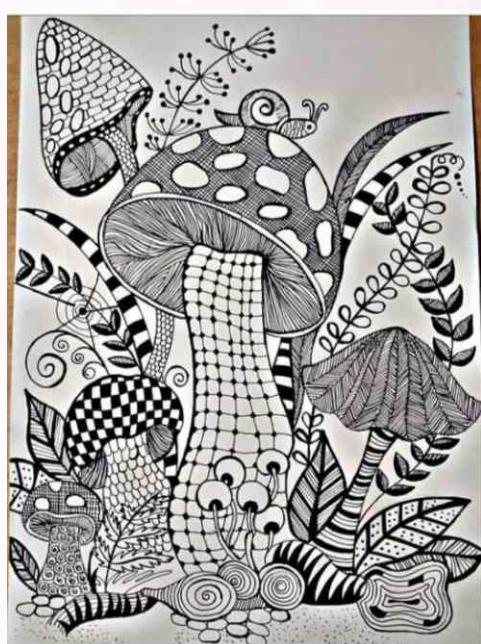
Kavya Sarthi
B. Sc. (Hons.) Zoology
Alumnus



Aman Negi
B. Sc. (Hons.) Physics
I Year



Nitin Sagar
B. Sc. (Hons.) Instrumentation
III Year



Nupur Bansal
B. Sc. (Hons.) Botany
III Year



Shiv Sagar Mahato
B. Sc. (Hons.) Food Technology
II Year



Ashima Jha
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science
II Year



Haripriya
B. Sc. (Hons.) Zoology
I Year



Usha
B. Sc. (Hons.) Botany
III Year



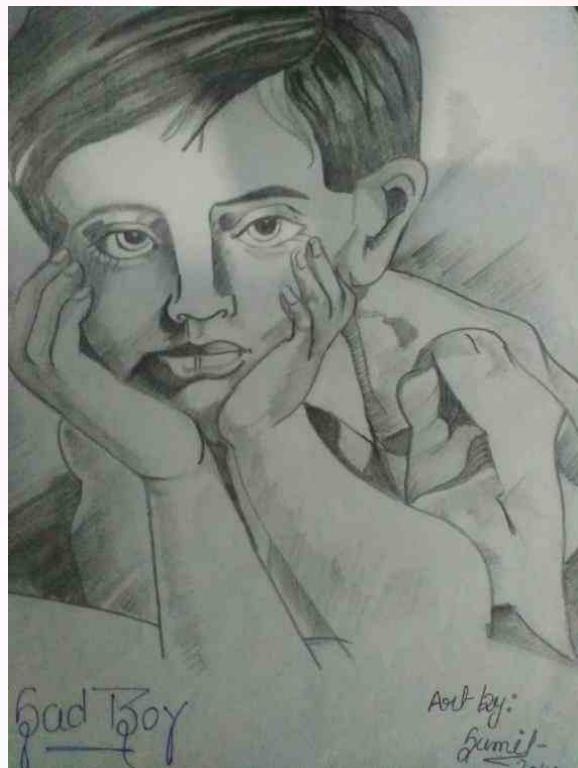
Anuj Singh
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science
I Year



Ayush Rohilla
B. Sc. (Hons.) Food Technology
I Year



Anjali
B. Sc. (Hons.) Food Technology
I Year



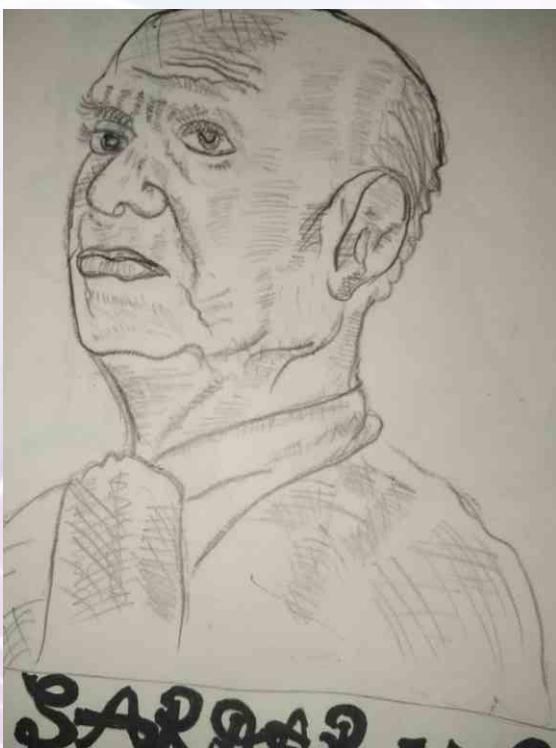
Sumit Prakash
B. Sc. (Hons.) Instrumentation
II Year



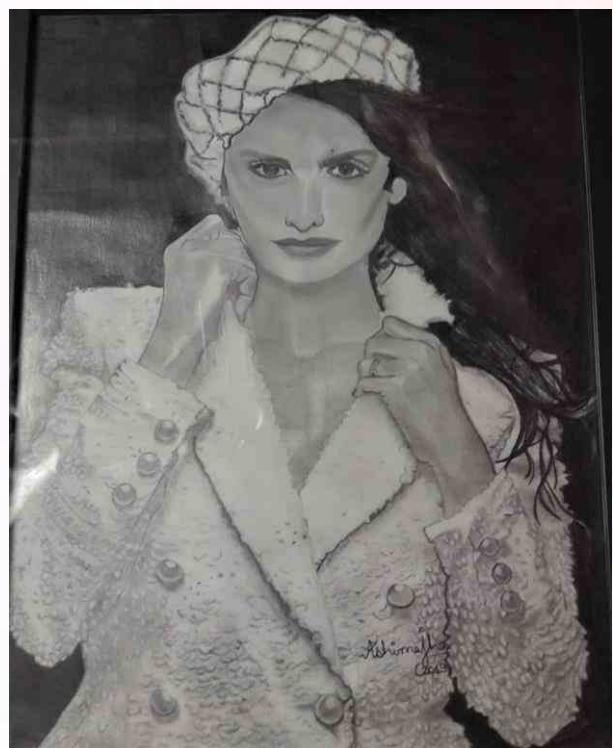
Adreeja Goswami
B. Sc. (Hons.) Physics
I Year



Sameer Yadav
B. Sc. (Hons.) Computer
Science
II Year

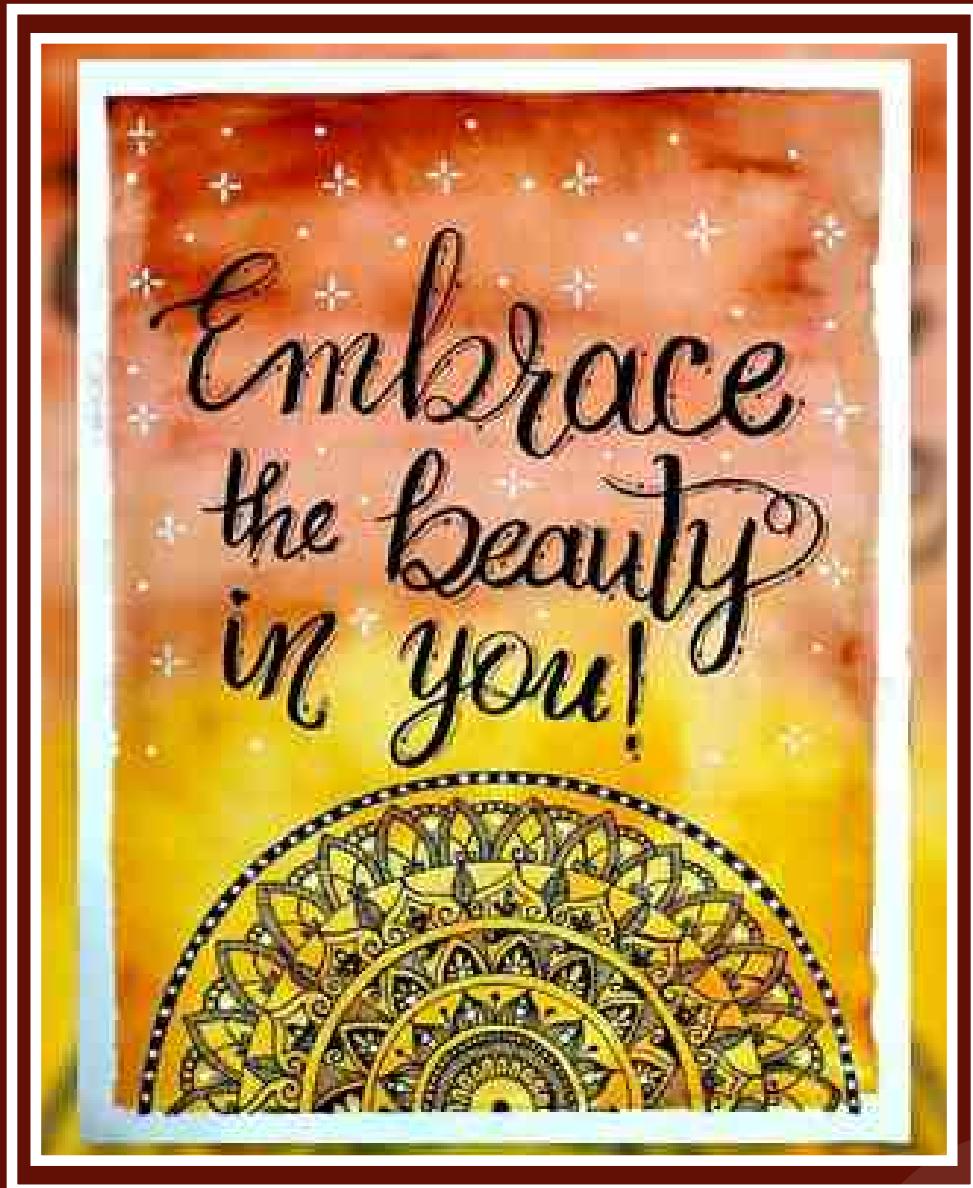


Rinky Yadav
B. Sc. (Hons.) Botany
I Year



Ashima Jha
B. Sc. (Hons.) Biomedical Science
II Year

DELIGHTFUL MEMORIES



Pawan Kumar Gola
B. Sc. (Hons.) Zoology
III Year

Department of Biomedical Science



JANVI SHETH



RAMDEV RAGHAV



CHHANDARSI MISHRA



BHARTI GHILDIYAL



ABHISHEK AMROHI



ASHUTOSH OJHA



SHIKHA PATIL



ESHIKA BINDAL



SHRUTASWINI



MANISHA



DANISH SIDDIQUI



SURENDER YADAV



RIYA SACHDEVA



SHIKHA JAISWAL



PRIYANKA MEENA



SURUCHI



PRINCE SHARMA



HIMANSHU BISHT



MADEEEHA NOOR



SUGANDH SAXENA



RIMJHIM KUMARI



PRIYA



SAMRIDHYA KAR



NAVNEET SINGH



VAISHNAVI PANT



DEBARPITA DAS



AKSHITA



AARTI MURALITHARAN



ADITYA KAUSHIK



ASHWANI KUMAR



SHWETA



ADRIJA SARKAR



KALPANA SINGH



HEMANT MISHRA



SAMARTH KUMAR



TARUN DAHIYA



SHIVANGI DASH



YASHIKA MEHTA VAID



SHRAVANTHI



DEVANSH SHARMA



ANSH BHANDARI



ANISH CHHILLAR

Department of Botany



Dikshika



Shagun Singh



Khushbu Sushawat



SHRUTI KUMARI



USHA



NIKHIL KUMAR KHATRI



SHREEVANEE SHARMA



DISHITA MISHRA



ALASKA RAWAT



TONIKA



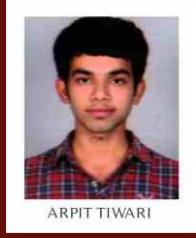
MEENAKSHI DEVI



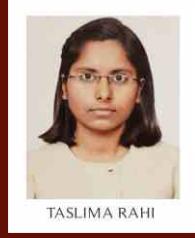
DEKANTO KHERSA



ANKITA CHAUDHARY



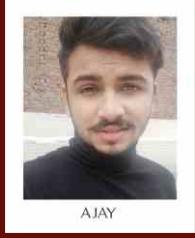
ARPIT TIWARI



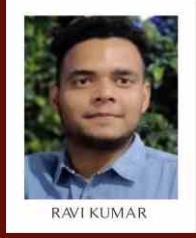
TASLIMA RAHI



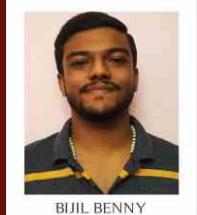
CHANCHAL KUMARI



AJAY



RAVI KUMAR



BIJIL BENNY



DEEPIKA



NUPUR BANSAL



SIMPY SAHU



SAYAN BOSE



RAHUL



PADMA CHOSDON



JYOTI AWASTHI



RUSHALI JAIN



ADITI



SURAJ SINGH MEHTA



KARTIK MEENA



SHWETA



MAMTA



VIBHA SHARMA



NAINSHI GUPTA



ANIT KUMAR SINGH



HARSH KUMAR



ISHIKA KATIYAR



SK AND AMOLI



Madhvi Sharma



Bahadur Singh

Department of Chemistry



RITU



MANISHA



YUKTA



SUNESH



SUDATTA BHUNYA



PRIYANKA SINGH



SHREYA SARASWAT



PALAK DIVYA GARG



RICHA RANI



ANUPAM CHAURASIA



SACHIN



VISHAL SAINI



SUMIT KUMAR



PARAS



ANKIT JADLI



RISHI CHAUBEY



PIYUSH



AMIT KUMAR SINGH



NARENDRA SWAMI



AASHISH UPERATI



DEEPAK KUMAR



HIRDYANSH PRAKASH



SUMIT PANCHAL



LALIT YADAV



VISHAL KUMAR



ROHAN LAMBA

Department of Computer Science



Department of Electronics



MANAV RANA



TUSHAR GOEL



ABHISHEK SINGH



HIMANSHU RANA



NITIN SUNIL PABHANE



NILESH KUAMR PANDEY



SAHIL



DIVYANSHU VARSHNEY



ARUN KUMAR



HARSH GAHLOT



DEEPAK DHANKHAR



ATUL KUMAR



GEETAM RAJPUT



ROCKY KUMAR



MAYANK SINGHAL



ANUJ SURYAVANSH



VISHAL PAL



MAYANK SACHAN



ASHISH



HRITIK BHATT



VIKAS YADAV



ADITYA KUMAR SINGH



SAURABH YADAV



YOGESH SHARMA



HIMANSHU KUMAR GUPTA



PRINCE KUMAR



HARDIK CHAWDA



RITIK GUPTA



POOJA KUMARI



TUSSHAR GOPAL

Department of Food Technology



MUHAMMED SIRAJ



ANUJ KUMAR



ANKITA BALODI



DIVYANSHU PRAJAPAT



VAIBHAV SINGH



TANYA GARG



KRISHNA KUMAR UPADHYAY



RAYHANA J S



MANISH KUMAR



PALLAVI KUMARI



SHASHANK CHAUDHARY



ANISHA MORIYA



SONIA RANI JADOWN



HRITHIK SUNNY



KRISHAN KANT



ANSHU KALRA



G. APARAJITA



ALEXANDER MASSEY



UTKARSH SINGH



TEENA THOMAS



ANISHKA VERMA



POLA PAVAN KUMAR



VISHAL YADAV



PRATEEK KUMAR



PIYUSH PANDEY



SUBHAM KUMAR



MUHAMMAD KALID K



LEKSHMI PRIYA P.



MUHAMMED SIRAJ



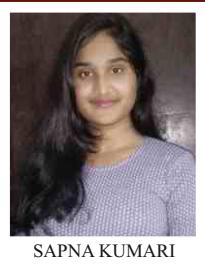
YASHIKA SONI



TISHA ANEJA



SALONI GAYAKWAD



SAPNA KUMARI



RACHIT MISHRA



VANSH GARG



JOYAL JAMES

Department of Instrumentation



Department of Microbiology



ARZOO GEET



ISHANI SHARMA



NANDINI SABHARWAL



ROHAN SINGH



SMRUTI SAHOO



HIMANSHI



PRIYA VERMA



SUBHAM SHARMA



PRIYAM CHOPRA



VINOD SINGH BHOJAK



MAYANK



PRIYANSH YADAV



VINIT CHAUHAN



SAHIL RAI



ROMITA TREHAN



JEEVESH SAINI



AMBICA SAPROO



RAHUL YADAV



GARY VERMA



YASHIKA SISODIA



MOHIT NEGI



SAHIL CHAUHAN



AYUSH KUMAR



FLEMING FRANCIS



VANSHIKA MITTAL



KETAN YADAV



PRIYANKA SHARMA



NITESH KUMAR



LAKSHAY KUMAR



VAISHALI SAINI



RAHUL BANSAL



ARNAB KAKATI



DISHA ARORA



PRANJAL RAJ SAXENA



PREETHA GOSWAMI



SAHIL CHAUDHARY



NEHA SINGH



ADARSH ANIL



ARYA JOSHI

Department of Physics



PAWAN KUMAR



SANCHI RAJPUT



VIKAS KADIAN



NISHANT KUMAR



ADARSH SRIVASTAVA



HIMANSHU SINGH



GAURAV KUMAR



VIBHAT KUMAR



ASHI MITTAL



MAHENDER SHAH



PIYUSH RANJAN MAHARANA



SHUBHAM BASERA



GAURANK YADAV



AFROZ



SOUMY SINGH



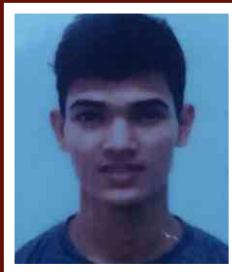
ABDUL RAOUF ATTARI



AMAN UPADHYAY



VIKAS SINGH



VAIBHAV SEMWAL



VIKAS YADAV



TANNU SINGH



AMAN UPADHYAY



TRISHU VERMA



SAIYAM SAKHUJA



SHIVAM YADAV



NAMAN KUMAR



VARDAA SAHGAL

Department of Polymer Science



DIPANSHU SINGH



RITU RAJ



CHANCHAL JANGRA



RITIKA SHARMA



ANUJ SINGH



HIMANSHU KUMAR



AMBIKA BOSE



AMIT YADAV



GAURAV ARYA



PAWAN KUMAR



SHUBHAM YADAV



MRIDUL KHANNA



NAVEEN YADAV



PRONEET GHOSH



VISHWAJEET KSHIRSGARL



SHIVAM KUSHWAHA



ANMOL MALHOTRA



PANKAJ GOYAL



SMRITI ANAND

Department of Zoology



ARZUMAN BANU



AJAY KUMAR



MEGHNA GHOSAL



RUCHI SHUKLA



SHIVAM KUMAR



MUSKAN



HARSHITA JANGRA



LIZA PATEL



YESHIKA TANWAR



NISHTHA KATARIA



MANISH SINGH



ISHIKA THAKRAN



SAURAV ARUN



ANMOL ARORA



PAWAN GOLA



ANKUR SARMA



VARINDER MADHAV



KHUSHBOO VATS



NANDINI SINGH



JIYA SHARMA



WORCHAN LUITLUI

Teaching Staff



New Teaching Staff

Source: College Magazine "Resonance 2020"

Non-teaching Staff



Source: College Magazine "Resonance 2020"

The DEPARTMENTS



•BIOMEDICAL SCIENCE•

The Department of Biomedical Science organized numerous events during the year including webinars, awareness programmes, yoga-cum-meditation programme and summer training programme. We joined hands with Sri Aurobindo College (evening) and organized many webinars on the topics 'Covid19: Precautions and remedies- An Ayurvedic approach', 'Designing questionnaire-A research tool' A webinar series titled 'Sketchbook 2020' was organized during May-July 2020 wherein the alumni of the department were invited to share their experiences and achievements with the students and faculty members. The series had participants not only from the different departments of the college but also from various other institutes. The department organised a two-day international webinar in collaboration with Department of Chemistry on "Prevalent Crisis Triggered by the Covid19 Pandemic and its Appraisal". A webinar on 'COVID 19: Impact on Environment and Social Change' was organised on 5th June 2020. Dr. Manoj K. Bhasin was the invited speaker in the international webinar on 'Epidemiology, Diagnostics and Therapeutic Approaches to Combat COVID-19' which was conducted on 26th June 2020. A summer training programme 'Unite for COVID warriors' was organised by the department along with the Department of Electronics starting from the 29th of June. It was a 20-day program that provided an enriching experience to all the participants of the program. Three webinars along with various activities were conducted during this programme. The webinars included 'The journey of creating an informational video including the research that goes into it', 'Viruses and Viral Diseases' and 'Impact of COVID-19 research progress in life sciences: mitigation of losses and the way forward'. A webinar on 'Cellular Therapies for Arthritic Disease: Clinical Translation and Obstacle' was conducted which saw Prof. Frank Barry, Professor of Cellular Therapy at the Regenerative Medicine Institute (REMEDI), National University of Ireland Galway (NUIG) as the invited speaker. On the occasion of World Mental Health Day, the Department in collaboration with the Gandhian Study Centre organised a yoga-cum-meditation programme titled 'Change your mind, Change your Life'. An awareness programme on Breast Cancer was carried out in collaboration with Manipal Hospitals, Dwarka with the help of renowned doctors of the hospital through Google Meet. the academic session of 2020-2021 was quite eventful and memorable for our department.

Ashima Jha, a second-year student of Biomedical Science has bought a plethora of awards to the college. She was awarded the Most Outstanding Delegate award in Asia Pacific International Online MUN that took place on July 4th-5th, 2020 via zoom platform. Ashima was further Invited to Judge in the post of Vice- Chairperson in the online edition of Asia Pacific international MUN, September 19th- 20th 2020. She was also welcomed to Judge as a Director in Model World Health Organization (WHO) organized by the Bangladesh Youth Club in September 2020. Ashima has been honored by Mr. HE Jesus Domingo, the UN ambassador to New Zealand, Mr. Morse Caoagas Flores, the UN Human Rights Officer and Ambassador Deepak Vohra, Indian Diplomat and Special adviser to Prime Minister for Chairing Model United Nations General Assembly.



•BOTANY•

The Department traces its origin back to 1995 where it used to support the requirement of the Biology Department. It elevated itself to offer major courses in Botany since year 2017. The emphasis on undergraduate programs at present is to give a comprehensive professional training in the field of Plant Biology and Biotechnology.

The department envisions to think big and achieve the same through the vision of the faculty and the hard work of the students. Innovations in teaching, research and outreach programs, will nurture young minds to do better for mankind and society. The department focuses on developing an exemplary department in the University and Country and to make it a center of excellence in thrust areas of Biological Science by employing cutting-edge research techniques.

The department aspires to organize webinars, workshops, hands on training, invited lectures as an integral part of academic programme. A wider exposure is provided to the students by giving an opportunity to undertake summer training in various fields of Science and Technology. The department also encourages students to participate in conferences, seminars, popular lectures conducted by scientific organizations, aimed to facilitate progresses in biological sciences through promotion of research, training and education. Students are exposed to field conditions to familiarize with the distribution and pattern of flora and fauna in the form of college trips. In order to broaden student's exposure in biological sciences the Department organized many educational visits. To nurture creativity, interests and team work in the students, the department also organized various extra-curricular activities including Poster-Making Competition in collaboration with the Eco-club of the college.

PHYTOMICS-the botanical society celebrate the annual departmental fest "BLOSSOM-II" on February 18, 2020. Two eminent intellectuals, Prof. K.S. Rao (Head of the Department) and Prof. Arun Jagannath from Department of Botany, University of Delhi, delivered an informative talk on climate change and plant science without boundaries respectively during the inauguration of annual departmental fest. The lectures were followed by various events such as poster making, science quiz, test your senses, slogan writing, plantastic, BCAS got talent and many fun activities. The annual departmental fest provides intra and inter-college interactions among students and helps students to engage in various extra-curricular activities that give them a platform to show-case their talents



• CHEMISTRY •

The Department of Chemistry is dedicated to excellence in education, research, and public service. We strive towards these goals through classroom teaching and practical training. Research aimed at solving some of society's most important issues viz. human health, energy, and environmental problems, fostering an environment of safety, and embracing diversity of communities and ideas to benefit city, the nation, and the world. As an important component of Natural Sciences, Chemistry offers the students an ideal platform to begin exploring the composition, structure, properties & behavior of all forms of matter. The Department of Chemistry has started B.Sc. (Hons.) course in chemistry from the academic session of 2017-2018 and first batch passed out in 2020.

The infrastructural facilities in this department includes experimentation laboratories for under-graduate, research laboratories, instrumentation laboratory, book bank, BEST(Bhaskaracharya Environmental Sustainability Task-force), class-room with ICT and wi-fi facility for students and staff. The laboratories are well-equipped with sophisticated instruments that enable students to carry out all the experiments as prescribed in the syllabus. Besides these, there is an instrumentation laboratory for carrying out experiments in physical chemistry and analytical techniques. Moreover, there are dedicated laboratories to carry out research work in eading areas of chemistry that are equipped with sophisticated modern instruments being funded by BRNS, SERB, DST and University of Delhi. Currently, one student doing post-doc and four students are pursuing PhD in this department. The department of chemistry has its own chemical society named "ALCHEMY" which conducts events for holistic development of the students. The department has its personal Blog(<http://bcaschem.blogspot.in/?m=1>), Google-groups, Email and WhatsApp group that are being pooled by teachers and students to share views, news, ideas and academic achievements of the department from time to time.



•COMPUTER SCIENCE•

The Department of Computer Science believes in holistic development of students. All year around both technical as well as cultural activities are carried out in the department using modern tools. The Computer Science Department has organized various workshops, seminars and webinars throughout the year. Some of the technical activities organised by the department to impart state of the art technical know-how during the year 2020-21 were “Learnathon 2020” and Webinars on “Sanskrit for Computers and Computers for Sanskrit” in the month of May 2020, which combines technology with our Indian culture. A webinar on “Arts and Sciences of Career Goals” was also organized by the Department of Computer Science and Student advisory and PR Committee in October 2020 in order to acquaint the students with their career goals. The CS Society of the department, “CS.Net” organized a webinar on “Insight of Artificial Intelligence and its Functionality” on February 28th, 2021 to apprise our students with the fastest growing field of study in the field of technology. A webinar on “Ensemble Learning Techniques and their Implementation” was also organized by the CS department on March 15th, 2021.

Besides this the CS.Net Society of department celebrated annual techno-cultural departmental festival “INTERFACE’ 21” on March 31st, 2021. The techno-cultural festival had a myriad of kaleidoscopic events like Code War, Typing Test, Chess Tournament and Anime Quiz. Students from various streams actively participated in these events and the winners were rewarded with E-certificates.



•ELECTRONICS•

The Department has its society named 'SPARKS' which organizes various activities like Workshops/ Conferences/ lectures/ Industrial visits/ Seminars/ Technical Fest, etc. every year under the guidance of eminent personalities from the academia and industries. But in the times of this pandemic Covid-19 where the colleges were shut down and the lives were slowed down, the passion of learning remained unaffected. Various webinars have been organised in the department to continue the learning process and get an exposure of on-going research and technological trends. Hence with an aim to promote the holistic development of students, the activities that have been organized in the current academic year are:

1. A five days BCAS Silver Jubilee International Webinar Series on 'Technological Trends for the Next Generation' was organized from June 1 to June 5, 2020. Many distinguished speakers from renowned organisation were invited to give the insights about the upcoming technological trends viz. Industry 4.0, Artificial Intelligence, Cloud Computing, Smart Connected Devices and Advanced Robotics. The series was highly appreciated by one and all.
2. A webinar on 'From an Idea to Startup' was organised on September 25, 2020 in which Mr. Amit Verma, Founder Youth Startup Network was invited to guide the students on the startup journey, from setting it up to finding funding sources. The session was attended by students from electronics as well as from other departments also.
3. The freshers were warmly welcomed and were invited to a virtual Fresher's Party organised on January 30, 2021. The party was filled with various fun filled events like Quiz Competition, Mr. and Miss. Fresher etc. The event was highly interactive one.
4. A webinar on 'Carbon Nanotubes based Gas Sensors' by Dr. Pika Jha, scientist 'F' in a Solid State Physics Laboratory, DRDO was organised on February 13, 2021 through Google Meet.
5. An Alumni Interaction on Opportunities for Research in Physical Sciences was organised by the Alumni Committee in association with Department of Electronics, Physics and Instrumentation on February 19, 2021 through Microsoft Teams.
6. An online Lab visit to Special Centre for Nanoscience(SCNS), JNU was organised on February 27, 2021 under the guidance of Prof. Bijoy Kuanr through google meet. Dr. Ram Krishna Ghosh, DST Inspire Faculty at Special Centre for NanoScience, JNU also delivered a talk about various research going on in the SCNS. The participants were showcased and briefed about various state-of-art instruments present in the lab like laser, sputtering unit etc. The visit witnessed a large number of participation. Participants from other colleges also joined the event making it a huge success.



• FOOD TECHNOLOGY •

The Department of Food Technology offers a three year B.Sc. (Hons.) degree. Food Technology is the application of food science to the selection, processing, preservation, packaging, and distribution of safe, nutritious and wholesome food. It basically deals with the science and technology of processing and preserving of food. Food Science is an inter disciplinary science which employs life sciences, physical sciences, and engineering to study the nature of foods, the causes of their deterioration, and the principles underlying food processing. Therefore, Food Science and Technology is a multidisciplinary subject with sharp focus on subjects such as Chemistry, Biochemistry, Biology, Engineering, Nutrition, Microbiology and related technologies.

The department has conducted the following events:

As part of the National Nutrition Month celebrations during September 2020, various activities were organised for the students. 'Nourish to Flourish' recipe contest using fortified staples; National Online Quiz on 'Eating Right'; National Digital Art Competition on 'Eat Right Bite by Bite' were held, which had participations from various institutes. Besides, a webinar on 'Changing Dynamics of Nutrition' was conducted. All the events observed huge participations from all across India.

A series of five webinars on food allergies was live streamed through Google Meet from August to October 2020. The series invited eminent speakers having expertise on the subject and talked about major consumers' concerns on food allergens. It began with an introductory session on "Demystifying Food Intolerances and Food Allergies" followed by 'Reading and Decoding Food Labels', "Dietary Management of Coeliac Disease", "Tips and Strategies for Families Living with Lactose Intolerances" and a concluding webinar on "Reactions to Food & Drug Additives and Cooking without Allergens".

Several online and offline outreach activities were carried out by the Food Technology students where they explained simple concepts related to food processing like canning, adulteration, fermentation, fortification, pasteurization, nutrient deficiencies, food wastage, candy processing, 'halo' foods and probiotics. One of these topics as picked up by the students was talked about to school children; mostly through the online platform of Google Meet. However, despite the pandemic few students also chose the conventional, more gainful method of reaching out to them physically taking complete precautions of social distancing and mask covering.



•INSTRUMENTATION•

Instrumentation is a specialized field which deals with the science and technology of measurement that provides service to not only physical, chemical and biological sciences; but also to all branches of engineering and medicine. Bhaskaracharya College of Applied Sciences is the only co-educational college in the University of Delhi, offering a Bachelor of Sciences (Hons.) course in Instrumentation.

•During lockdown, the Department organized a series of webinar in collaboration with NSS to motivate, encourage and enhance confidence of students staying at home. Series started from April 19-25, 2020 on “Learning in Lockdown”, “Learning in Lockdown 2.0” (3 days learning sessions) from May 04-10, 2020 “Learning in Lockdown 3.0” (5 days learning sessions): Stay High Forever by knowing the Self from May 15-31, 2020, “Learning in Lockdown 4.0” (5 days learning sessions): Positive Thinker from June 4-12, 2020 by Mr. Ayush Gupta, Software Engineer, Google.

•International Webinar on “Shaping the career for 5G Technologies” was also organized on July 15, 2020 to give students awareness about latest technologies. Dr. Tushar Sharma, Post-Doctoral Research Associate from Department of Electrical Engg., Princeton University was invited for the same.

•Another expert lecture was delivered by Dr. Vikramaditya Dave, Associate Professor, Department of Electrical Engg., Maharana Pratap University of Agriculture and Technology, Udaipur on July 17, 2020 on “Role of Solar Photovoltaic in Post COVID-19”.

•On July 30, 2020, International Webinar was held on “A short history of Solar Physics” by Prof. Carsten Denkar, Head Solar Physics, Solar observatory Einstein Tower, Germany in collaboration with Dept. of Physics.

•In the month of August, an online virtual training on "Embedded System" by TECKAT Services Pvt. Ltd was conducted for students and faculty. The participants were introduced to the basics of proteus software and demonstration of few projects was also given. Another online Lecture and Demonstration on “Industrial Automation Scope: PLC & SCADA” was conducted on October 12, 2020.

•Department organized an online lecture on “Introduction to VLSI” on November 07, 2020 by Mr. Manish Singh, Distinguished Alumni of the Department



• MICROBIOLOGY •

Sukshmjeev Society of the Department of Microbiology organized a Webinar Series 2020 on ‘COVID 19 Pandemic: The Road Map to Recovery’ under the aegis of DBT Star College Scheme and IQAC, Bhaskaracharya College of Applied Sciences from 21 st May to 25 th July 2020. The series aimed at developing awareness and preparedness to deal with and address current health crisis posed by COVID-19 to help overcome the situation at various levels in the community. The Department took significant initiative to spread the knowledge and awareness in both factual and scientific way about the management of COVID-19 pandemic. The lectures were delivered by various scientists and academicians from renowned and reputed institutes nationally and internationally. The eminent speakers were Prof. Ashok Rattan (Senior Advisor, Pathkind labs); Dr. Ajay K. Tehlan (Director, CRI, Kasauli); Prof. Kiran Kondabagil (IIT, Bombay), Dr. Priyanka Bajaj (Manager, Health & Innovation Impact Lab, PATH, New Delhi); Dr. Saurabh Saran (Head, TBI & Senior Scientist, IIIM Jammu), Mr. Vipul Kumar (Research Scholar, DAILAB, IIT Delhi), Prof. Sanjeeda Srivastava (IIT, Bombay), Dr. Anurag Agarwal (Director, CSIR-IGIB), Dr. Debajyoti Chakraborty and his group (CSIR- IGIB), Prof. Shailly Tomar (IIT, Roorkee) and Dr. Madhavi Rao (Program Manager, BIRAC). Highlight of the series was the webinar by our own alumnus, Dr. Sanjana Mukherjee, Orise Fellow: Public Health Policy and Regulatory Research, US, Food and Drug Administration who spoke on ‘U.S. Food & Drug Administration: Role in Covid Response’. Our distinguished alumni Prateek Bhardwaj, Anay Kumar, Vandana Singh and Shlok Jindal were part of the organising team coordinating the series. The society also organized its annual department festival ‘Microquest’ in which Webinar series & “Advances in Microbiology : An Interdisciplinary Approach” along with many online co-curricular events was held from 9 th to 26 th March, 2021. The series had lectures on Microbial Biofilms (Dr Neetu Kumra Taneja, Assistant Professor, National Institute of Food Technology Entrepreneurship and Management), DNA replication (Prof. Deepak T. Nair, Regional Centre for Biotechnology), Gene editing (Dr. Bhupendra Verma, Assistant Professor, Department of Biotechnology at AIIMS, New Delhi) and Automation in Clinical Microbiology (Prof. Ashok Rattan, Senior Advisor, Pathkind Labs). It aimed at augmenting the curricular concepts of the students. The series culminated with ‘Alumni Interaction Day’ in which our distinguished alumni, Ms. Shefali Thakur (Doctoral fellow at WHO’s International Agency for Research in Cancer, Lyon, France) and Ms. Manpreet Kaur, Bagga, (Research Assistant at the New Castle University, UK.) gave talks on diverse Career avenues in Microbiology and Inter-disciplinary areas and mentored the students for their future academic pursuits.



•PHYSICAL EDUCATION•

The physical education provides holistic development to students. Department of Physical Education not only takes care of physical but mental, social, emotional, spiritual and intellectual development provided through physical education, yoga and sports. The department has conducted various activies namely;

Department organized a webinar on “OBESITY MANAGEMENT” on 29 May 2020. The resource persons were Dr.Dhananjoy Shaw and Dr. Vijay from Indira Gandhi Institute of Physical Education and Sports Sciences, University of Delhi.

Department organized second webinar on “BEING HEALTHY” on 8 June 2020. The resource persons were Dr.Dhananjoy Shaw and Dr. Vijay from Indira Gandhi Institute of Physical Education and Sports Sciences, University of Delhi. Refurbishment of Sports Ground was done.

The college sports ground was refurbished (leveling and grassing).



• PHYSICS •

Physics, is the branch of science that examines and offers a logical framework to understand the world around us, focuses on matter, energy, space and time. It is one of the oldest academic disciplines of basic science, which has made significant contributions to our understanding of the numerous physical phenomena all around us. The advances and understanding of this field has been translated into new technologies and new ideas. The department conducted a series of events as such: The Physics society “QUBIT”, Department of Physics, organized the International webinar on “A short Story of Solar Physics” on July 30, 2020. In this webinar Professor Carsten Denker, Head of “Solar Physics, Solar Observatory, Einstein Tower, Germany” interacted with the students and faculties, gave a brief idea about our solar system. Department of Physics organized the 2nd International webinar series on “OPTICS FROM FUNDAMENTALS TO ENGINEERING APPLICATIONS”. The series invited eminent speakers having expertise on the subject and their fields. In the first lecture of this series Prof. Akhilesh Kumar Mishra, Indian Institute of Technology Roorkee (IIT Roorkee), delivered an interesting talk on “Quantum Control Realization In Semiconductor Devices” on 08/02/2021. In this lecture he talked about the triggering and controlling quantum coherent phenomena in semiconductors and also discussed about the establishment of coherence and its control in an electrically fed room temperature InAs/InP based quantum dot semiconductor optical amplifier (QD SOA) utilizing ultrafast experimental techniques. In this talk he briefly explained the possibility to two level laser and also talk about the Rabi frequency. The second lecture of series was held on 17/02/2021, In this webinar Mr. Abhishek Sharma, Scientist 'D', Solid State Physics Laboratory (SSPL), Defence Research and Development Organisation (DRDO) gave a lecture on “Semiconductor Lasers in Defence Applications”. In this lecture he explained about various kinds of semiconductor lasers, their characteristics including applications and fabrication methods. how laser can used for protecting our border areas. Students were very enthusiastic to ask questions from the expert. The last lecture of this webinar series was organized on 23/02/2021, In this webinar Mr. Jagroop Bhanwala, Scientist/Engineer 'SE', Vikram Sarabhai Space Center, Indian Space Research Organization (ISRO) was the chief speaker of this session. He delivered a lecture on “Laser Gyroscope & Applications”, he gave marvelous example of exploitation of simple principles of optics and engineering to realize a sensor which is extensively used in advance navigation systems in aerospace and defense industry. He also briefly discussed the basic working principle of laser gyros, their engineering realization, performance parameters and sources of error. He also discussed its applications in Navigation and to understand the fundamentals of Physics.

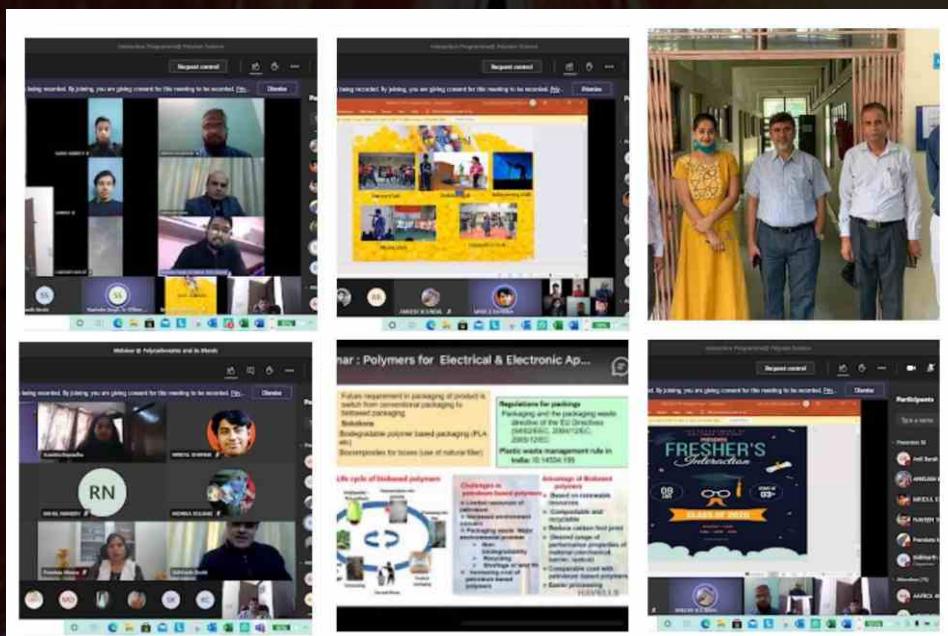


•POLYMER SCIENCE•

B.Sc. (Hons.) Polymer Science course is offered only at Bhaskaracharya College of Applied Sciences, University of Delhi. The program pertains to impart expertise of Polymer Engineering and Technology. The Department has extremely good infrastructure for providing practical experience of synthesis, processing and testing of polymers. The laboratories are equipped with facilities including Injection Molding Machine, TG/DTA, Compression Molding Machine, Two-Roll Mill, Single Screw Extruder, Universal Testing Machine, FT-IR and Rheometer to match the requirement of the experiments up to the mark of industrial standards. The syllabus also consists of the content about handling, maintenance and trouble-shooting of various equipments available in the laboratories. PEARLS, Departmental Society, is a vibrant platform at which students get opportunity to participate in popular lectures of eminent Professors & Scientists from various institutions. Such Popular Lectures improve awareness of students towards latest research and developments in the field of polymer science. Students also participate in conferences, workshops, symposiums, in house projects & industrial visits in addition to attending lectures.

Few programs organized by Departmental Society (PEARLS) in 2020-21 are listed below:

1. A webinar (in association with Department of Food Technology) on “3 D Printer & Its Applications” on May 12, 2020 via. Webex Platform. Prof. A. K. Ghosh (Department of Material Science and Engineering, IIT, Delhi) and Mr. Saroop Chand (Adriatic, Noida) delivered talks in the Webinar.
2. Prof. S.K Awasthi, & Prof. D. S. Rawat Department of Chemistry (University of Delhi) visited Polymer Science Department on October 16, 2020.
3. “Bahulak”Departmental Magazine (2018-19: Vo. 2) was released on Annual Day on September 08, 2020.
4. Department Polymer Science organized online interaction programme for 1st year students (Batch of 2020-21) on 9th January, 2021 via Microsoft Team Platform.

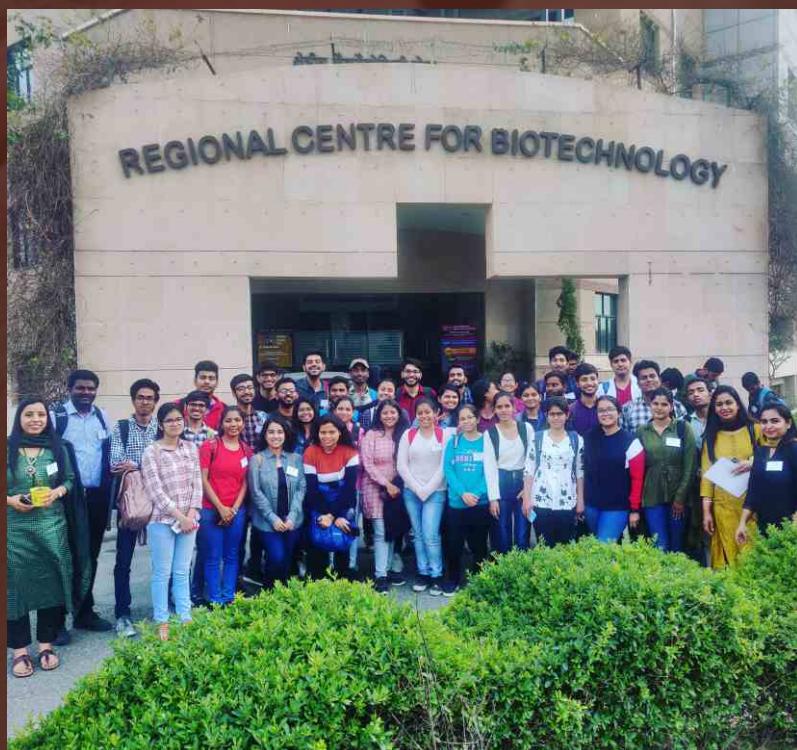


• ZOOLOGY •

The Department of Zoology of BCAS established in the academic session of 2017-18 for the course B.Sc (H) Zoology witnessed the passing out of its first batch in the year 2020. The students have performed exceptionally well and have secured remarkable positions in the University. First position was secured by Ms Shweta Thakur, with a grade point of 9.16. Second position was secured by Ms Sushma Yadav with grade point of 9.01 and third position was secured by Ms Shirin Qureshi with grade point of 8.8. The testimony of quality education became evident when a total of 16 students from our first batch cleared various entrance examinations and got admitted in reputed national and international institutions. Six students got admission in M.Sc Zoology, University of Delhi whereas nine others got admission in other Indian universities. It is noteworthy that one student Ms. Garima got selected and has secured admission in University of Bern, Switzerland.

The Department believes that undergraduate students must be prepared in such a way that they are not only academically strong but are also ready to face this challenging world and are confident in expressing themselves. To nurture this, the students and faculty of the Department actively participated in “Aarohan: RCB Open Day”, an outreach program held in Regional Centre for Biotechnology, Faridabad on February 28, 2020 on the occasion of National Science Day. In this event, Mr. Pawan Kumar Gola of B.Sc (H) Zoology III year secured first prize in sketching competition.

Teaching filled with fun is the best way to create interest in students for the subject. With this objective, our Department organized its three day online annual festival ‘ZOOSANGAM’ from February 15-17, 2021 under the umbrella of zoological society ‘ERANKO’. The festival conducted various scientific and fun-filled activities and witnessed active participation of students at both inter-departmental and inter-college levels. In a nutshell, the academic session of 2020-2021 was quite eventful and memorable for our department.



DBT STAR COLLEGE SCHEME ENERGIZING SCIENTIFIC TEMPER: TEN YEARS OF STAR



STAR STATUS

Dr. Anita Sondhi: Coordinator, DBT Star College Scheme

Dr. Uma Chaudhry: Co-Coordinator, DBT Star College Scheme

The Department of Biotechnology, Ministry of Science and Technology, Government of India approved Star College Scheme at 'Bhaskaracharya College of Applied Sciences in December 2010 with the aim to strengthen life sciences and biotechnology education and training at the undergraduate level. The purpose was to improve critical thinking and facilities 'hands-on' experimental work in the cutting edge-technologies needed for modern biological studies at the undergraduate (college) level in life sciences. The underlying philosophy was that such experiences will encourage more students to take up life sciences as a career.

Thereafter, DBT identified colleges with ambition and potential for excellence and provided the academic and physical infrastructure for achieving excellence in teaching. All this helped the students with a unique never before exposure to experimental sciences. The colleges that were successfully able to implement the strategy were to be considered as life sciences' 'Star Colleges'.

This scheme took off in our college in December 2010. Four Departments of our college: Biochemistry, Biomedical Science, Food Technology, and Microbiology have benefited tremendously under this scheme and all the four participating Departments wear the Star Status with great honor and pride.

The Department of Biochemistry, Biomedical Science, and Microbiology were awarded the 'Star Department Status' in the year 2017. This was four years after the Department of Food Technology was awarded 'Star Department status' in the year 2013.

Thanks to the scheme, the college has added tremendously to the already considerable Infrastructure of the college departments. A large number of state-of-the-art equipments were added utilizing the Non-recurring grant of the DBT Star College scheme.

As has been the case for the last decade, under the ongoing Star College Scheme of the Department of Biotechnology, several activities are planned and executed by the participating departments. As the foremost aim of the scheme is to strengthen science education and research at the undergraduate level

activities are conducted both at the respective department levels and college at large keeping this very objective in mind. Many activities are conducted under the aegis of the DBT Star College Scheme. These activities to enhance interest in science include invited talks of eminent scientists from Academia and Industry, Seminars, Hands-on training, and workshops. One of the mandates of the scheme is also to encourage collaboration between various departments and foster frequent and meaningful interactions between the faculty and the students. The students, under this scheme, are also given experiential learning through visits to various industries, institutes, and research laboratories. These visits help them understand applications of science in other institutes and also familiarize them with various career options available in their chosen scientific fields.

ADAPTING TO COVID TIMES :

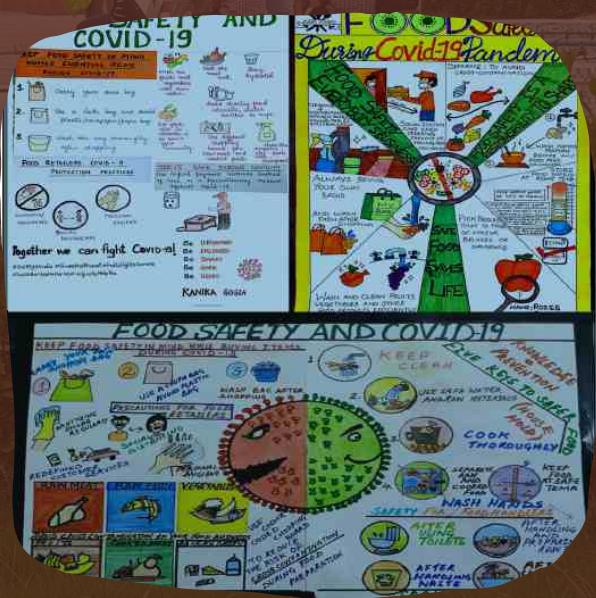
In March 2020, all the educational Institutions closed for physical classes but learning and education continued though under different hues. We were firm with our resolve to reach out to students through a plethora of online Workshops and lectures and training. Many of the events had large participation from colleges of Delhi University and other Universities as well.

The sky is the limit thanks to the star college scheme. And the participating Departments are determined to achieve it. It is not only an opportunity for our budding scientists and scholars to learn newer things in science, but we will also strive to groom them to be conscious citizens who have respect for their natural environment, who understand the fragility of human life, and are determined to contribute their bit towards the building of the nation in the post-pandemic India.

GLIMPSES OF STAR ACTIVITIES 2020-2021 :



The online workshop titled 'Principles and Applications of Spectrophotometry' held on 16/9/2020 for students pursuing BSc(Microbiology) conducted by Dr. Anita Sondhi, Associate Professor, Department of Biochemistry



Posters of a few of the participants of the poster making competition on "Food Safety and COVID-19" from June 6- 11, 2020

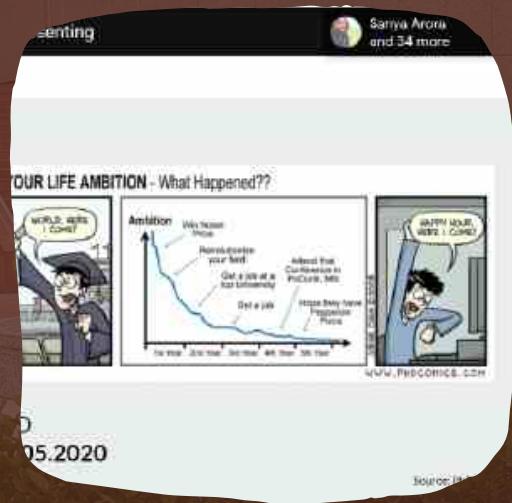


Live Talk on “How to Land up Your Dream Job in First Attempt”

Glimpses of Webinar series on Food allergies from August to October 2020



Department of Biomedical Science invited Prof. Frank Barry, Professor of Cellular Therapy , National University of Ireland Galway (NUIG)



The lecture series titled “Sketchbook 2020”



Virtual Visit to Haldiram Snacks Pvt. Ltd. on January 13, 2021

CELLS, COMMITTEES AND CLUBS



Alumni Committee

Convener: Dr. Vandana Batra

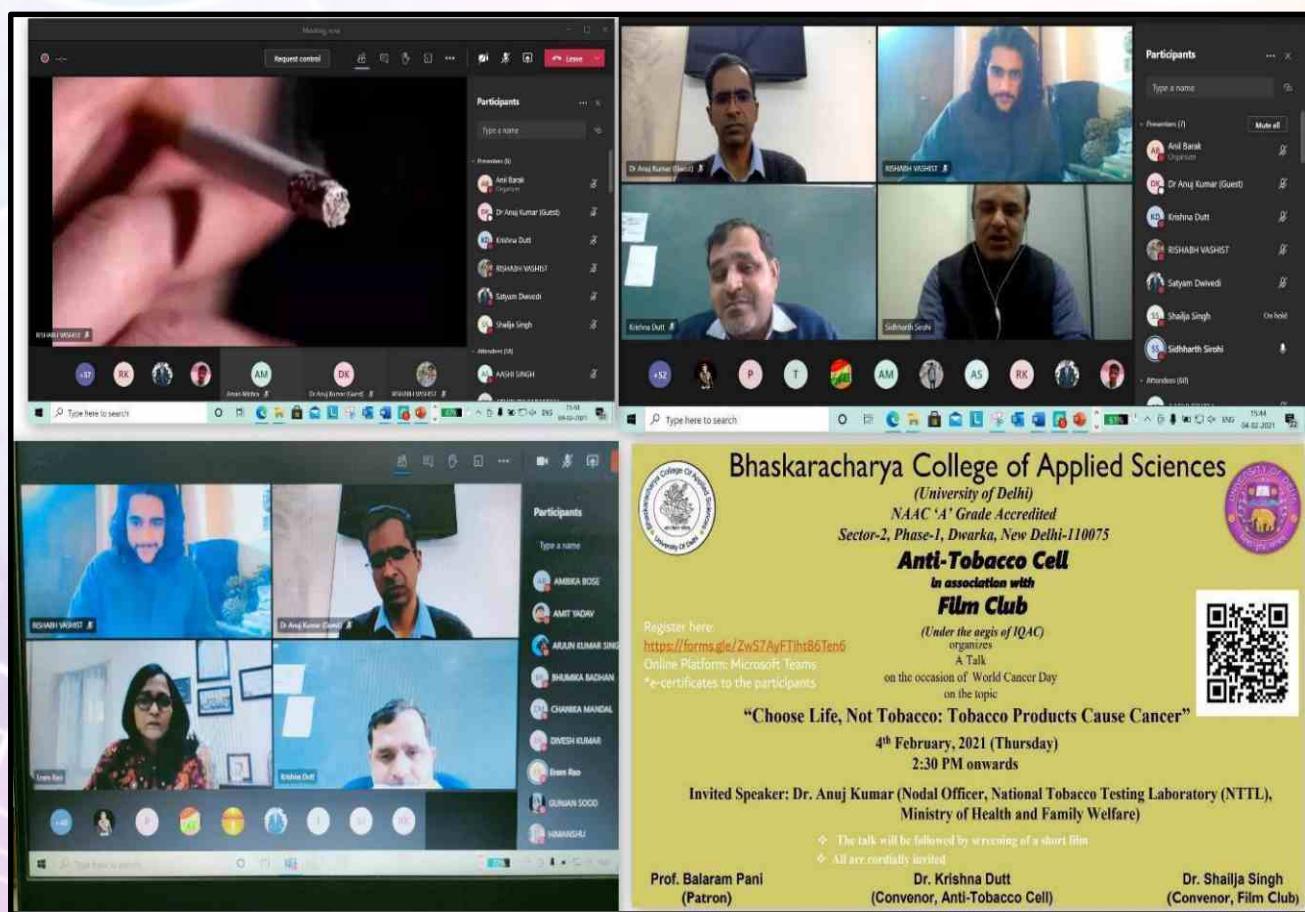
The Alumni committee encourages the cooperation, participation and involvement of alumni by organizing alumni meet every year which promotes a meaningful dialogue and exchange of ideas between the college and its alumni for development of institute and placement. The Alumni committee in association with Departments of Electronics, Department of Physics and Department of Instrumentation organized an Alumni Interaction session on February 19, 2021 on the topic “Alumni Interaction: Research opportunities in Physical science”. This interaction was planned with an objective of reconnecting with the alumni as well as showcasing their success stories to inspire the students. The session helped students to get enriched about the research opportunities in India as well as outside from India. Students got to know about different scholarships for proceeding research in different areas. More than 100 students enthusiastically participated in the event. Furthermore, Alumni after sharing their experiences assured all kinds of help, support and cooperation for the betterment of the students and institute as whole. The session was completed successfully.



Anti - Tobacco Cell

Convener: Dr. Krishna Dutt

The Anti-Tobacco Cell of Bhaskaracharya College of Applied Sciences organized an event in association with the Film Club on 4th February 2021 on the occasion of World Cancer Day. Dr. Anuj Kumar (Nodal Officer, National Tobacco Testing Laboratory (NTTL), Ministry of Health and Family Welfare) was invited as the keynote speaker in the program who delivered a talk on the topic entitled “Choose Life, Not Tobacco: Tobacco Products Cause Cancer”. The purpose of this lecture was to make students and staff aware of the harmful effects of tobacco & tobacco-related product usage. Dr. Anuj Kumar explained various harmful effects of tobacco usage and shared preventive measures. The program was followed by a screening of a short film “INDIFFERENCE” by the film club to aware students and staff about the Cancer and hazardous effects of tobacco-causing cancer. Around 80 participants participated in the event.



Career Counselling Cell

Convener: Ms. Shweta Gupta

The objective of the Career Counselling Cell of college is to provide guidance and motivation to students in exploring various career avenues through lectures by inviting eminent personalities from academia, industries, and renowned organizations. This year, the cell initiated to organize National Webinars for the participants from all across India. The first such National webinar on ‘Career Opportunities in Civil Services’ was organized by inviting Mr. Deepak Bansal from Indian Foreign Service, Ministry of External Affairs, Government of India on 27th June’20. The lecture enriched the knowledge of all the participants about the methodology to be adopted to clear the civil services exams.

Another National webinar on ‘Career Options for Undergraduates’ was organized in collaboration with the Department of Biomedical Sciences of college on 24th July’20. The Speaker Mr. Gaurav Sharma, Managing Director and Senior Faculty, A.S.S Science Foundation benefitted the participants with the understanding of various career avenues available to them after completing their graduation.

The cell also organized a National Webinar on ‘Digital Marketing’ on 10th July’20 by inviting Mr. Mukesh Shukla from COIM Learning Management System. The lecture was very insightful and the participants were provided the information of various online platforms and digitally based communication tools required for digital marketing.

On 27th August’20, the cell invited Wing Commander Sneha Singh from Indian Air Force to deliver a National Webinar on ‘Career Opportunities in Indian Air Force’. The lecture was quite enthralling. The Resource person had indeed elucidated the participants about the insights of preparation required for pursuing their career in this arena.

Besides the above, the cell organized a National Webinar on ‘Entrepreneurship’ delivered by Mr. Ribhav Batra from the Institute of Management Technology on 20th September’20. All the participants were informed about the diverse start-ups and stimulated to put in their incessant efforts in becoming successful entrepreneurs.

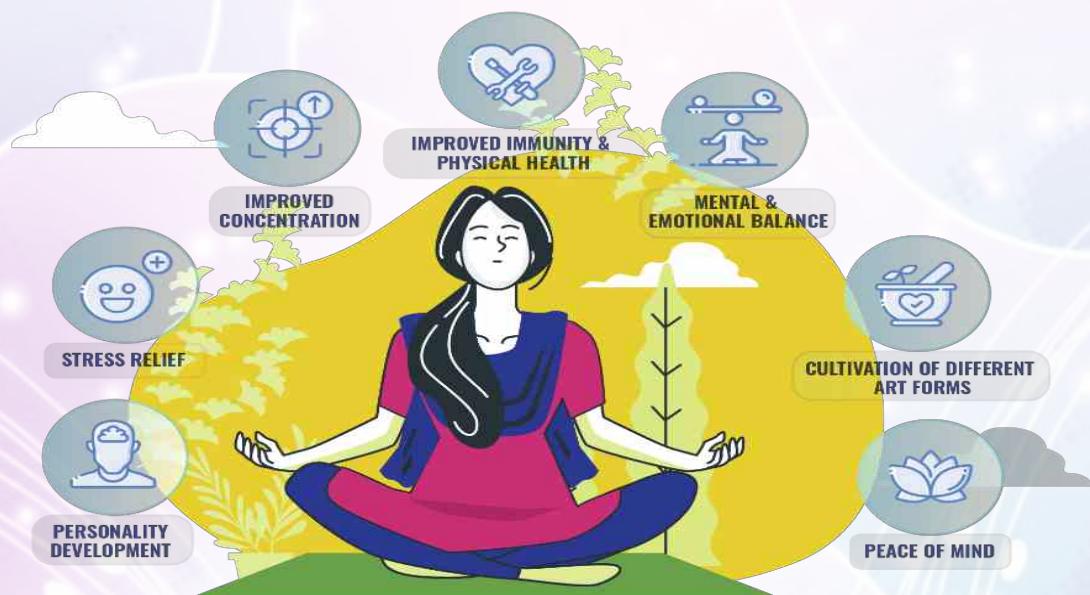


Gandhian Study Centre

Convener: Dr. Shivani G. Varmani

“In a gentle way, you can shake the world”- Mahatma Gandhi

The Gandhian Study Centre of Bhaskaracharya College of Applied Sciences organized various activities during the year with the aim to imbibe Gandhian values and ideals among the students. The Study Center of Bhaskaracharya College and Sri Aurobindo College (evening) joined hands to organize a webinar ‘महात्मा गांधी की जीवन शक्ति और वर्तमान चुनौतियाँ’ on Gandhian values and used to overcome challenges in the pandemic times. The webinar was well attended at the national and international levels. Prof. Girishwar Mishra (Ex VC, Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya) emphasized and reinforced the Gandhian ideologies and their relevance and application in the present challenging era. Gandhian Study Centre with the aim to bring health and happiness for everyone undertook an outreach activity of five days on yog “*Gandhi ji aur yog, yog se mitaye rog*” from 3rd to 7th July 2020 on Google meet with Dr. Praveen Saroha, Director, Physical education, Netaji Subhas University of technology, which was well attended by faculty, students, staff, relatives, friends, etc. The program entailed yogasana related to various body functions and health. We believe in Bapu Gandhi ji’s vichar on swachata, the cleanliness. Cleanliness is not just outside. It is of your mind, body, and soul. In the best interests of humankind, we took a Sankalp to conduct the informal sessions of yoga ‘Journey of Transformation – The Yogic Way’. The event was continued for more than 4 months and about 25 people benefited from it regularly. ‘Satsangati’, a group on Whatsapp, has been created to share concerns and experiences. On world mental health day, the Gandhian Study Centre organized a Yoga-cum-meditation program on “*Change your mind, Change your life*”. The event consisted of Sukshma Vyayam, Meditation, and Short Relaxation Pranayama and techniques. The Gandhian Study Centre of our college was felicitated for propagating Gandhian values among the students under the categories of outstanding performance by the Principal of the College, Convener of the Centre, and Student volunteer by Gandhi Bhawan, University of Delhi. To commemorate Martyrs’ Day, the Gandhian Study Centre released a newsletter which was released by Prof. P.C. Joshi, Vice-Chancellor (Acting) of the University of Delhi, Prof. Suman Kundu, Director, South Campus, and Prof. Balaram Pani, Dean Colleges & principal, BCAS University of Delhi.



National Service Scheme

NSS Programmes Officer: Dr. Amit Kumar

Amid the Covid-19 pandemic college successfully organized the programme to meet the motto and outreach to society.

With the aim to provide a platform for young learners to share their viewpoints on the prevailing conditions during the Covid-19 pandemic, the college organized a National Online Symposium on Exploring Young minds for Holistic Development on October 2, 2020. This online event was participated by more than 20 young people of different Schools and Colleges participants from different states including Rajasthan, Bihar, Telangana, Assam, Andhra, Uttar Pradesh, Delhi, etc. The participants shared their views by stating the current problem statements and possible solutions for these by making an online presence and submitting the written abstract. The e-souvenir for the event was published both in textual (<https://qrgo.page.link/EDnE9>) and video (<https://qrgo.page.link/eEjGm>) forms. The topic included the text on Covid-19 remedies, National Education Policy, Electric vehicles, online classes, Indo-Chinese relations (Indian current foreign policies). The event was coordinated by Dr. Amit Kumar and chaired by Dr. Madhulika Bajpai under the kind guidance of Patron and the College's Principal, Prof. Balaram Pani.



The facilitation program for an online marathon by Youth for Seva NGO was done with the aim to reach and encourage social belongings in the youth population amid the Covid-19 pandemic. The vigilance awareness week (October 27 - November 2, 2020) was celebrated by encouraging college students and others to participate in an online pelage campaign by the Central vigilance commission, Govt. of India.

Garden Committee

Convener: Dr. Meenakshi Garg

Plantation Drive in the college premises was organized on 17th July 2020. Saplings of 1000 plants like Tulsi, Mehndi, Arjun, Palash, Giloy, Raat ki Rani, Kari Patta, Shami, Amla, Naag Daman, Hershingar, etc. were planted in the Bhaskaracharya college premises. Principal Dr. Balaram Pani, Chairperson Ms. Madhuri Varshney, Garden committee convener Dr. Meenakshi Garg, Dr. N. S. Abbas, Dr. Siddharth Sirohi, Dr. Susmita Dey Sadhu, Ms. Ira Sharma, and other members from teaching and non-teaching staff were present and planted herbal plants in the college garden.



Research And Project Assessment Committee

Convener: Dr. Uma Dhawan



The research and Project Assessment committee of the College is organizing an International webinar series on “Research Integrity and Ethics”. This outreach program is an initiative to raise awareness and enhance the understanding of the fundamental practices and principles of integrity and ethics in research among students and faculty members. There will be 8-10 sessions in this ongoing webinar series over the next 5-6 months. The sessions have talks on scientific integrity, peer review, plagiarism, mentor/trainee relationships, use of online openly licensed content, conflict of interest, research involving human and animal subjects, etc. by eminent academicians from India and abroad. This series is planned in consultation with distinguished advisory board members from different research institutes in India and abroad. Professor Ved Prakash, Former Chairman, UGC gave the keynote address on 24th October 2020 followed by the inaugural talk by Professor Daman Saluja, Director, ACBR, University of Delhi. Professor Dwaipayan Bharadwaj, School of Biotechnology, JNU, and Professor S. Ramachandran, Senior Principal Scientist and Professor of the AcSIR in the Faculty of Biological Sciences, CSIR-IGIB, New Delhi also delivered the talks during his series.

Women Development Cell

Convener: Dr. Geeta Mongia

“There is no tool for development more effective than the empowerment of women.”

— Kofi Annan

Women Development Cell @ BCAS is a vibrant and incessantly active collaboration of students, faculty, and staff; endeavouring to create a more inclusive, tolerant and gender sensitized community within campus as well as in society. It believes in strengthening students by creating awareness about socio-political, cultural, and legal perspectives through talks, workshops and symposia. Through its myriad activities - slogan writing, poster-making, rangoli making, debates, self-defense training courses - the Cell sensitizes and educates female students in a holistic manner.

Our past few programmes and events primarily aim at creating awareness about issues mentioned above still prevailing in our society. Given below are the highlights of the activities organized by Women Development Cell:-

- ❖ On 8th March 2021, the cell celebrated International Women’s Day ‘नारीUtsav’21’ in the hybrid mode (both online as well as offline mode) to rejoice womanhood. Dr. Shweta Singh, Founder & CEO Ennable IP, and Women Innovation & Entrepreneurship Foundation (STEP UP 360) delivered the keynote address. The program also includes a number of intercollegiate competitions for students such as quiz, Just-a-minute, poster making, rangoli making, mehndi art, singing and slogan writing competition where students showcased their knowledge, talents, values, and skills.
- ❖ On 25th February 2021, cell organized a National Webinar on ‘Opportunities for Women in Hospital and Healthcare Management’ by Prof. Divya Aggarwal and Prof. Anandhi Ramachandran, International Institute of Health Management and Research (IIHMR).
- ❖ On 22nd February 2021, Women Development Cell and Department of Biomedical Sciences in collaboration with Dr. B.R. Ambedkar Center for Biomedical Research (ACBR), DU and Manipal Hospitals, Dwarka organized a National Webinar in public interest to commemorate World Cancer Day on ‘Cancer Awareness for Women’.
- ❖ On 16th January 2021, Women Development Cell organized a workshop on ‘My Bizzness: DST Sponsored- Women Entrepreneurship Development Program’ by Mr. Ashish Jain, CEO, JSS Incubator.

- ❖ On 17th October 2020, Women Development Cell and Department of Biomedical Sciences in collaboration with Manipal Hospitals, Dwarka organized a ‘Breast Cancer Awareness Programme’.
- ❖ On 26th September 2020, cell organized a National Webinar on ‘Opportunities for Women in AtmaNirbhar Bharat’ by Mr. Rashmi Ranjan, Founder -UDDAN and Certified Trainer & Consultant.
- ❖ On 10th June 2020, Women Development Cell in collaboration with National Commission for Women, Cyber Peace Foundation and Facebook for “We Think Digital - Digital Shakti 2.0 organized a National Webinar on ‘Cybercrime against Women and its Redressal’.
- ❖ On 6th March 2020, the cell celebrated International Women’s Day ‘नारीUtsav’20’ to rejoice the tremendous efforts by women and girls around the world in shaping a more equal future. The Cell invited many eminent personalities such as, Dr Rajul L Desai (Member, National Commission for Women) and Mrs Nayna Sahasrabuddhe (Vice President, Bhartiya Stree Shakti). The program also includes a number of intercollegiate competitions for students such as extempore, poster making, rangoli making, and slogan writing competition where students showcased their knowledge, talents, values, and skills. Large number of students from various colleges enthusiastically participated. The program was grand success.





Astronomy Club

Convener:

“Universe- A mystery yet to unveil”.

Who hasn't marveled at the celestial wonders and experienced a sense of awe at being a part of such an infinite expanse? Astronomy club seeks to build on this fascination and brings innovation and passion to its vision of spreading the awareness and knowledge of astronomy and space sciences to the students. The Club aims to arouse the inquisitiveness among students for studying and finding the answers to the various unresolved problems of mysterious Universe by organizing various exciting events like Quiz Competition, Educational trips, lectures, documentary movies, etc. every year.

1. Astronomy club organized Quiz Competition on the topic “Marvel: : X-MEN” during Episteme 2020, the festival of Physics Department on February 17, 2020. Students from various departments participated with great zeal and enthusiasm in the event.
2. Astronomy Club also organized a Debate competition on the topic “Was this universe created or it always existed this way?” during Srijan 2020 on February 25, 2020. Students from various colleges participated in the event.





Dance Club (Rage)

Convener: Dr. Alivia Roy

Rage is anger, anger is energy, energy is dance. The stage is awaiting, The RAGE is awaiting..

Lockdown and home quarantine constituted normal life in the year 2020 but it could not lower our zeal and prevent us from wearing our dancing shoes. RAGE, the Dance club of BCAS made several endeavours in the academic session 2020-2021 to break the monotony of home education and keep the spirits high amidst the ongoing pandemic. The 'Soul Rockers' online solo inter-college dance competition was held in May 2020 wherein talented students from across the country participated with full vigour and enthusiasm. Ms. Bhavya Mehta from AIACTR, Delhi secured the first position; second position was secured by Mr. Michaelraj Nadar all the way from Dombivali, Mumbai and lastly third position was achieved by one of our own student from BCAS, Bidisha. Rejoicing on the success of the previous event, a similar online solo inter-college dance competition was again organized in November 2020 named 'Groove it'. Ms. Astika Anand hailing from IGDTUW, Delhi was judged to deserve the first position, Mr. Deepak Upadhyay from Motilal Nehru college, DU got the second position and finally the third prize was obtained by Ms. Ayushi Goswami from VIPS, Delhi. The ECA committee of our college welcomed the year 2021 with an online live musical event on 23rd January. The live performance of the guest singer was followed by showcasing the dance talent of some of our supremely talented students namely Neeraj Sharma (Electronics, 2nd year), Kuldeep (Electronics, 3rd year) and Vidhi Jindal (BMS, 1st year). Uniqueness of various dance forms and brilliant performance of the dancers garnered attention and appreciation of one and all.



Debate Club (Confianza)

Convener: Dr. Anjali Saxena

To know the other side, exchange of ideas are needed, a debate is needed.

Confianza is the debating society of Bhaskaracharya college of applied sciences which provides an innovative platform to students to present their views and exquisitely explain their perspectives on the current political and social scenarios in the country as well as world. The debate club not only teaches one to merely be a good speaker but also a great thinker, to empower one to be able to convince people with one's ideas and arguments. It helps one hone the qualities to be the leader of tomorrow. This is done through various intra and inter-college quiz competitions, parliamentary and conventional debate competitions, group discussions and interactions. In the year 2020, **an Intra college debate competition** was organized by the debating society to ignite the vigilante theme in students and evoke their active participation in promoting vigilance awareness among their peers and society as a whole. The debate was held on the topic: "**Is the current public participation playing a role in eradicating corruption and promoting integrity?**" on January 31, 2020. The debate witnessed enthusiastic participation from all the departments of college and covered the topics such as CAA, digital arenas, Right to information, etc. proving their vigilante values. Another **Inter college "Just a Minute (JAM)" debate competition during the annual cultural festival SRIJAN** where the participants were judged on the basis of fluency, topic justification and diction. Due to the ongoing pandemic, to avoid the spread of COVID-19, precautionary steps were undertaken by the college, therefore, later all the events of the club were carried online. Group discussion styled debate was held on 22 May, 2020 via Google Meet platform on topic "**Who is responsible for this perpetual uncontrolled scenario of pandemic: Govt. or Citizen?**" As an exercise of witnessing "Vigilance Week 2020" along with the collaboration with Central Vigilance Commission of India, **an Inter College debate competition** was organized by the core team members on: "**Who should be more vigilant? STATE OR THE CITIZEN in a democracy.**" held via Google meet on 2nd Nov, 2020. It was followed by a two hour long interactive session of people debating and putting forward their views on the topic. The event was wrapped up by a heartwarming discussion on various aspects of the topics and better opportunities.

-Convenor Dr Anjali Saxena



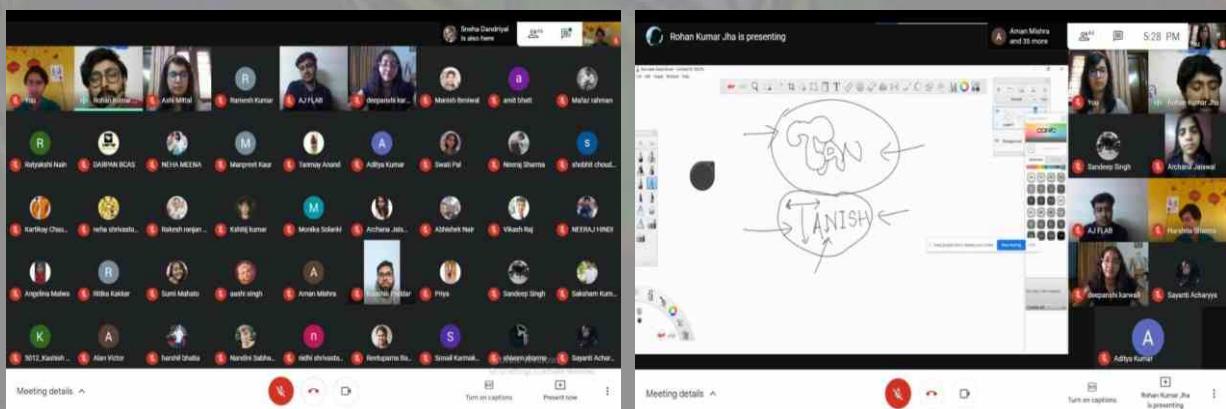


Dramatics Club (Darpan)

Convener: Mr. Rakesh

"Art is not always about pretty things, it's about who we are, what happened to us, and how our lives are affected."

BCAS Dramatics Club “Darpan” tries to bring forth this face of art to life using theater because we believe 'well performed well received'. “Navras” an online monoact competition that provided talented students a platform to showcase their talents, was successfully organized by Darpan team in May 2020 as part of various theatre competitions being held across University of Delhi colleges. The competition was a unique mono act competition that required the portrayal of different lockdown stories through one emotion being held throughout the act. Core members of Darpan were invited for an interview by a professional theatre group, Soch Rangmanch on 25th December, 2020. The talk included deep insights into the functioning of the society and its future goals. The team was also invited for participating in the talk event of the theatre group known as Campus talks, on 8th January, 2021. The exciting talk conducted, included sharing of ideas amongst the various members from Soch Rangmanch and Darpan, understanding the vision the upcoming seniors held for the society and how theatre at college level works. Darpan, the Dramatics society of Bhaskaracharya College of Applied Sciences, collaborated with a professional theatre group, Soch Rangmanch. One month long interactive brainstorming sessions and training about theatre were held and the two teams shared ideas and learnt a lot from the interactive and informative sessions about the intricacies of theatre at a professional level. This collaboration also included a recent venture of both the teams, a play called Pratibimb.





Eco Club (Pranahi)

Convener: Dr. Franky Varah



Eco Club teaches the experience of beauty of life, beauty of nature and the very nature of biome.

The Eco Club of Bhaskaracharya College of Applied Sciences, University of Delhi celebrated Environment Day under the theme “Digital Nature” on June 5th 2020. On the same day, the Eco club also organized Webinar. The lecture was delivered on “Impact of Environment and Social Change” by Prof. Umesh Kulshrestha, Dean, School of Environmental Sciences, Jawaharlal Nehru University.

International webinar was organized on “Epidemiology, Diagnostics and Therapeutic Approaches to Combat Covid-19” by Eco Club of Bhaskaracharya College of Applied Sciences, University of Delhi on June 26th 2020 via Google Meet. Dr. Manoj K. Bhasin, Director, Single Cell Biology Program at Aflac Cancer and Blood Disorders Center, Alanta, USA was the keynote speaker.

A guest lecture on “Environmental Issues in the Midst of Covid-19” was organized by the Department of Chemistry and Eco Club of Bhaskaracharya College of Applied Sciences, University of Delhi on August 10th 2020 via Google meet. The lecture was delivered by Dr. B.C Sabata, Former Senior Scientific Officer, Department of Environment, Government of NCT of Delhi.

The Eco Club in collaboration with the Department of Botany, Bhaskaracharya College of Applied Sciences, University of Delhi, organized a poster-making competition on the theme entitled “Ozone for Life: 35 years of Ozone Layer Protection” on World Ozone Day, September 16th 2020. Eco Club and Bhaskaracharya Environmental and Sustainability Taskforce (BEST) presented “Virtual Nature Walk at Aravalli Biodiversity Park” on February 3rd 2021 via Microsoft Teams. Madam Balwinder Kaur, Scientist from Aravalli Biodiversity Park was the ‘Virtual Nature Walk’ guide.



Film Club

Convener: Dr. Shailja Singh

“Film as dream, film as music. No art passes our conscience in the way film does, and goes directly to our feelings, deep down into the dark rooms of our souls.”

Ingmar Bergman

Films encourage ideas and social commentary within communities. Art, especially film, is important because it gives us the ability to form lasting human connections by letting us share our experiences. It can help us to better understand our own lives, the lives of those around us and even how our society and culture operate. The Film Club, BCAS aims to make and screen a wide range of films available to young people, which challenge, unite, educate, amaze, and inspire. It was constituted with the aim of entertaining, educating and encouraging the students to various aspects like academic excellence, national pride, science and technology, and wildlife, etc. As a part of the tradition, the film club organized several events like ‘Meme-o-Mania’ and screening of the movies like ‘GANDHI’, ‘MISSION MANGAL’ and many more. Members of the club are actively involved in making documentaries and short films for various activities happening in the college throughout the year. In this endeavor, film club screened a movie “INDIFFERENCE” on Feb. 4, 2021 on the occasion of world Cancer day to aware people about the Cancer and how tobacco products are one of the leading cancer causing agents.





Fine Arts Club (Akriti)

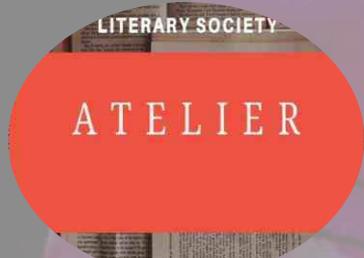
Convener: Dr. Premlata Meena



*Akriti- Fine Arts Club
redefine the
beauty of the art
“Art is not what
you see but what
you make
others see”*

“The Fine Arts Society” of the college organized a “Intercollege Online Art Competition”under IQAC on 21st April 2020. The theme of the competition was "Daastaan-e-Lockdown". Ms. Sanjana from Ram Lal Anand College, DU won 1st position.

“The Fine Arts Society” of the college organized a “Online Art/Poster Making Competition” under IQAC on theme “Republic India: Then vs Now” on 26thJan. 2021. Ms. Shambhavi Geeta (Food Technology 1stYr.) won 1st position.



Literary club (Atelier)

Convener: Dr. Satyawati

Expression through rhythmic flow of words is a powerful weapon when is intermingled with the power of knowledge.

The literary club organised a literary Quiz on 30. Jan. 2020 at 2:30 pm in AV room, where students united for rational and discursive exchange of discourses by thinking out of the box throughout different rounds. The students were asked MCQs and questions from different genres of Literary fields. The energy of young minds with which they responded was strong enough to blow minds of spectators and the judges equally. Pranjal's team and Vibhat's team bagged the first and second position respectively. For more interactive discussion among students of different hues and ethos, on 4th Feb 2020, the club in collaboration with The gandhian study center co-organised a bilingual essay writing competition on "Mother nature has enough for man's need but not for man's greed" and "My dream India". The event was judged by Dr. Anil Kumar Bali. The event undoubtedly proved to be one of the productive and opinionated competitions. Scribbling the Epic character sunleashes the hidden taste for prose writing with imaginative tendency. To find the jems of this craft the literary club organised an online inter-college competition "Pauranikkhat" on 20th May 2020. In this event Students from different colleges came up with their own diction on different characters of Ramayana. This refined form of craft gave the agency to students to revisit the great Epic, which is a need of an hour in today's modern times. Through this event we were able to collate a great number of prose writing of students from various colleges who enthusiastically participated in this online competition even during pandemic and made this event successful. E-certificates were provided to the first, second and third prizes winners, namely, Mansi Aggarwal of SOL, Riya Buttan of DRC and Ramdev Raghav of BCAS respectively. Nature provides us brazen world but poets and artists use the nature to deliver the golden piece of art, with this aim we at advent of new year organised an inter- college online competition "Switcher Do" on 24.01.2021 at 12pm amidst the pandemic outbreak. Students were given a word of a content and were asked to form their piece of art by synchronizing their thoughts with other's narrative by giving it a meaningful structure. The aim was to build the harmonious approach to content writing skills in students. E-certificates were provided to the winners. The event was judged by Dr. Julie Thakur. First prize was bagged by Rupali Sindhu (RML), Disha Saha (ilead, kolkata), and GiteshPal (BCAS) were positioned second, and Indarakshi shah (ilead, Kolkata) and Ayush pramanik (ilead, kolkata) bagged the third position. The event was a great success with the contribution of the entire Literary team.





Music Club (Moksha)

Convener: Dr. Shubhra Barwa

“The True Beauty of music is that it connects people”.

Moksha, the musical society of the college provides students a platform to express the power of their thoughts and issues of interest in a melodious and lyrical accent by organizing several intra and Inter-college activities round the year.

Students of the music club participated in the International summit on women in STEM Visualizing the Future: New Skylines organised by ICGEB New Delhi at India Habitat Centre on 23-24 January 2020. Their performance was well appreciated and they were duly felicitated with certificate of Appreciation and memento by DBT.

Music club participated in 70th Republic Day Celebration (26 January 2020) where students sang patriotic songs as a tribute to the slain soldiers They also dedicated a song to the girl child.

Music club and Gandhian Study Centre of the college organized Bhajnwali- Bapuke Priye Bhajan (A Vinamra Sharadhanjali) on 5th February 2020. The audience were left mesmerized by the soulful rendition of some of the most loved songs of Mahatama Gandhi. The chief Guest of the event Dr Salila Tiwari also appreciated the performance of the students.

The Music society organized numerous events during pandemic as well, an effort to distress the students during these trying times. In view of it the society organized an inter college online Solo singing competition 'Musical Rhapsody' on 24rd May 2020. It attracted an active participation from participants. Neeraj Pandey (Shivaji college) and Gaurav Sharma (BCAS) secured first and second position respectively.

The society further organized another Inter-college online solo singing competition 'Musicomania' on 14th November 2020. Chetna Meena and Ravinder Singh (BCAS) were declared the winners in Vocal and Instrumental categories respectively.





Photography Club (Clickerati)

Convener: Dr. Umesh

The camera is an instrument that teaches people how to see without a camera.

-Dorothea Lange

The photography Society of BCAS, CLICKERATI has been formed with an objective to provide guidance and platform to the Young Photographers in our College. Student members of the society are given an opportunity to cover all the major events organized in the college to nurture their creative and observation Skills. Apart from this, the society organizes workshops, competitions and photo-walks time to time.

- We Organized an Internal college Series of Competitions including Online, Offline and On The Spot Contests on 7th and 8th November 2019. And The themes were The Forgotten Subjects, Textures and Upside-down. We had 57 Entries in Online Competition and 21 participants in Offline and On The Spot.
- We Organized an inter college competition- On the Spot Competition on 26th Feb 2020 in our College Fest, SRIJAN. The Theme of the Competition was Minimalism. We had 25 Participants out of which Chetan Mishra Won the Competition.
- We Organized a Series of Online Competition by the name of PHOTUSTAAN in SRIJAN and the Themes were Motion Blur Nostalgia and Trapped. we Had 26 Entries for the Competition.

We had Organized 2 photo-walks in the previous year. Location were Hauz Khasi and Archeological Park. Apart from this, 3 of our Society members won Photography Competitions in PGDAV organised by IRIS on 28th Jan 2020.

Convener- Dr. Umesh Kumar



Yoga Club

Convener: Dr. Kapil Roy

“Yoga is not a religion. It is a science, science of well-being, science of youthfulness, science of integrating body, mind and soul.”

— Amit Ray, Author “*Yoga and Vipassana: An Integrated Life Style*”

Yoga is an invaluable gift of ancient Indian tradition which embodies unity of mind and body; thought and action; harmony between man and nature and a holistic approach to health and well-being. Over the years, yoga has evolved into a science of Health and Healing. It plays a very crucial role in the therapeutic purposes for modern epidemic diseases like mental stress, obesity, diabetes, hypertension, coronary heart disease, and chronic obstructive pulmonary disease. The overall purpose and goal of the Yoga Club is to promote health and wellness by organizing fun, stress relieving and educational activities. Given below are the highlights of the activities organized by Yoga Club:-

- ❖ Yoga Club organized a Poster Making Competition on the theme ‘Yoga: Healthy Body, Peaceful Mind’ on the occasion of Basant Panchami from February 16 -27, 2021.
- ❖ Yoga Club conducted a National Webinar Series on ‘Yoga for Modern Age’ by H. G. Keshav Murari Prabhu Ji, President, ISKCON, Rohini on February 24 and February 26, 2021 from 11:00 am onwards through Google Meet.
- ❖ Yoga Club celebrated ‘6th International Yoga Day’ on June 21, 2020 through Google Meet. An hour-long Practical Yoga session was commenced by Shri Naresh Garg and Shri Rajiv, Yoga instructors from Yog Vigyan Sansthan. It was followed by a lecture on ‘Practical Yoga for Modern Age’ by H. G. Amogh Lila Prabhu ji, Vice President, Shri Shri Rukmini Dwarkadish Temple (ISKCON), Dwarka. 93 participants ent
- ❖ Yoga Club organized a National Webinar on ‘Rog Mein Yog’ by Dr. Annu Mudgal, N.D.D.Y., Naturopath & Yoga Practitioner on May 16, 2020 through Google Meet.



EDITORIAL BOARD



SOMETIMES WE FAIL, BUT
WHETHER WE STEP BACK
OR FIGHT BACK WILL
DECIDE OUR SUCCESS.

-MANSI RAUTHAN



SLEEPING IS NICE BECAUSE
YOU'RE NOT ACTUALLY DEAD
AND YOU'RE NOT AWAKE SO ITS
A WIN-WIN SITUATION. DEATH
WITH BENEFITS YOU KNOW.

-AARYA SINGH



YOU ARE LIMITED ONLY
BY YOUR IMAGINATION.

-LAKSHAY R GOYAL



BOOKS DON'T CHANGE
PEOPLE; PARAGRAPHS
DO, SOMETIMES EVEN
SENTENCE..

-PRANSHU JOSHI



COFFEE?

-SHUBHAM GHOSAL



LIFE IS ONE EQUATION
WITH TWO UNKNOWNs.
GOOD LUCK SOLVING
THAT.

-VAIBHAV SHUKLA



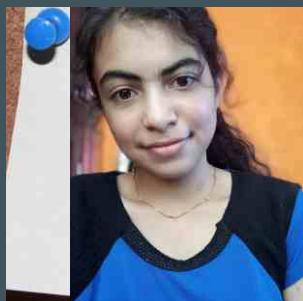


IMAGINE A PERSON WITH SHORT CURLY
BLACK HAIR, CHEERFUL SMILE, DEEP
HUMBLE EYES AND MIND ENGROSSED IN
SHADES OF THE INKS OF LITERATURE,
EUPHONY OF MYSTIC MUSICAL TRANCES,
BOGGLING BRAIN WITH THE INTRICACIES
OF THE UNSEEN ? BOOM! YOU GOT ME!
-ABHIMANN THAKRAN



WE ARE THE BRILLIANCE
OF STELLAR FUSION

-ABHISHEK PRASHANT



CHIMERICAL WORLD LIES
WITHIN YOU ,EXPLORE IT
AND LIVE WITH IT.

- ABHIRAMI VENUGOPAL



LOOK FOR THE MAGIC IN
EVERY MOMENT!!!

-AESHNA KAUL



BELIEVE IN YOURSELF RATHER
THAN BELIEVING IN OTHERS...

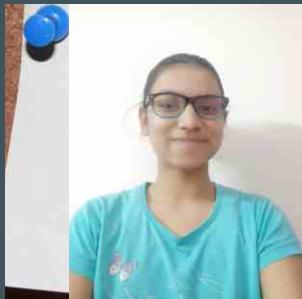
-DIYA GOYAL



CHAMELEONS ARE SUPPOSED TO
BLEND WELL, BUT I THINK IT'S
RUINED THIS SMOOTHIE.

-HIRANYAKAMAYA DASH





THE GLORIES OF PAST CAN ONLY
GIVE ONE THE TRANSIENT JOY OF
SATISFACTION, BUT IT CAN'T
PROVIDE A PERSISTENT MOTIVE TO
DEAL WITH THE FORTHCOMING
REALITY.

-NISHA MAHATO



PEN IS MY LIFE, WORDS
ARE MY ACTIONS AND
WITH THEM I WRITE MY
OWN DESTINY.

-PRADUMN



I BELIEVE IN IMAGINATION,
AS IT INSPIRES ME TO
ETERNALLY LIVE IN REALITY.

- SUNAINA SURESH
KUMAR



GETTING MY DREAM'S INKED.

-TAMANNA MOHAPATRA



I CAME, I SAW, I MIGHT NOT
HAVE CONQUERED, BUT I AIM
TO ENDEAVOR.

-VEDIKA SHAILENDRA KUMAR



MAGAZINE COMMITTEE



Dr. Neeru Sharma



Dr. Purnima Anand



Ms. Manu Karatia



Dr. Inderbir Kaur



Dr. Meetu Luthra



Dr. Alivia Roy



Mr. Jayant Sharma



Mr. Rakesh Ranjan Saini



Dr. Sakshi Khurana



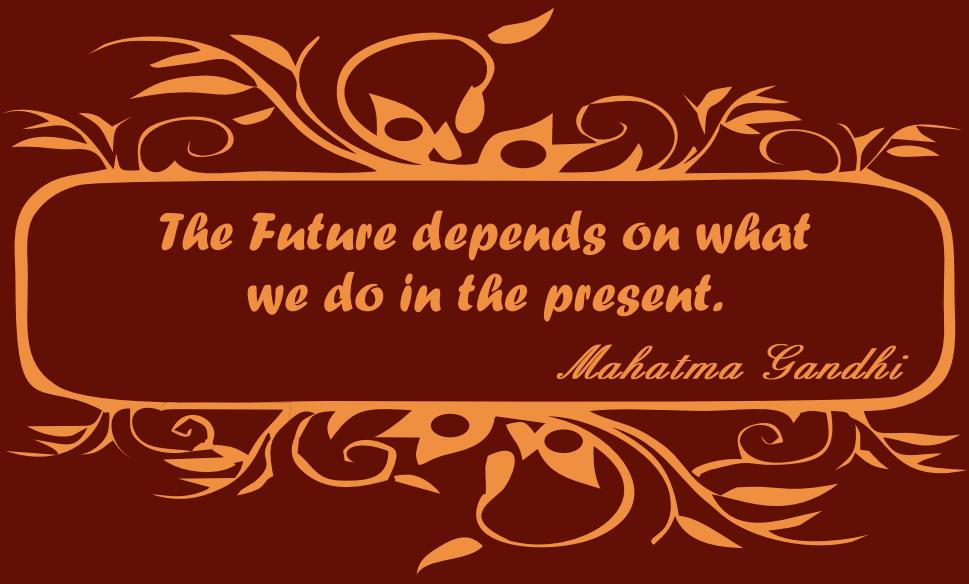
Dr. Shvetambri Arora



Dr. Swati Gupta



Disclaimer: The college authorities are not responsible for the originality of articles and images used in the magazine. The views expressed in the articles are solely of the contributors.



*The Future depends on what
we do in the present.*

Mahatma Gandhi

Bhaskaracharya college of Applied Sciences
University of Delhi

Accredited “A” Grade by NAAC “Star College Status” by DBT